

The Gazette of India

्रपाधिकार से प्रकाशित १७६८।ऽम६० ६४ ४०७ म०२४। १

सं • 48 वह बिस्ली, शनिवार, नवम्बर 29, 1986 (अग्रहायण 8, 1908) No. 48। NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 29, 1986 (AGRAHAYANA 8, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सकें (Separate paging is given to this Part in order that it way be filed as a separate compilation)

# भाग III—खण्ड 1 (PART III—SECTION 1)

खक्च ग्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

### प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन ग्रिधिनियम

नई दिल्ली-110003, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1986

सं० ए०-11/16/86—इस निदेशालय के मुख्यालय में तैनात श्री कालीचरण, ग्रधीक्षक को एतद्द्वारा इस निदेशालय के मुख्यालय में 24-10-86 (पूर्वाह्न) से ग्रगले श्रादेशों तक स्थानापन्न मुख्य प्रवर्तन ग्रधिकारी (प्रशासन) के रूप में नियुक्त किया गया है।

एल० के० सिंधवी उप-निदेशक (प्रशासन)

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशा० सुधार लोक शिकायत तथा पेंशन चंत्रालय (कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग) केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 30 अक्तूबर 1986

सं० ए०-22020/51/83-प्रशा०-3-फिलहाल निदेशक/ के० अर० ब्यूरो के निजी सचिव के रूप में कार्यरत गृह मंत्रालय 1-346G1/86 के के० स० ग्रा० सेवा संवर्ग के ग्रेड "ए" ग्राशुलिपिक श्री कृष्ण लाल हारा निवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31—10—86 ग्रपराह्न को उनकी सेवा निवृत्ति के फलस्वरूप निदेशक, के० ग्र० ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा श्री एम० पी० एस० चौहान, वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (६० 2000—60—2300—द० रो०—75—3200 के समय वेतनमान में ग्रेड "बी" ग्राशुलिपिक) को पदोन्नति पर दिनांक 31—10—86 ग्रपराह्न से 2000—60—2300—द० रो—75—3200—100—3500 र० के समय वेतनमान में ग्रेड "ए" ग्राशुलिपिक के रूप में नियक्त करते हैं।

ग्रेड "ए" ग्राशुलिपिक के रूप में पदोन्नति होने पर श्री एम० पी० एस० चौहान, को एतद्द्वारा दिनांक 31-10-86 ग्रपराह्न से निदेशक, के० ग्र० ब्यूरो के निजी सचिव के रूप में तैनात किया जाता है।

#### दिनांक 4 नवम्बर 1986

सं० 22020/51/83-प्रशासन-3 -िनदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा श्री जी० के० गृहा, वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (६० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 के समय वेतनमान

(25809)

में ग्रेड "बी" भागुलिपिक) को पदोन्नति पर सत्काल रु० 2000-60-2300-व० रो०-75-3200-100-3500 के समय वेतनमान में ग्रेड "ए" भागुलिपिक के रूप में नियुक्त करते हैं।

उन्हें तत्काल श्री एम० पी० एस० चौहान के स्थान पर अपर निदेशक, कें० श्र० ब्यूरो के वैयक्तिक सचिव के रूप में तैनात किया जाता है।

ये आदेश कार्मिक श्रीर प्रशिक्षण विभाग के पन्न सं० 202/47/86-एवीडी-2, दिनांक 31-10-1986 के श्रनुसार उनके श्रनुमोदन के बाद जारी किए गए हैं।

> के० चक्रवर्थी उप निदेशक (प्रशासन) कें० ग्र० ब्युरो

## नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1986

सं० जे०-1/65-प्रशासन-5-निवर्तन होने पर, श्री जे० पी० शर्मा, उप विधि सलाहकार, कें० ग्र० ब्यूरो ने दिवांक 31 मक्तूबर, 1986 भपराह्म को भ्रपने पद का कार्यभार स्याग दिया।

सं० एम-1/83-प्रशासन-5-निवर्तन होने पर, श्री एम० एल० सच्देव, ग्रपर विधि सलाहकार, कें० ग्र० ब्यूरो ने दिनांक 31 भक्तूबर, 1986 श्रपराह्म को ग्रपने पद का कार्यभार स्याग दिया।

सं० 1-20/82-सी० एफ० एस० एल०/8771-राष्ट्र-पति, केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय भ्रन्वेषण ध्यूरो, नई दिल्ली के श्री एन० के० प्रसाद, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक की वरिष्ठ वैज्ञानिक भ्रधिकारी (ग्रेड-2) रसायन प्रभाग केन्द्रीय व्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो, मई दिल्ली के रूप में नियुक्ति को 22-10-1986 (पूर्वाह्र) से भीर 3 महीनों भ्रथवा पद के नियमित भ्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, के लिए तद्वर्ष भ्राधार पर बढ़ाते हैं।

#### दिनांक 7 मबम्बर 1986

सं० 3/41/86-प्रभा०-5--राष्ट्रपति श्री ई० एन० राम मोहन, भा० पु० सेवा (ग्रसम एवं मेघालय: 1965) को दिनांक 24 श्रवतूबर, 1986 श्रपराह्न से ग्रगले ग्रादेश होने तक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर, पुलिस उपमहानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> धर्मपाल भल्ला, प्रशासन भ्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भ्रन्वेषण\_क्यूरो

### गृह मंद्रालय

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1986

सं० ए०—12012/1/86—प्रशासन— $I_I$ —समन्वय निवेशालय (पुलिस बेतार) में धितिरिक्त सहायक निवेशक के पद पर पदोन्नत होने के फलस्वरूप श्री ए० एच० राव, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—1200 रुपये के वेतनमान में 12 सितम्बर, 1986 पूर्वाह्म से धगले धादेशों तक नई दिल्ली में धितिरिक्त सहायक निदेशक (ग्रुप "ख") के पद का कार्यंभार संभाल लिया है।

वी० के० दुवे निदेशक, पुलिस दूर संचार

## महानिदेशालय के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1986

सं० म्रो० दो० 2140/86—स्थापना—राष्ट्रपति जी ने किनिष्ठ चिकित्सा मिद्यकारी (जनरल ड्यूटी म्राफ़िसर ग्रेड—II) डाक्टर बलजीत सिंह, बेस हास्पीटल-1 सी० घार० पी० एफ० नई दिल्ली को केन्द्रीय सिविल सेवा (म्रस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के मनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 13 मक्तूबर 1986 पूर्वाह्म से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

सं० भ्रो० दो० 2251/86—स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डा० भ्रोम प्रकाण पाठक को अस्थाई रूप से आगामी भ्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी भ्राफिसर ग्रेड—II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 12 सितम्बर 1986 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

### दिनांक 6 नवम्बर 1986

सं० भ्रो० दो० 1208/755-स्थापना-1-के० रि॰ पु० बल में पुलिस उपाधीक्षक पद पर एक वर्ष की पुनः नियुक्ति के फलस्वरूप श्री बी० के० स्वामी ने ग्रुप केन्द्र के० रि० पु० बल, हैंबराबाद में पुलिस उपाधीक्षक पद का कार्यभार दिनांक 16-10-86 (पूर्वाह्म) को संभाष लिया।

> किशन लाल उप निदेशक (स्थापना)

पुलिस श्रनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली-110003, दिनोक 7 नवम्बर 1986

सं० 13/4/85-प्रशा०-1--पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिदेशक, श्री बी० वी० त्रिवेदी अनुसंधान श्रधिकारी को दिनांक 3-8-84 से पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो में अनुसंधान श्रधिकारी के मूल पद पर नियुक्त करते हैं।

एन० पी० गुप्ता सहायक निदेशक

# वित्त मंत्रालय

# (भ्रार्थिक कार्य विभाग)

## प्रतिभूत कागज कारखाना

होशंगाबाद-461005, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1986

सं० 7(61)/5709—इस कार्यालय की श्रिधसूचना कमांक 7(61)/5522 दिनांक 27-10-1986 के तारतम्य में श्री बी० एल० समां की रु० 650-30-740-35-810— द० श्र०-35-880-40-1000—द० श्र०-40—200 के वेतनमान में सहायक श्रभियंता के पद पर की गई तक्यें नियुक्ति की श्रविध विनांक 1-11-1986 से 31-12-1986 तक या जब तक संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा चुना हुश्रा उम्मीदवार श्रभियंता (यांत्रिक) का पद भार नहीं संभाल लेता, इसमें से जो भी पहले हो, तक बढ़ाई जाती है।

६ ) रा० पाठक, महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एतं लेखा विभाग कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1 नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1986

सं० प्रशासन-1/का० धा० सं० 197—इस कार्यालय से सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी श्री इन्द्र पाल सिंह सहाय 1 नवम्बर 1986 को भारत सरकार की सेवा से स्वेच्छा से सेवा निवृक्त हो गये।

उनकी जन्म तिथि: 31 धगस्त 1943 है। उनकी सेवारम्भ की तिथि 10-6-1966 है।

> मोहन खुराना, उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

# निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय का कार्यालय कलकत्ता-700001, दिनांक 30 सक्तूबर 1986

सं० प्रशा०—I/सी०/470/1894—95——निदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय, कलकत्ता ने निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा ग्रिधकारियों को 840—40—1000—ई० बी०—40—1200 रुपये के वेतनमान पर स्थानापन्न लेखापरीक्षा ग्रिधकारी के पद पर उनके नामों के साथ दिए गए तारीख से ग्रगला आवेश जारी किए जाने तक निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय, कलकत्ता के कार्यालय में नियुक्त किए हैं।

कम सं०	नाम		कार्य	भार ग्रहण करने की तारीख
	सर्वेश्री दुबोध चन्द्र दास	•	•	1-9-1986 (पूर्वाह्म से)

1 2			3
2. चितरंजन ठाकुर .	•		1-9-1986 (पूर्वाह्न से)
<ol> <li>हरप्रसाद भट्टाचार्या</li> </ol>		•	1-9-1986 (पूर्वाह्न से)
4. पूर्णानन्द बन्दोपाध्याय			1-9-1986 (पूर्वाह्म से)

सुनील, उप० निदे० ले० परीक्षा (प्रमा०)

# महालेखाकार लेखापरीक्षा का कार्यालय हैवराबाद-500463, दिनांक 29 श्रक्तुबर 1986

सं० प्रणा० I/8-132/86-87/123—महालेखाकार (लेखापरीक्षा-1) ग्रांध्र प्रदेश हैदराबाद ने सहर्ष नीचे लिखें महायक लेखापरीक्षा ग्रिधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा ग्रिधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा ग्रिधिकारियों के रूप में 840-40-1000—द० ग्र०-40-1200 रु० के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी भ्रगले श्रादेशों तक पदोन्नति दी है। पदो-न्नति के लिए दिए गए भ्रादेश उनके वरिष्ठों के दायों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, श्रौर भ्रान्ध्र प्रदेश उन्च न्यायालय/उन्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकान्नों के परिणामों के ग्रधीन माने जाएंगे।

उन्हें चाहिए कि वे स्रपना विकल्प भारत सरकार का॰ ज्ञा॰ सं॰ एफ/7/1/80-स्थापना पी॰ टी॰ 1, दि॰ 26-9-81 की शर्तों के अनुसार पदोश्नित की तारीख से एक महीने के अंवर दें।

नाम		 पद ग्रहण की तारीख
1. के० सोमाय्या	•	1-10-1986 (মুৰ্বান্ধ)

ह० भ्रपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

# कार्यालय महालेखाकार (ले॰ प॰) 1, कर्नाटक बंगलौर-1, दिनांक 15 श्रक्तूथर 1986 कार्यालय श्रादेश

सं ग न लें (लें प प ) 1/प्रशासन 1/ए 1/86-87/एक्स प 1/400 महालेखाकार (लें प प ) 1 ने निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा प्रधिकारियों को केवल प्रस्थायी क्षमता में उनके वरिष्ठों को प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से इ० 2375-75-3200-

दः रोः -100-3500 वेसनमान पर लेखापरीक्षा श्रधिकारियों के रूप में सहर्ष पदोन्नति किए हैं।

- 1. श्री डी० तिरूग्नानम्
- 2. श्री एस० पी० देशपाँडे

लेखापरीक्षा अधिकारियों के रूप में उनके पवीन्नति होने के फलस्वरूप, स्वामी संकलन (7वीं संस्करण) भा० स० गृ० मं० कार्मिक श्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० एफ० 7/1/80 संस्थापना/पी० ए० दिनांक 26 सितम्बर 1981 के एफ० आर० 22(सी) के नीचे के भारत सरकार के निर्णयानुसार उन्हें उच्च वेतनमान में नियत करने के लिए छनके पदोन्नति की तारीख से एक महीने के श्रंदर इच्छा प्रकट करना होगा।

ह० %पढनीय उप महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार (ले० व० ह०) का कार्यालय, केरल तिरुवनन्तपूरम, दिनांक 24 श्रक्तुबर 1986

सं० स्थापना/प्र०/5/9-86/खण्ड 3--श्री एन० रामचन्द्रन, मनुभाग श्रिधकारी को 23-10-1986 से श्रगले मादेश तक लेखा प्रधिकारी के पद में स्थानापन्न होने के लिए नियुक्त करने को महालेखाकार (ले० व० ह०) केरल संतुष्ट हुए हैं।

यह नियुक्ति थ्रो० पी० सं० 750/84 के पर केरल के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जो ग्रादेश जारी किया जाए, उसके श्रध्यधीन श्रगले श्रादेश तक श्रस्थायी है।

ग्नाई० वेंकटरामन, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

# महालेखाकार कार्यालय-1, महाराष्ट्र (लेखा व हकदारी)

- बम्बई-400 020, दिनांक 6 प्रक्तूबर 1986

स० प्रशासन-1/सामान्य/31-खण्ड-4/सी-1(1)/2819-प्रमुख महालेखाकार, महाराष्ट्र, बम्बई, श्रधीनस्थ लेखा सेवा के
सदस्य श्री के० श्रार० कृष्णास्यामी श्रीर श्री श्रार० एम० करूर
को दिनाक 24-9-1986 पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेश तक
स्थानापन्न रूप में लेखा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० के० श्रय्यर, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनैन्स फैक्टरियां सेवा श्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-1, दिनांक 28 श्रक्तुबर 1986

सं० 71/जी०/86--श्री के० गोपालकृष्णन्न, संयुक्त महा-प्रबन्धक (स्थानापन्न एवं स्थायी प्रबन्धक) दिनांक 5-8-86/ भ्रपरास्त्र से स्वेष्ट्या पूर्वक सेवा से निवृत्त हुए। तदनुसार उनका नाम दिनांक 6-8-86/प्रातः से भारतीय भ्रायुद्ध निर्माणी सेवा से हटाया जाता है।

एम० ए० **धलह**न, संयुक्त निदेशक/जी

डी० जी० ग्रो० एंफ० मुख्यालय सिविल सेवा कलकत्ता-700 001, दिनांक 17 सितम्बर 1986

सं० 9/86/ए० ई०-1 (एन० जी०) — महानिदेशक आयुद्ध निर्माणी महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को वर्तमान रिक्तियों में, वरिष्ठता पर बिना प्रभाव के प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाई गई तारीख से, उन पवों पर प्रवोधत करते हैं:---

- 1. श्रीमती बीना हलवार स्थानापन्न सहायक दिनांक 10-7-सहायक स्टाफ ग्रधिकारी 86 (पूर्वाह्न) से ग्रागामी आदेश होने तक
- 2. श्री बी० रामस्वामी वही-- -- वही--सहायक
- 3. श्री पी० बी० दे सहायक स्टाफ --वही--सहायक ग्रधिकारी (तथर्ष) दिनाक 1-10-स्टाफ ग्रधिकारी 86 (पूर्वाह्न) से ग्रागामी ग्रादेण होने तक
- 2. उपरोक्त पदोन्नतियां वरिष्ठता सूची को ग्रप्रभावित रक्षत हुए की गई हैं इस सम्बन्ध में मानमीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल की गई ग्रपील के निर्णयानुसार पालन किया जाएगा।
- 3. कम संख्या 1 एवं 2 के मधिकारीगण दिनांक 10-7-86 से दो वर्षों पर्यन्त परिवीक्षाधीन रहेगें। क्रम संख्या 3 के प्रधिकारी दिनांक 1-10-86 से दो वर्षों पर्यन्त परिवीक्षा-धीन रहेगें।

एस० दासगुप्ता, जपमहानिदेशक श्रानि०/प्रशासन कृते महानिदेशक, श्रायुद्ध निर्माणियां

# कलकत्ता-1, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

सं० 70/जी०/86—श्री श्रार० के० श्रगरवाल, स्थानापस्त्र संयुक्त महाप्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी संयुक्त निदेशक/प्रवन्धक) विनांक 30-9-86/प्रपराह्म से स्वेच्छा पूर्वक सेवा से निवृत्त हुए। तथानुसार उनका नाम दिनांक 1-10-86/प्रातः से भारतीय श्रायुद्ध निर्माणी सेवा से हटाया जाता है।

एम० ए० **प्रवाह**न, संयुक्त निदेशक/जी

#### श्रम मंत्राक्ष्य

## ·खान सुरक्षा म<sub>ैं</sub>।निदेशालय

### धनबाब, दिनांक 29 प्रस्तूबर 1986

स० 7(2)84-प्रशा०-1/7721--श्री बचन प्रसाद, श्रधीक्षक को दिनांक 5-5-86 (श्रपराह्म) से खान सुरक्षा महानिदेशालय में सर्वर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक प्रशासनिक श्रिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

सं० 7(2)84-प्रशा०-1/7728---निम्नलिखित ग्रधीक्षकों (सदर्थ) को उनके नाम के सामने वी गई तिथि से खान सुरक्षा महानिदेशालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक प्रशासनिक ग्रधिकारी के पद पर पदीक्षत किया गया है।

नाम			तिथि
1. श्रीटी० बी० कुजूर	•	•	26-5-1986 (पूर्वाह्न)
2. श्री एम० सी० मजुमदार	•	•	11-8-1986 (पूर्वाह्न)
3. श्रीडी० बी० मित्रा	•	•	25-8-1986 (पूर्वाह्न)
		कृते खान	एल० एच० मिश्रा, सुरक्षा महानिवेशक

#### बाणिज्य मंद्रालय

#### पूर्ति विभाग

## राष्ट्रीय परीक्षण गृह, झलीपुर

कलकत्ता-27, विनांक 27 प्रक्तूबर 1986

सं० जी०-318/ए०--श्रधोहस्ताक्षरी, श्री के० सी० मजूम- कार एवं श्री वी० के० वी० शिण्डे, सहायक निदेशक (प्रशासन) (स्तर-II), राष्ट्रीय परीक्षण गृह को सहायक निदेशक (प्रशासन) (स्तर-II) के पद पर राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता एवं गाजियाबाद में नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं जो कि कमशः 19-6-86 एवं 3-10-86 से कार्यकर होगा।

के० एम० बनर्जी, संयुक्त निदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, ग्रलीपुर, कलकत्ता-27

## उद्योग मंत्रालय (भौद्योगिक विकास विभाग)

विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनौंक 29 श्रक्तूबर 1986

सं० ए०-19018/(331)/77-प्रशा० (राज०)---राष्ट्र-पति, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (कांच/मृत्तिका) श्री भ्रजीत सिंह सूत्र की 27-6-86 (पूर्वाह्म) से, अगले श्रादेशों तक, उसी कार्यालय में, उपनिदेशक (काच/मृत्तिका) के पद पर, तदर्थ घाधा पर नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 4 नवम्बर 1986

संव 12(162)/61-प्रशाव (राजव)—सेवा निवृत्ति की भ्रायु प्राप्त करने के पण्चात् श्री केव सीव माथुर ने विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय, नई दिल्ली से निदेशक, ग्रेड-1 (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद का कार्यभार दिनांक 31 भ्रक्तूबर, 1986 से छोड़ दिया है।

सी० सी० राय, उपनिदेशक (प्रशा०)

## पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

#### (प्रशासन धनुभाग-6)

नई विल्ली-110001, विनांक 22 प्रक्तूबर 1986

सं० ए०-17011/325/86-प्र०-6-सहानिदेशक पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (अभि०) श्री श्राणुतोष बसाक को दिनांक 16 सितम्बर, 1986 के पूर्वाह्म से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक, उसी कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (अभि०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

> न्नार० पी० शाही, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन प्रन्साग-1)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 4 नवम्बर 1986

सं० ए०/1 (1239)—स्थायी ग्रधीक्षक (स्तर—II) भौर निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड—II) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे, श्री सी० बरूघोष निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर 30 सितम्बर, 1'986 के भ्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० ए०-1/1 (1256)—स्थायी प्रधीक्षक श्रीर निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय में सहायक निदेशक, (प्रशा०) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे, श्री सी० एस० शेषादि निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर 30 जून, 1986 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

यी० साखरे, उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

## कार्यालय, महानियंत्रक एकस्य, रूपांकन एवं व्यापार चिन्ह

बम्बई-400 020, दिनांक 31 मन्तूबर 1986

सं० सी० जी०/एफ०/5/1(4)/86—राष्ट्रपति श्री एच०पी० शुक्ला को दिनांक 22-9-86 (पूर्वाह्न) से सहायक पंजीकार, क्यापार चिन्ह (ग्रुप 'ग्र' राजपत्नित) के पद पर नियमित रूप से वेतनमान रु० 1100-1600 पर व्यापार चिन्ह रिजस्ट्री शाखा, कलकत्ता में नियुक्त करते हैं। वे उपरोक्त दिनांक से 2 वर्ष की श्रवधि तक परीवीक्षाधीन रहेंगे।

सं० सी० जी०/एफ०/1/2(7)/86—श्री वी० वेंकटरामन् को दिनांक 1-9-86 (पूर्वाह्म) से प्रशासकीय प्रधिकारी, एकस्व शाखा कार्यालय, कलकत्ता (ग्रुप 'ब' राजपतित) के पद पर प्रतिनियुक्ति के प्राधार पर वेतनमान २० 650-960 पर एकस्व कार्यालय, कलकत्ता में नियुक्त किया जाता है।

सं० सी० जी०/एफ०/14/7(13) एकस्व/86—राष्ट्रपति
श्री एच० जी० श्रग्रवाल को दिनांक 7-8-1986 (पूर्वाह्म)
से परीक्षक, एकस्व एवं रूपांकन (ग्रुप 'ग्र' राजपत्नित) के पद पर
नियमित रूप से वेतनमान रु० 700-1300 पर एकस्व
कार्यालय, कलकत्ता में नियुक्त करते हैं। वे उपरोक्त दिनांक से
2 वर्ष की श्रवधि तक पिन्वीक्षाधीन रहेंगे।

सं० सी० जी०/एफ०/14/7(13) एकस्व/86—राष्ट्रपति श्री एन० रामचंदानी को दिनांक 22-5-86 (पूर्वाह्न) से परीक्षक, एकस्व और रूपांकन, नई दिल्ली (ग्रुप 'ग्र' राजपत्नित) के पद पर नियमित रूप से वेतनमान रु० 700-1300 पर एकस्व शाखा कार्यालय, नई दिल्ली में नियुक्त करते हैं। वे उपरोक्स दिनांक से 2 वर्ष की श्रवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगे।

सं० सी० जी०/एफ०/14/7(13) एकस्व/86---राष्ट्रपित श्री बीपक कुमार राहुत को बिनांक 6-5-86 (पूर्वाक्ष्र) से परीक्षक, एकस्व एवं रूपांकन (ग्रुप 'ग्र' राजपित्रत) के पद पर नियमित रूप से वेतनमान रु० 700-1300 पर एकस्व कार्यालय, कलकत्ता में नियुक्त करते हैं। वे उपरोक्त बिनांक से 2 वर्ष की भवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगे।

श्चारः के० श्चाचार्य महानियंत्रक एकस्य, रूपांकन एवं व्यापार चिन्ह

# विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई विल्ली, विनांक 6 नवम्बर 1986

सं० स्था० (1)00741—श्री वी० एस० राव, निदेशक, भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारत सरकार की सेवा से 1-10-1986 की पूर्वाह्म को नियम एफ० ग्रार० 56० (के०) के भन्तर्गत स्वेच्छया से निवृत्त हो गए हैं।

> एस० के० साहा, निदेशक (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

# इस्पात श्रौर खान मंत्रालय खान विभाग भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, विनांक 29 धक्सूबर 1986

सं० ए० 19011(55)/86—स्था० ए०—विभागीय पवी-श्रति समिति की सिमारिश पर, राष्ट्रपति श्री बी० एम० राघवन क्षेत्रीय खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में भ्रष्टीक्षक खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 1-10-86 के भपराह्म से भागामी श्रादेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 31 मन्तूबर 1986

सं० ए० 19011(58)76 स्था० ए०—विभागीय पदोप्रति समिति की सिफारिश पर, राष्ट्रपित श्री के० बी० रमया,
क्षेत्रीय खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में मधीक्षक
खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 9-10-86 के पूर्वास
को श्रागामी श्रादेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जी० सी० शर्मा, सहायक प्रशासन मधिकारी कृते महानियंत्रक

# नागपुर, विनांक 29 श्रन्त्वर 1986

सं० ए०-19011(396)/86-स्था० ए०--श्री एन० वाई० गोरे, भारतीय सांख्यिकी सेवा के श्रेणी के धनुसंघान श्रधिकारी भारत के महापंजीयक, नई दिल्ली के कार्यालय से स्थानांतरण पर भारतीय खान क्यूरो में दिनांक 6-10-86 (पूर्वाह्म) से सहायक खनिज अर्थशास्त्री के पद पर अगले आयेश तक स्थानापन्न की हैसियत से कार्यग्रहण किया।

पो०पी०वादी प्रशासन श्रधिकारी भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर दिनांक, 6 नवस्थर 1986

सं० ए० 19012/112/83-स्था० ए० खंड II-- नागपुर विश्वविद्यालय से प्रत्यावितत होने पर श्री एम० एम० सावंग ने भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 13 श्रक्तूबर, 1986 के श्रपराह्य में रु० 2000-3500/- के वेतनमान में सहायक संपादक के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

पी० पी० वादी, प्रशासन ऋधिकारी भारतीय खान ब्यूरो कृते महानियंत्रक

## राष्ट्रीय पुस्तकालय

## कलकता-27, दिनांक 7 अक्तूबर 1986

सं० ए० डी० एम०/सी० श्रो० एन०/एस०-1(25/2)/5214-12 दिसम्बर, 1984 को हुई बैठक में विभागीय श्रोग्नयन समिति (श्रवर) की संस्तुतियों तथा संस्कृति विभाग के पन्न सं० एफ-10-23/84-लिख दिनांक 13-2-85 में निहित श्रादेशों का श्रनुपालन करते हुए श्रीमती मरियम कोशी, श्रधीक्षक (तकनीकी), राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता को र० 650-30-740-35-810-द० श्र-35-880-40-1200 के वेतनमान में 13 फरवरी, 1985 से सहायक पुस्तकाह्यस के पद पर पदोक्षत किया जाता है।

सं० ए० औ० एम०/सी० श्रो० एन०/एस०-1(8)/
5224 एफ नं० 10-23/82-लिअ--राष्ट्रपति महोदय
संघ लोक सेवा घायोग की संस्तुति पर प्रसन्ध होकर
श्री गुरूगन्थप्पा कुमारप्पा को राष्ट्रीय पुस्तकालय,
कलकत्ता में ६० 650-30-740-35-810-द० श्र०-35880-40-1000-द० श्र०-40-1200/- (स० के० सं०
ग्रुप "बी" राजपत्तित (ग्रमंत्रालयीय) के वेतनमान में पूर्वाह्र
29 नवम्बर, 1985 से सहायक पुस्तकाध्यक्ष (कन्नड़) के पद
पर नियुक्त करते हैं।

ग्रणीन दासगुप्त, निदेशक

## सूचना भौर प्रसारण मंत्रालय

## बम्बई-400026, विनांक 27 अक्तूबर 1986

सं० ए०-32014/4/83-म्रार० सी०--विभागीय पदोन्नति सिमिति की संस्तुति परं, मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, ने श्रीयुत म्रार० यू० खानेकर, स्थानापन्न सहायक समाचार चित्र श्रिधिकारी, फिल्म प्रभाग, पटना को 12-9-1986 के पूर्वाह्न से ग्रगला भ्रादेश होने तक घपये 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 के वेतनमान में फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली में कैमरामैन नियुक्त किया है।

नरेन्द्र नाथ शर्मा, प्रशासकीय श्रधिकारी कृते मुख्य निर्माता

# कृषि मंत्रालय कृषि तथा सहकारिता विभाग विस्सार निदेशालय

## नई दिल्ली, दिनांक 27 ग्रक्तूबर 1986

सं० मि० नं० 5-36/86-स्थापना-(1)--विस्तार निदेशालय की विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप "बी") की सिफा-रिशों पर श्री श्रो० पी० गुप्त को दिनांक 1-9-1985 से सहायक सम्पादक (हिन्दी) सामान्य केन्द्रीय सेवा, ग्रुप "बी" (राजपित्रत) के स्थायी पद पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

श्रार० जी० बनर्जी, निदेशक प्रशासन

## भाभा परमाणु मनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

## बम्बई-400 085, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1986

सं० पी० ए०/73(18)/86-श्रार०-4/1166--नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसंघान केन्द्र डा० संजीव निलकंठ देशपांडे को निवासी चिकित्सा श्रधिकारी पद पर इस श्रनुसंघान केन्द्र के श्रायुविज्ञान प्रभाग में श्रन्तूबर 1, 1986 (पूर्वाह्र) से नवम्बर 14, 1986 (श्रपराह्र) तक श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं। सी० जी० सुकुमारन, उप स्थापना श्रधिकारी

## बम्बई-400 085, दिनांक 7 नवम्बर 1986

सं० एस०/3931/स्था० II/4487——डा० लिसत हरि शर्मा ने हिन्दी ग्रधिकारी पद का पद भार 8-10—86 ग्रपराह्म की त्यागपक्ष वेने पर छोड़ दिया।

के० वेंकटकृष्णन, उपस्थापना स्रधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना बुलन्द्रशहर, दिनांक 4 नवम्बर 1986

सं० क० न० प० वि० प०/भर्ती/29/श्रगस्त 86 एस०/
17202—परियोजना निदेशक, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के निम्निखिल वैज्ञानिक सहायकों को इसी परियोजना में प्रत्येक के सामने ग्रंकित पद पर एक श्रगस्त 1986 पूर्वाह्म से श्रियम प्रादेशों तक ग्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

क्रम नाम सं०	वर्तमान पद	पदनाम जिसमें नियुक्त किया है
1. श्री भ्रो० पी० सिंह	वैज्ञानिक सहायक ''सी''	वैज्ञानिक म्रधिकारी/ प्रभियन्ता श्रेणी ''बी''
2. श्री एम० मेघानी	वैज्ञानिक सहायक ''सी''	वैज्ञानिक श्रधिकारी/ श्रभियन्ता श्रेणी ''बी''

परोक्त अधिकारियों ने वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता श्रेणी "बी" पद का कार्यभार 1 अगस्त 1986 पूर्वाह्म से संभाल लिया है।

> समीर हुक्कू, मुख्य प्रशासन प्रधिकारी

## नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

## हैवराबाद-500 762, दिनांक 25 प्रक्तूबर 1986

संग्ना० ई० स०/का० प्र० भ०/0703/1890—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के प्रशासन एवं लेखा के उप मुख्य कार्यपालक जी सहायक लेखाकार श्री ना० भरतन की ६० 2000—60—2300—द० रो०—75—3200 के वेतनमान में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में दिनांक 6—10—1986 से 5—11—1986 पर्यन्त श्रथवा श्रागमी भादेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्वपटित हो, नियक्त करते हैं।

## दिनांक 30 ग्रन्तूबर 1986

संव नाव ६० स०/काव प्रव भव/0704/1926—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या नाव ६० स०/काव प्रव भव/0704/1801, दिनांक 4-10-1986 के कम में सहायक लेखाकार श्री एव पाष्पाचन की सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में रव 2000-60-2300-दव रोव-75-3200 के वेतनमान में तवर्थ आधार पर नियुक्ति को दिनांक 29-11-1986 पर्यन्त अथवा आगामी आदेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्वविदित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ०/0704/1927—इस कार्यालय की ग्रिधिस्थना संख्या ना० ई० स०/का० प्र० भ०/0704/1800, दिनांक 4-10-1986 के कम में ग्राणुलिपिक श्रेणी—III, श्री नु० श्री ग्रजय कुमार की सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी के रूप में ६० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 के वेतनमान में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्ति को विनांक 29-11-1986 पर्यन्त भयवा ग्रागामी ग्रादेशों पर्यन्त-इनमें से जो भी पूर्वंषटित हो, ग्रागे बढ़ाया जाता है।

गोपाल सिंह, प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

### नई दिल्ली, विनांक 11 सितम्बर 1986

सं० ए० 31013/2/85-ई० एस० (स्था०-I)-राष्ट्र-पति, श्री सतिन्द्र सिंह को नागर विमानन विभाग में दिनांक 1-5-1985 से उपनिदेशक/क्षेतीय नियंत्रक, विमान सुरक्षा (इंजी०) के पद पर तथा इसी ग्रेड में स्थाई क्षमता में नियुक्त करते हैं।

> एम० भट्टाचार्जी, उपनिदेशक, प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली-110066, दिनांक 9 प्रक्तूबर 1986

सं० ए०-32013/9/84-ई० सी०--राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित सहायक संचार ध्रधिकारियों की नागर विमानन विभाग में संचार ध्रधिकारी के पद पर की गई तवर्ष नियुक्ति की ध्रवधि प्रत्येक के नाम के सामने दी गई ध्रवधि के लिए बढ़ा दी है:--

——— ऋम सं०	नाम	तारी	g
#10		<del></del> से	तक
	सर्वश्री	<u> </u>	
1.	जी० के० राव	1-4-86	31-5-86
2.	एम० सुब्रहमण्यन्	,,	jj
3.	गुरमेल सिंह	,,	"
4.	बी० एस० गुसैन	,,	11
5.	एस० के० दास	"	"
6.	एस० वी० चोलेकर	77	"
7.	एल० एस० गोविला 🕝	,,	11
8.	डी० के० चौधरी	,,	,,,
9.	वी० धाई० राममूर्ति	,,	30-4-86
10.	ए० एन० विश्वास	***	31-5-86
11.	बी० एन० सरकार	"	11
12.	बी० के० विश्वास	11	"
13.	पी० भार० गांगुली	,,	"
14.	ग्रार० एस० भगीरथ	,,	11
15.	एस० के० पाल	71	11
16.	जे० सी० डे० सरकार	17	ıi
17.	एस० एल० सरदाना	,,	17
18.	एस० मार० देशपाण्डे	12	11
19.	गजराम सिंह	11	,, 11
20.	डी० एन० सुनी	***	"
21.	<b>ग्रार</b> ० के० मोडक	1)	11
22.	बी० सी० विश्वास	16-7-85	11
	(स्रनु० जाति)	-	
23.	एस० एम० कुलकर्णी	1-4-86	"
24.	एस० एस० एन० मूर्ति	"	**
25.	टी ० एस ० राकनी <sup>"</sup>	"	<b>)</b> )
26.	श्रार० गोविन्दराजालू	J <b>3</b>	11
	के० एस० मृति	"	**
28.	एस० के० चटर्जी	"	,
29.	<b>भा</b> र० टी० सिंह	n	11
30.	बी० जी० सुन्दरारामन	. 33	"
31.		,,	"
32.	एम० एस० गोगेट	"	"
33.	एस० बर्मन	"	7.1
	एस० पी० सेनगुप्ता	17	) )†
35.	एच० एस० दुर्ली	,,	7 7

1	2	3	4
36. ₹	ी० ग्रार० गुहा	1-4-86	31-5-86
37. \$	गर० के० डी० चौधरी	"	"
38. જે	ि पी० गुप्ता	,,	) j
39. Q	म० एस० देवील	"	11
40. Q	न० ग्रार० बोस	,,	11
41. Q	मं० जी० संदल	"	11
42. d	ोरथ सिंह	"	11
43. Q	म० ग्रार० राजाऋषि	"	ni
44. <b>र्</b>	ो० जी० चन्द्राना	11	11

2. उपरोक्त ग्रधिकारी इस बढ़ाई गई तदर्थ नियुक्ति की ग्रवधि के फलस्वरूप नियमित ग्राधार पर संचार ग्रधि-कारी के ग्रेड में पदोन्नति के लिए दावा करने के हकदार नहीं होंगे भ्रौर तदर्थ श्राधार पर की गई सेवा-श्रवधिन तो संचार श्रधिकारी के ग्रेड में बरीयता के प्रयोजन के लिए भौर न ही भ्रगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति की पासता के लिए गिमी जाएगी।

> मुकुल भट्टावार्जी उप निवेशक, प्रशासन

नेन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालयः

कलकत्ता, दिनांक 29 सितम्बर 1986

विषय: अधीक्षक ग्रेड "बी" में प्रवीन्नति, स्वामान्तरण एवं पदस्थापमा ।

## पदोन्नति :

सं० 245/86-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, र्कलकत्ता-1/11/बोलपुर के सम्मिलित संवर्ग के निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निरीक्षक पदोन्नति के उपरान्त इसके द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रष्ठीक्षक, ग्रेड "ख" में कार्य करने के लिए अनन्तिम रूप से नियुक्त किए जाते हैं जिनका समय-मान वेतन रुपये 650-30-740-35-810-द रोo-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के साथ नियमा-नुसार सामान्य मान्य भत्ता उच्च पद (प्रधीक्षक, के० उ० शु० ग्रुप ''बी'') का कार्यभार ग्रहण करने की तारीखा से लागू होगा । प्रत्य आदेश आने तक इनकी पदस्थापना निम्न प्रकार होगी।

ऋ०सं०	नाम	वर्तमान पदस्थापना
1	2	3
सर्वश 1. सुगी	ी लिकुमार पाल	दमदम प्रमण्डल, रेंज $-IV$ केन्द्रीय उत्पाद शृस्क, कलकत्ता $-11$

1 2	3
2. समीर रंजन दल शर्मा	केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, कलकत्ता ''डी'' प्रमण्डल, कलकत्ता–1
3. त <b>रूम कुमार घोष</b>	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कलकत्ता ''बी'' प्रमण्डल, कलकत्ता–1
	मधिकारी को चेतावनी दी जाती

है कि ग्रुप "बी" में उनकी नियुक्ति पूर्णतः ग्रस्थायी है ग्रीर सीधी भर्ती या भ्रन्य अधिकारियों के लिए निर्घारित पद के अनुरूप पुनरीक्षण/परिवर्तन योग्य है जिसके आवंटन का निर्णय सरकार ग्रन्तिम रूप से ले सकती है।

दूसरे शब्दों में अनन्तिम रूप से पदोन्नति अधिकारी को गृह मंत्रालय के भादेश सं० 9/11/55 एस० भार० पी० एस० दिनांक 22-12-59 के निदेशानुसार सीधी भर्ती के अधि-कारी के साथ रोस्टर्स में लाया जाएगा (जब वे उपलब्ध होंगे) भीर जब वे स्थापना के लिए वेशी होंगे तब उन्हें वापस लौटा दिया जाएगा।

उनकी पवोन्नति श्री गौर कुमार वे, निरीक्षक (एस० जी०) द्वारा दायर की गई 1984 की रिट याचिका सी० मार० सं० 8496 (डब्स्यू०) के भ्रंतिम निर्णय के भ्रनुसार होगी भौर श्रवमानना श्रावेदन के श्रादेशानुसार एक पद रिक्त रखा गया है।

यह पदोन्नति श्री एस० ग्रार० दत्त शर्मा, निरीक्षक ग्रौर अन्य द्वारा आरक्षण पर दायंर की गई रिट याचिका के अंतिम निर्णय पर भी निर्भर करेगी।

#### स्थानान्तरण एवं पदस्थापनाः

निम्नलिखित स्थानान्तरण एवं पदस्थापना ग्रन्य ग्रावेश श्राने सक इसके द्वारा तत्काल लागुकी जाती है।

 ऋम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान प <b>दस्या</b> पना	पदोन्नति/स्थाना- न्तरण के बाद पदस्थापना ∮
1	2	3	4
—— स	र्वैश्री		
1. सु	प्रगील कुमार पाल	दमदम प्रमण्डल, रेंज-I∨के०उ०शु०, कल०-11	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बोलपुर समाहर्तालय
	ामीर रंजन दत्त शर्मा	के०उ०शु०, कल०-''डी'' कलकत्ता-1 समा०	कलकत्ता-11 समाहतलिय
3. ₹	रून कुमार घोष	के०उ०सु०, कल०-"बी" प्रमण्डल, कल०1 समा०	के०उ०शु० बोल- पुर समा० के मधीन दुर्गापुर स्टील प्रमण्डल

1 2		3	4
4. सन्तोष कु	मार दत्त	स्थापना झादेश सं० 220/86 वि० 29-8-86 के झनुसार दुर्गा- पुर स्टील प्रम० को स्थानान्सरण झादेश के झधीन	कालम 3 में उल्लिखित स्था- पना आदेश के आशिक संशोधन प्राम्लिक संशोधन प्रानुसार के० उ० शु० कल०-11
5. सैलेन्द्रना	य पोद्दार	<sup>ह</sup> बोलपुर समा- हर्तालय	कलकत्ता-1 समाहर्तालय के शुल्क वापसी शाखा में

पवोश्वति/स्थानान्तरित श्रधिकारी द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रद्यीक्षक ग्रुप "बी" का कार्यभार ग्रहण एवं स्थानान्तरण प्रभाण-पद्म की प्रति उप समाहर्ता (का० व स्था०) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कलकत्ता-1/11/बोलपुर को प्रेषित किया जाएगा।

गृह मंद्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० एफ०/7/1/80/स्था०/भाग 1 दिनांक 26-9-81 के अनुसार अपने वेतन नियतन के सम्बन्ध में पदोन्नति श्रिष्ठकारी, पदोन्नति तिथि के एक माह के अन्दर अपना आशय प्रकट करें।

स्थानीय व्यवस्था करके श्रिधकारियों को शीघ्र कार्यमुक्त किया जाए।

दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

विषयः ग्रधीक्षक ग्रेड "बी" में पदोन्नति, स्थानान्तरण एवं पदस्थापना

#### पदोन्नति :

सं० 255/86—-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, कलकत्ता—1/11/बोलपुर के सम्मिलित संवर्ग के निम्निलिखित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निरीक्षक पदोन्नित के उपरान्त इसके द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मिरीक्षक पदोन्नित के उपरान्त इसके द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रधीक्षक, ग्रेड "ख" में कार्य करने के लिए भ्रनन्तिम रूप से नियुक्त किए जाते हैं जिनका समयमान वेतन रुपया 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के साथ नियमानुसार सामान्य मान्य भत्ता उच्च पद (ग्रधीक्षक, के० उ० शु० ग्रुप "बी") का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगा। अन्य भ्रादेश श्राने तक इनकी पदस्थापना निम्न प्रकार होगी।

क क सं ०	नाम	वर्तमान पदस्थापना
1.	श्री सरोज कुमार सेनगुप्ता	कलकत्ता "ग्राई" प्रमण्डल, के० उ० शु०, कलकत्ता-1

ऊपर लिखित पवोन्नति मधिकारी को चेतावनी दी जाती है कि ग्रुप ''बी'' में उनकी नियुक्ति पूर्णतः ग्रस्थायी है मौर सीघी मर्ती या अन्य अधिकारियों के लिए निर्धारित पद के अनुरूप पुनरीक्षण/परिवर्तन योग्य है जिसके आवंटन का निर्णय सरकार अंतिम रूप से ले सकती है।

दूसरे गब्धों में ध्रनन्तिम रूप से पदोन्नति ध्रिधिकारी को गृह मंत्रालय के ग्रादेश सं० 9/11/55-एस० धार० पी० एस० दिनांक 22-12-59 के निदेशानुसार सीधी भर्ती के ग्रिधिकारी के साथ रोस्टर्स में लाया जाएगा (जब वे उपसब्ध होंगे) शीर जब वे स्थापना के लिए वेशी होंगे तब उन्हें वापस लौटा दिया जाएगा।

उनकी पदोन्नति श्री गौर कुमार दे, निरीक्षक (एस० जी०) द्वारा दायर की गई 1984 की रिट याचिका सी० धार० सं० 8496 (इंडल्यू०) के धन्तिम निर्णय के धनुसार होगी धौर धनमानना धानेदन के धादेशानुसार एक पद रिक्त रखा गया है।

यह पदोन्नति श्री एस० भार० दत्त शर्मा, निरीक्षक भौर भन्य द्वारा भारक्षण पर दायर की गई रिट याचिका के अन्तिम निर्णय पर भी निर्भर करेगी।

## स्थानान्तरण एवं पदस्थापना :

निम्नलिखित स्थानान्तरण एवं पदस्थापना भ्रन्य भादेश भ्राने तक इसके द्वारा तत्काल लागू की जाती है।

 कम सं०	श्रधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	पदोन्नति/स्थाना- न्तरण के बाद पदस्थापना
	त्री सरोज कुमार सेन गुप्ता	कलकत्ता "म्राई" प्रम०, के०उ०शु० कल०-1 समा०	टी० एवं <b>म्रा</b> ई० शाखा (मुख्या- लय)

पदोन्नति/स्थानान्तरित श्रधिकारी द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रधीक्षक श्रुप "बी" का कार्यभार ग्रहण एवं स्थानान्तरण प्रमाण-पत्न की एक प्रति उप समाहर्ता (का० व स्था०) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कलकत्ता—1/11/बोलपुर को प्रेषित किया जाएगा।

गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० एफ०/7/1/80/स्था०/भाग 1 विनांक 26-9-81 के अनुसार अपने वेतन नियतन के संबंध में पदोन्नति अधिकारी, पदोन्नति तिथि के एक माह के अन्दर अपना आशय प्रकट करें।

स्थानीय व्यवस्था करके श्रधिकारियों को शीध कार्यमुक्त किया जाए।

दिनांक 21 भ्रम्तूबर 1986

विषयः श्रधीक्षक ग्रेड ''बी'' में पदोन्नति, स्थानान्तरण एवं पदस्थापना ।

#### पदोन्नति :

सं० 264/86—केन्द्रीय उत्पाव शुल्क समाहर्तालय, कलकत्ता-1/11/बोलपुर के सम्मिलित संवर्ग के निम्नलिखित

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निरीक्षक पद्योसित के उपरान्त इसके द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रधीक्षक, ग्रेड "ख" में कार्य करने के लिए अनितम रूप से नियुक्त किए जाते हैं जिनका समयमान वेतन रुपय 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के साथ नियमानुसार सामान्य मान्य भत्ता उच्च पद (श्रधीक्षक, के० उ० शु० शुप "बी") का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगा। श्रन्य श्रादेश श्राने तक इनकी पदस्थापना निम्न प्रकार होगी।

क्रम सं०	नाम	वर्तमान पदस्थापना
1. প্রীয়া	नील चन्द्र कर	कलकत्ता "ई" प्रमण्डल कलकत्ता-1 समाहतीलय

ऊपर लिखित पदोन्नति मधिकारी को चेतावनी दी जाती है कि मुप ''बी'' में उनकी नियुक्ति पूर्णतः भस्यायी है स्त्रौर सीधी भर्ती या भ्रन्य प्रधिकारियों के लिए निर्धारित पद के ग्रनुरूप पुनरीक्षण/परिवर्तन योग्य है जिसके भावंटन का निर्णय सरकार ग्रंतिम रूप से ले सकती है।

दूसरे शब्दों में अनितम रूप से पदोन्नति अधिकारी को गृह मंत्रालय के आदेश सं० 9/11/55-एस० आर० पी० एस० दिनांक 22-12-59 के निवेशानुसार सीधी भर्ती के अधिकारी के साथ रोस्टर्स में लाया जाएगा (अब वे उपलब्ध होंगे) और जब वे स्थापना के लिए वेशी होंगे तब उन्हें वापस लौटा दिया जाएगा।

उनकी पदोन्नति श्री गौर कुमार दे, निरीक्षक (एस० जी०) द्वारा दायर की गई 1984 की रिट याचिका सी० भ्रार० सं० 8496 (डब्ल्यू०) के श्रंतिम निर्णय के श्रनुसार होगी भौर भ्रवमानना भ्रावेदन के श्रादेशानुसार एक पद रिक्त रखा गया है।

यह पदोन्नति श्री एस० भ्रार० दत्त शर्मा, निरीक्षक भौर भ्रम्य द्वारा भ्रारक्षण पर दायर की गई रिट याचिका के भ्रंतिम निर्णय पर भी निर्मर करेगी।

#### स्थानान्तरण एवं पदस्थापना :

निम्नलिखित स्थानान्तरण एवं पदस्थापना म्रन्य मादेश माने तक इसके द्वारा तत्काल लागूकी जाती है।

क्रम० प्रधिकारी का नाम सं०	वर्तमान पदस्थापना	पदोन्नति/स्थाना- न्तरण के <b>बाद</b>
		पंदस्थापना
1. श्री श्रनील चन्द्र कर	कल० "ई०" प्रमण्डल, कल०-1	बोलपुर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय
<ol> <li>श्री नीरद रंजन विश्वास</li> </ol>	बोलपुर केन्द्रीय शुल्क समाहर्तालय	के० उ० णु०, कल० ''जी'' प्रमण्डल, कल०-1

पदोन्नति/स्थानान्तरित श्रधिकारी द्वारा केन्द्रीय उत्पाद गुल्क श्रधीक्षक ग्रुप "बी" का कार्यभार ग्रहण एवं स्थानान्तरण प्रमाण-पक्ष की प्रति उप समाहर्ता (का० व स्था०) केन्द्रीय उत्पाद गुल्क, कलकत्ता-1/11/बोलपुर को प्रेषित किया जाएगा।

गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० एफ०/7/1/80-स्था०/ भाग 1 विनांक 26-9-81 के अनुसार अपने वेतन नियतन के संबंध में पदोन्नति अधिकारी, पदोन्नति तिथि से एक माह के अन्दर अपना आशय प्रकट करें।

> सी० मुजंगस्वामी; प्रधान समाहर्ता सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

#### केन्द्रीय जल धायोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 29 मक्तूबर 1986

सं० ए-19012/812/80-स्थापना-पांच-विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर, श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री झासिफ श्रली, सहायक इंजीनियर, तद्यं आधार पर उसी ग्रेड में कार्यं करते हुए, केन्द्रीय जल आयोग में झितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/-रुपये के वेतनमान में 31-12-1984 की पूर्वाह्म से श्रन्य श्रादेशों तक नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19012/1036/83-स्थापना-पांच--श्रध्यक्ष केन्द्रीय जल श्रायोग, श्री एम० एन० सरकार, ग्रभिकल्प सहायक, पर्यंवेक्षक को श्रितिरिक्त सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500/- रुपए के नेतनमान में 14-8-86 की श्रपराक्ष से एक वर्ष की श्रवधि के लिए श्रथवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण श्रस्थायी तथा तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19012/1205/86-स्थापना-पांच--प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, श्री रामाला जमालिया, कनिष्ठ श्रियंता को श्रितिरक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजी-नियर्रिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500/- रुपए के वेतनमान में 23-8-1986 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए श्रयंवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण श्रस्थायी तथा तदर्थ शाधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 30 भक्तूबर 1986

सं० ए-19012/1194/86—स्थापना-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल धायोग, श्री डी॰ रामानंदा राव को ध्रतरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300—द॰ रो॰-75-3200-100-3500/— रुपए के वेतनमान में 30-8-86 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की भ्रवधि के लिए

भ्रयवा पद के नियमित भाधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण भस्थायी तदर्थ भाधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> मुन्शी राम सिंघल अवर सचिष केन्द्रीय जल भायोग

## प्ररूप वाद्र्<u>टी. एन . एक . अ</u>स-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 200-व (1) के अधीन स्वाम

#### मारत दरका

भार्थालय, सहायक कं यक्तर वाय्वत (निराक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर हैं कानपुर, दिनांक 8 श्रवतूबर 1986 निदेश सं० एम 1097/86-87-श्रतः मुझे, जी० सी० श्रीवास्तव

क्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसको प्रचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया हु<sup>3</sup>), की वारा 259-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णत करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट लेंण्ड नं० 5 एम० 52 एम० है तथा जो जगजीतपुर ज्वालापुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विणा है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधिन तारीख 27-2-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का मृत्य श्रीत के तीच एसं वंतरण के लिए त्रम पामा प्रमा प्रतिफल जिम्नित उद्योध्य से उसते अंतरण निविद्य में अस्त असर के स्था से किया वा है है

- (क) नंतरण सं हुएं किसी बाम की वाबल्त, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासियम म कमी करन या उससे अधने में सुविधा - श्रीत्य; अर्डिया
- पुँखी किसी भाग या किसी धन या अन्य अस्तिस्क कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुर्देक्या के किया
- कतः अस उक्तः लिधीनयम् कौ धारा २६३-ग कै अनुसरकः
   को अध्यतः किम्निसियां कौ धारा २६९-ध कौ अध्यापः अस् के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) पारस कुमार जैन पुत्न स्व० श्री भगवन्त राय जैन श्रीमती मीरा कुमारी जैन पत्नी पारस कुमार जैन श्रादि निवासी भगवन्त कुटी, कनखल हरिद्वार। (श्रन्तरक)
- (2) यू० पी० सहकारी भ्रावाम संघ लि० लखनऊ द्वारा श्री डी० एल० वर्मा मैनेजिंग छायरेक्टर लखनऊ (अन्तरिती)
- (3) तथैव।

(वह व्यक्ति जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का वह स्थला जारी करके प्रविक्त संपरित के अर्थन में लिय् आर्यशाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाशांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति थों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए का सकी।

त्यक्वीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया प्या हैं.⊪

#### भनुसूची

्ष्लाट नं० 51 एम० 52 एम० घोर 56 एम० तह० हरिज्ञार, सहारनपुर।

> जी० सी० श्री वास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक :8-10-1986

## प्रकल् बार्ड े ठों । १९६ - १९६ - ४ = ४ = 🗪

## धायक्षर विधिनियम, 1961 (1961 कर 43) की पारा 269-व (1) के विभीन स्वान

#### भारत सरकार

श्रावित्य , बहायक वायकर बादक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 8 अन्तूबर 1986

**जी० सी०श्रीवास्तव** 

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० खेत खसरा नं० 232 क 486, 545, तथा जो वादरी में स्थित है। (भौर इससे उपायक्ष प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दादरी (गा० बाद) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक फरवरी 1986

को पूर्वोविष्ठ सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ए'ते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त क्षितियम के सभीन कर दोने के बन्तरक को खासित्व में कसी करने या जसके क्ष्यने में शुविधा के जिए; श्रीडः/या
- (क) एंसी किसी बाम मा किसी धन ना जन्म जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आग्रकर जिधिनियम, 1921 (1922 की 11) या उपता अधिनियम, के धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै जिन्दा

(1) ग्रलोक गुप्ता पुत्र श्री चेतन स्थरूप गुप्ता नि॰ 29, नजेफगड़ रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

- (2) मैं नीरज स्पात इन्डस्ट्रीज लि॰ द्वारा श्री नीरज चौधरी पुन्न हरपन्त चौधरी गाजियाबाद। (ग्रन्तरिती)
- (3) तथैव।

(वह व्यक्ति जिस के प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त तम्पत्ति के अर्थन के हैं करें के कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्मत्ति में नर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचवा की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाव विकास में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है!

#### अनुस्ची

खेत खसरा तं० 232, 486, 545 दादरी गाजिय बाद ।

जीं० सी० श्रीवास्तव द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कानपुर

अतः शेकि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधाना (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, अधितः

दिनांक: 8-10-1986

प्रारूप बार्च टी. एन . एस . . . . . . . . . .

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) को घंधीन सूचना

#### भारत प्रस्कार

# कार्यालय, तहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 अक्तूबर 1986

निर्देश सं० एम० 1099/86-87—म्नतः मुझे, जी० सी० श्रीवास्तव बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उवत विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

भीर जिसकी सं० खेती भूमि ख० नं० 1256, 1161 है तथा जो तुसिना दादरी, गा०बाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यास्य दादरी में रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-2-1986

को पूर्वीक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

"मू भी यह विक्यास करने क्य कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गयर प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से
उन्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया
निया है : ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आज की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिष्; और/का
- (क) एसी किसी आयं वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयं कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था. किया में स्विधा के सिए;

- (1) जागीर सिंह पुन्न श्री जयपाल सिंह नि० छासियान वाले पी० मलोर मण्डी फरीदकोट पंजाब। (श्रन्तरक)
- (2) मैं विन्दुस्तान कम्प्यूटर लि० जी० 8 श्रीर 9 सेक्टर III नौ नोएडा। (गाजियाबाद) द्वारा श्री जे० विजय पुत्र श्री एन० जैरामन। (श्रन्सरिसी)

(3) तथैव । (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में धीहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ﴿

की यह त्यमा बारी करके प्वॉक्त सम्परित औ वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए का स्केंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभवियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष हमेंगा जो उस कथ्याय में विया क्या है भी

#### नन्स्क

खेती भूमि खसरा नं० 1256 ग्रौर 1161 गांव तुसिना, दादरी, गाजियाबाद।

> जी० सी० श्री वास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायकर भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

 कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

दिनांक: 8-10-1986

मोहरः

प्रस्त बाइ'.टी. एन. एस. -----

शामें कर मिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्षीः भारा 269-म (1) के मधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1986 निदेश सं० एम 1106 86-87-- श्रतः मूझे,

जी० सी० श्री वास्तव

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससी इसकी परवात् 'जबत अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारों को वह विश्यात करने का कारक है कि स्थायर कम्परितः, विश्वका अधित बाबार मुख्य 1,00,000/रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गिरजापुर में स्थित है। (भीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1988 का 16)के श्रिधीन विनाक 1-2-1986

को पूर्विका संप्रित के उकित बाजार मूक्य से कम के स्थ्यमान प्रतिकश को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्मस्ति का उकित आजार बुक्य, उसके स्थामन प्रतिकल हो, दूसे स्थ्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और संतरिती (बन्तिरियों) के बीच एंसे अन्तरण के बिए तम पामा क्वा प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्रतिक स्पर से कथित नहीं किया मुखा है है—

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय का शवत, उक्त मन्दिक्यभ के व्यक्ति कर धेने के अन्तरक के व्यक्तिक में काकी शहने या अवस्थे वजने में बृधिका को व्यक्तिक स्थापन
- (क) श्री किसी बार वा किसी भन वा कम्य बास्तियाँ को, विन्हुं बाइतीय बाय-कर सीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की बण्धारा (1) के बधीन, निम्नणिकिक व्यक्तियों, धर्वाक् ग

- (1) जमील ग्रहमद पुत्र वजीर श्रह्मद स्तां ग्राम स्वेडा है हापूड़, गाजियावाद।
  - ः(ग्रन्तरक)
- (2) मैं विशाल सहकारी भ्रायास लि॰ दादरी बी-4
  पू॰ पी॰ स्टेट इन्डस्ट्रियल एरिया लोनी रोड़,
  पटेल नगर, गाजियाबाद वास्ते ए० के॰
  श्रप्रवाल पुत्र श्रार० श्रार० श्रप्रवाल नि० साउथ
  एक्सटेन्शन पार्टप्रथिम नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

- (3) ---तथैय--(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) तथेव— (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी क जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

की यह स्थान बारी करनी पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के निष् कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त स्वारित के कर्षन के सम्बन्ध में काई भी मानेष !--

- (क) इस सुमना के रामपन में प्रकाशन की तारीक से
  45 दिन की नगिंच या सर्वार्वणी व्यक्तियों पर
  सुमना की तामीस से 30 दिन की नगिंच, जो भी
  नगींच नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त,
  असे असु की से किस्टी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मित्स मों हितकपूर किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्वाधिकरणः -- १वर्गे प्रमुक्त वृष्यों और वर्गे का, अहे ध्यक् प्रदेशीयम् में वृष्याय 20-क में परिवासिक हैं। वहीं वर्गे क्षोग यो उन अध्यान में विक्री वर्गा हैं।

## धनु सूची

भूमि—-गांव गिरजापुर, लोनी, गाजियाबाद। जी० सी० श्री वास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 8-10-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 ग्रन्तूबर 1986

निदेश सं० एम० 1101/86-87---ग्रतः मुझे जी० सी० श्रीवास्तव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है जो गिरजापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-2-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के मधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, ि छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः——
3—346 GI/86

- (1) शब्बीर श्रहमद खाँ पुत्र वसीर श्रहमद खबे ग्राम खेडा पिल्खुबा तहर हापुड़ गाजियाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) मैं विशाल सहकारी आवास समिति लि० दावरी बी-4 यू०पी० स्टेट इंडस्ट्रियल एरिया लोनी रोड, पटेल नगर, गाजियाबाद।

(भ्रन्तरिती)

(3) -तथैव--

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) –तथैव⊸

(बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम गिरजापुर, गाजियाबाद । जी० सी० श्री वास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कानपूर

दिनांक: 8-10-1986

प्रकृष बाह् .टी..एन .एस..

# माथकर विधित्रयम, 196'l (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के वधीर सूत्रना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपूर, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० एम० 1102/86-87--- प्रतः जी० सी० श्री वास्तव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिविधम' कहा गया 📢 , की पाछ 269-ध के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रत. से माभिक हैं

श्रौंर जिसकी सं० खसरा नं० 241 है जो ग्राम हयनपूर में स्थित है (भीर इससे उपाबत अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय दादरी में रजिस्दीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 1-2-1986

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमनान तिफल के लिए अंसरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि गयायुक्तिस संपरिश्व का उपित बाजार मन्य, जसुक्री शतकात जीतप्रता सं एसे स्थमना प्रतिका का पन्त्रह प्रतिष्ठा से अधिक 🕊 और मन्तरक (अन्तरकार) बार धन्तरिती (अन्तरितिधाँ) के भीत एसे अन्तरण के सिए तम शाबा गुका प्रतिपन्त, निकासिवत उद्देशम् वे वक्त कन्तरण ितिसत में वास्तविक रूप से करिया नहीं किया भवा है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीय कर दोने के अन्तरक नी बायित्व में कनी करने या सक्त बचने में सुविधा के निए; बौट्/या
- (६) एभी किसी जाय दा किसी भन या वस्तु जास्तियों का जिन्हें भारतीय वावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्क अधिनियम, या धन-का अर्था संजयम**, 1957 (1957 को 27) के** भयाजनाध अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया रा या किया जाना माहिए था, फिपाने में स्विधा TO GOOD

अत: अन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) रा क्रभीत किस्पासिक व्यक्तिको, वर्षात् क्रमा

(1) श्रतुल सतसंगी व अन्य पुत्र श्री गुरु प्रसाद सतसंगी, ग्राम हसनपूर लोनी दावरी गाजियबाद

(ग्रन्तरक)

समिति लिमिटेड (2) नोलम विहार महकारी, वास द्वारा प्रकाश चन्द निषासी बी० 34ए भागीरथी विहार, लरावक नगर रोड, देहली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिध कार्यवाहियां शुक्त करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सध्वन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप ह---

- 🚧 इस स्थाना के राथपत्र में प्रकाशन की तारींक है 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- इस म्चनः के राजपत्र सा प्रकाशन का सारीख सं 15 दिन के थीतर अक्त स्थावर सम्परित भी हितवद्य एकनी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास िराम्स सं १७० जो **मन्हेंग**े।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

## नमस्या

खसरा न० 241, ग्राम हसनपुर, भोवापुर, लोनी, दादरी गाजियाबाद ।

> जी० सी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 8-10-1986

## प्रकप् आईं्टी. एन् : पुस .-----

# बायकर क्रिंभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### सारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायूक्त (निर्धिमण) भ्रजून रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 8 भ्रक्तुबर 1986

जी**ः सी**० श्रीवास्तव

न**हीं किया गया ह**ै ६---

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं खसुरा नं 1258 तथा 1162 है जो दादरी तुसियाना दादरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दादरी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908

का 16) के प्रधीन तारीख 12-2-86
को प्रधीनत सम्पत्ति के उपित नाजार मृत्य से कम के प्रयमान
प्रितिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित
जाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं
रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिय के अधिय

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की बाग्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अत: अव, अक्त अधिनियम की भारा 269-ण को, अनुसरण भो, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) ♣ अभीन निमन्तिकत व्यक्तियों , अभीत थ— (1) श्री जगजीत सिंह पुत्र जैमाल सिंह गांव सूरजपुर दावरी, गाजियाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं इण्डियन कब्युनिकेशन नेट वर्क लिं नेट वर्क हाउस डी नं । 10, कर्माश्रयल, काम्पलैक्स, वसंत विहार, नई दिल्ली द्वारा जी पी के के संघी।

(भ्रन्तरिती)

(3) तथैव।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्ष जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। जक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

खसरा नं० 1258, 59,श्रौर 1162, गाव तुसियाना दादरी गजियाबाद ।

> जी०सी० स्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1; कानपुर

विनांक: 8-10-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1986
निदेश सं० एम० 1104/86-87- श्रतः मुझे, जी० सी०
श्रीवास्तव

भायकार का भनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रतः से अधिक है श्रीर जिसकी खेत सं 1257, 1258 है तथा जो तुसियान. दादरी, में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12 फरवरी, 1986 को पुर्शोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मुला से कम को दृश्यमान प्रतिफर्भ के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसि दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतियात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाॅ) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदुबहेय से उथत अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

असः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री जसवीर सिंह तथा रयु बीर सिंह पुन श्री जागीर सिंह, गौव सूरजपुर, दादरी गाजियांबाद ।

(ग्रन्सरक)

(2) मैं इण्डियन किन्यूटर्स सेंफ्टवेयर कं लिं लिं कि कि निहरू फ्लेस, नई दिल्ली द्वारा श्री के पी जो नायर।

(भ्रन्तरिती)

(3) तदेव ।

(वह ब्यक्ति, जसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) तदेव।

ं (वह व्यक्ति, जिके बारे में ग्रधोहस्ताझरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

## अन् मूची

खेती भूमि खसरा नं० 1258, 125के गांव तुसियाना, दादरी, गाजियाबाद ।

> जी० सी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-10-1986

## प्ररूप वाइं.टी.एन.एव.-----

ब्यायकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 भ्रवत्वर 1986

निर्देश सं० ए० ए०सी० /रेंज-III/कल/ 86-87—श्रतः मुझे, श्राई० के० गोयल,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स से जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 176 है ताथा जो सरत बोम रोड, कल-कला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12-2-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दरयमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल्ल से एसे 'हश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व भे कभी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धम या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आपकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्भारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आजा चाहिए था, छिपाने में सुविध्य के लिए;

अत: गव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, अमूनरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं अधीन, निम्निलिबित: व्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) मुदगल उद्योग

(भ्रन्तरक)

(2) मुदेश इन्टर प्राईसेंस (प्रा०) लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यकाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी जाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त प्रक्रियों में संकिसी व्यक्ति इवाराः
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।
- ह. आ करणः इसमों प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिशासित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सू जी

प्लाट नं**०**-5बी**०**, 2000 वर्गफुट । प्रेमिसिस 176 सरत बोस रोड, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी को 12-2-1986 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुन्ना।

> श्राई**०** के० गायेन स्था**य** प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , कलकत्तां

दिनांक: 6-10-1986

## 

Man Hill bern 2.5 247 - 1977

भायकर माँभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के सभीत सुजना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशका)

ग्रर्जन रेंज-UI, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 ग्रमतूबर 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-III/कल०/1986-87— ग्रत: मुझे, श्राई० के० गायेन

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसवें इसकें पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 207 है तथा जो सरन बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 12-2-1986

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिबत उद्देश्य से उक्त जंतरण सिकित में वास्तिबक कम से कवित नहीं किया नवा है है—

- (क्ष्री विषय से हुई किसी बाब की बाबस, अक्स विभिन्नियम के वधीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिष्धु वरि/वा
- (क) ऐसी किसी बाब का किसी भन था धन्य आस्थिती को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनयस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के सुविधा के लिए।

जतः जच्य, उक्त व्यक्तिमियम की भारा 269-ग की वनुतरण में, भें, उक्त व्यक्तितम की भारा 269-च की उपभारा (1) के वभीग, निक्तिसिंख व्यक्तियों, वभाष्या— (1) बालिगंज स्टेटस

(ग्रन्तरक)

(2) लता गुप्स

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वाना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच धैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपत्ति में हिसबह्भ किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक निस्ति में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

#### पग्तुपी

प्लाट नंम्बर 3ए, 1700 वर्गफुट, प्रेमिसिस नम्बर 207 सरन बोस रोड, कलकता सक्षम प्राधिकारी के पास 12-2-1986 दिनांक में रजिस्ट्रीकृत हुम्रा।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-III कलकत्ता

दिनांक: 6-10-1986

मोहर

प्रकृष बाह्र . सी . एन . एस . -----

भायकर भौधनियम, 1901 (1961 का 43) की भारा 269-छ (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 श्रभटुबर 1986

नामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 7सी है तथा जो डोमार लेन, कलकता-29 में स्थित है (भौर इससे उपावड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय स० र० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिशत सं अधिक हुँ आर अंतरक (जंतरकों) और जंतरिती करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जंतरण निष्ति में अस्तिक रूप से किया गया है —

- (क) मन्तरम सं क्षुपं किसी काय की बाबत उन्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वाक्षित्व में कमी करने या स्तत्त बचने में सुविधा में सिष्ट; बार/या
- (क) ऐसी किसी नाय था किसी प्रत् को, जिन्ही भारतीय वायकर (1922 का 11) या उक्त अनकार जीपीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती इपारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रियानी ने स्विधा की लिए।

श्वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री ससान्क शेखर मित्र

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पवनलाल केडिया ग्रौर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

भा यह सूचना जारी करके पृतीवत सम्पत्ति के अर्चन के निए कार्यवाहियां करता हां।

#### उक्त संपरित के कर्यन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप !!--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की सामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारत;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पचितिरणः — इसमें प्रमुक्त सम्बों और पदों का, को उक्त अधिनियम के लण्या - 20-क में परिभाषित हों. यहीं सर्थ होगा को उस उच्चाय में दिया गया हो।

#### वन्स्ची

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-IU, कलकक्ता

दिनांक: 6-10-1986

प्ररूप बाइं. टॉ. एन. एस.....

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुघता

# (1) भ्रमनु कुमार सन्स श्रीर भ्रन्य।

(भ्रन्तरकः)

(2) दी सेंट्रल चिन्मय मिशन ट्रस्ट

(भ्रन्तरिती)

#### मारत धरकार

कार्यालय, भहावक बायकर बायक (जिरोक्षक)

ग्रर्जन रेंज् III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 ग्रक्टूबर, 1986

निर्देश सं० 2372/एक्यू००म्रार०- $I_TI$ /कल०/86-87—भ्रतः मुझे, भ्राई० के० गायेन

आयकर अंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्ठौर जिसकी सं 180 बी । है तथा जो गरत बोस रोड, कल । में स्थित है। ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एस । ग्रार ए०, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण प्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 21-2-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष को गई है और भूमो यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे क्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया अतिकल, निम्नसिचित बहुदरेस से बनत अन्तरण निचित में बास्तिकक अप से कविन महीं जिल्ला बना है है—

- (क) अन्तर्भ सं हुए किसी नाम की दावत, अन्य अधिनियम के अधीन कर दोने के कन्तर्भ में दायित्व में कभी करने या उससे नकने में सुनिधा के लिए; बीट्/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन वा कन्य नास्तियों की जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, १००२ 1,922 का 11) या इस्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविश्व व निर्धा

जतः जभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप 🖫

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्चान की तामील से 30 विन की अविध, के भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्यो और पदौँ का, वो अवस्य अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा थे। उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

तीन तल्ला मकान क्षेत्र—3 काटा 5 छटाक, ग्रौर 15 वर्गफुट डीड नं०—-ग्राई 2582/86 ग्रनुसार।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ज- ,कलकत्ता

दिनांक: 6-10-1986

THE RESERVE OF THE PERSON OF T

-i. , in the control of the control

## प्रकृप बार्च .टी.एन.एस.) -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन

#### भारत तरकार

## कामसिव . तहायक बायकर बायक (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 6 ग्रक्तूबर 1986

निदेश सं० 2373/एक्वी० रेंज-III/कलकत्ता/ 86-87-श्रतः मुझे, श्राई० के० गायेन

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ज्यके पश्चात् 'उक्त भविषयम' कहा पया हैं), की धारा 269-व के वंदीन सकान प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पद्धित, जिसका जीवत वाचार भूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स॰ 2 है तथा जो नरेंद्र चन्द्र दत्त सरीन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-2-86

को पूर्वे का सम्पत्ति के जिया बाबार मृस्य से कम के दश्यमान शिक्षक के निए बन्तरित की गर्य है और मुक्ते यह निश्वाक करने का कारण है कि यभापूर्वो कत संपत्ति का उभित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर याने के सम्बर्ध के काथित्व में कमी करने या उससे बचने में स्त्रिधा के लिए; और /या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा भी निरुष्

लक्षः अन्, उनत विधिनियम की धारा 269-न व वन्तरण को, मी, उनत विधिनियम की धारा 269-न की उपभाष (1) के अधीन : निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 4-246 GI/86

(1) लायन्स कर्माणयल को० लिमिटेड । (ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश को० मानि।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां शुरू करता हुं।

## जबत सम्मति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जविध, को भी भी भविध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित ( ) किए वा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः—इसमें प्रमुक्त सम्बा बार वहां का, भा वस्त अधिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वनसूची

यूनिट नं० 7 श्रीर 8 पांच तल्ला, प्रिमिसेस नम्बर, 2, नरेंद्र चन्द दत्त सरीन, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 10-2-86 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकक्ता

तागेख : 6-10-86

प्ररूप बाइ", ही. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में वर्गील सुचना

भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक भाषकर नायुक्त (पिट्रांबान)

भ्रजीन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 भ्रक्तूबर 1986

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसके इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 50 है तथा जो चिहतला लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध भ्रनुमूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय स० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 22-2-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और भूके वह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का अविष्ठ शायार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के बल्द्रह प्रतिकत से अविष्ठ हैं और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) औ जीव एसे क्रयस्थ के सिए तम पामा बधा प्रतिफल, निक्वितिष्ठ उद्देश्य से उक्त करारण लिखित में नास्तिक कप से क्रिकत वहीं किया यथा हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उक्तरे वचने में सुविका के निष्धः और/या
- (ख) ऐसी विस्ती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीवनियम, वा धनकर अधिनयम, वा धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया बाना वाहिए था, कियाचे में सुविधा के किए;

अतः नव, उचत अधिनियम की भाषा 269-ग के वमुसरज में, में, उकत अधिनियम की भाषा 269-व औं उपधारा (1) के अधीन, निम्नीकृतिक व्यक्तियों. अधीत :---

- (1) श्री के० सी० मिल्ल कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि० । (ग्रन्तरक)
- (2) मै० अयेल इण्डिया लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करका है।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से ' 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकी।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा को उस अध्याय में किया गया है।

## अनुसूची

जमीन--9324.36 वर्ग फीट, प्रिमिसैस नम्बर 50, चाडितल्ला लेन, कलकत्ता, स० र० ए० कलकत्ता के पास-28-2-86 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुम्रा । दलील सं० 1-3511।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारी**व :** 6—10—86

मोहर∵

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 ग्रक्तूबर 1986

निदेश सं० 2375/एक्बी० रेंज-3/कलकत्ता/86-87— श्रतः मुक्के, श्राई० के० गायेन

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं),, की धारी 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्थ्यित, चिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- ए. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 2 है तथा जो नरेंन्द्र चन्द्र दत्त सरीन कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-2-86

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास क रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित काखार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के गंदह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिकल निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वित में गास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्भ से हुई कियाँ बान की वास्त्र का कार मिनियम के सभीन कर देने से बन्तरक में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एरी किसी कार या किसी यन वा कवा शासिकों करों, जिन्ही अरदीय जान-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च विधिनयम, या चय- कर विधिनियम, या चय- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनीय बन्दिएसी द्वारा प्रकट यहीं किया नया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में वृधिधा स्विधा से लिख;

- (1) श्री राम गोपाल गार्ने विला प्रा० लिमिटेड । (धन्तरक)
- (2) श्री क्रिज लाल सिमनाय।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां बुरु करता हूं।

बक्त कमरित के क्षान के संबंध में कोई भी बालीप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन की बनिध था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की सबिध, को भी बनिव बन्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाड सिवित में किए जा सकर्षे।

स्थण्डोकरणः -- इसमें प्रयुक्त प्रक्यों और पर्यों का को उपक विभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होगा, जो उस अभ्याय में दिशा भया है।

## अनुसूची

यूनिट नं० 3 और 4, पांच तल्ला एरिया 1531.48 वर्ग फीट, प्रिमिसेस नम्बर 2, नरेंन्द्र दत्त सरीन, कलकत्ता । सक्षम प्राधिकारी के पास 25-2-86 में तारीख में रजिस्ट्रीकरण है ।

श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

बत: थवद, उन्त स्थितियम की भारा 269-न से बनुस्रम हो, मी, उन्त अभिनियम् की भारा 269-व की उपभारा (1) हो अभीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अभीत्:---

तारीख : 6-10-1986

शास्य आहें.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यांसम, सहायक सामकर सामुक्त (निर्देक्तण)

भ्रजीन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 1 भ्रक्तूबर 86 निर्देश सं० 2376/एक्वी रेंज 3/ककत्ता/ 86--87 श्रतः मुझे श्राई० के० गायेन

नायकर मिनिनम, 1961 (1961 का 43) (विके इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का स्वारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है<sup>4</sup> और जिसकी सं० IC है, तथा जो कालीगंज सकूं लर रोड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर, पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भ्राई ए सी रेंज में रजिस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-2-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाकाः नुक्य, उसकी दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकृत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एके बंतरण के सिद्ध तय पाया नवा विकित्यम, निम्मनिवित्त उद्योग वे उक्त अंतरण जिल्लिक में बास्त्रविक रूप से क∫बस नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाग की बाबत, उभत अधिनियं के अभीप कर योगे के अंतरक के दायित में अभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए। सौर/वा
- (व) ऐसी किसी अब वा किसी धन या अस्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वर्षीन, निकासिकित व्यक्तिसों, अभौत् ड—

- (1) श्री प्रदीप राज बाकली (श्रन्तरक)
- (2) श्री पृष्णोत्तम दास टारफ (भन्तरिती)

को सह सूचना चारी कारके पूर्वोकत सम्पत्ति के वर्जन के सिद् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के सरवन्य में कोई भी बाकोप विना

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाल में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी व पास जिसित में किस् का सकोंचे।

स्थळाडेकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्र अभिनियम के अध्याय 20-क में परिशापित हैं. मही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिय गया हैं।

#### ननुसूची

फलैंट नं॰ 107 क्षेत्र—2000 वर्ग फुट ग्राई ए सी एक्वी रेंज–3 द्वारा तारीख 21–2–86 में निबन्ध हम्रा ।

> श्राई के गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16,

तारीख: 6-10-86

प्ररूप बाई टी.एन.एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

#### भारत तरकार

## कार्याजयः, वहायक वायकर् वायुक्तः (निर्दाक्षण)

भ्रर्जन रें ज-III, कलकसा कलकत्ता, दिनांक ६ श्रक्तूबर, 1986 निदेश सं० ए०पी०/रें ज III/ कल०/1986-87 यतः मुझे, भ्राई० के० गायेन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य \$,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 4ए है तथा जो पामएमिनिक, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावर श्रनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सं० 2ए, कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-2-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मूस्य से क्षा के क्यामान प्रतिकास के निए अस्तिरित की गई है और मुक्ते यह विकास क्षरमें का कारण है कि यणापूर्वोक्त सम्परित का स्वित बाबार बुख्य, उसके क्यामान प्रतिफाल से, एसे क्यामान प्रतिफाल का बंबह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब धाया ग्या प्रति-काम निक्तनिचित सब्देशिय से उसत जंतरण निश्चित में नास्तिकक क्या से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कार तीने को कल्परक की वाबित्य में कभी कहते वा उससे वचने में सुविधा के सियु; आहि/या
- एसी किसी भाय या किसी भन या अन्य जास्तियां का, चिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए भा स्थितने में सुविधा के लिए;

भता। श्वन, उपत मीमिनियम की भारा 269-ग की अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अभित् ६--- (1) सभिद्र जब्बर।

(अन्तरक)

(2) पन्नालाल जयसलाल एवं श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वेकिया सम्पत्ति के वर्षन के सिध् कार्यभाहियां सुक करता हुं।

उक्त संपत्ति को वर्जन के संबंध में कार्ड भी बास्रोप ट---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पृथींक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी के पाध वितास में वितास का सकर्ण।

स्पट्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त वाब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अधं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

अमीन 14 काटा, प्रेमिसेस न० 4ए, पाम एमिनिइ कलकत्ता सं० 2ए, कलकत्ता के पास 10-2-1986 तारीख में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

दलील संo-I 2076

श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-III, कलकत्ता

तारीख : 6-10-1986

## 

#### भारत तरकार

## कार्याक्य, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जंन रें ज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1986 निदेश सं० ए० पी०/रें ज-<sup>III</sup>,/ कल०/1986-87--- श्रतः मुझे, ग्राई० के० गायेन,

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्षारण है कि स्थावर संपरित जिसका अधित बाजार मूल्य 1,00,000/- ं. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 2 हैं तथा जो काईम घाट स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रौर पूर्णेरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-2-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को जियत बाबार मृन्य से कम के दूरयमान शितफल को लिए अन्तरित को गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एंसे दूरयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है —

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

वतः जव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ए. में. उनत अमिपनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तिसों, अभितृ:--

- (1) मै॰ प्रीति कर्मांगयल को॰-म्राप॰ प्रा॰ लि॰ एवं भन्य। (श्रन्तरक)
- (2) मदन लाल ऐजेन्टस लि०।

(ग्रन्तरिती)

ने यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उचत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध् ता की की अविध का में समाप्त होती हो, के शेरुर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश्चय औं क्षारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रंपित में हितद्द्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

सिष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### **मन्स्ची**

यूनिट नं०-1 चारतल्ला, 19829 वर्ग फुट प्रेमिसेस नं० 2, कईम घाट स्ट्रीट, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 3-2-86 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुन्ना।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 6-10-1986

**शक्य नार्ध**् दौ*ु एत*् । एस् । चर्चन्न

आयकारु विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वता

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर नामुक्त निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक ६ भक्तूबर 1986 निदेश सं० ए० पी०/ रेंज III/कल०/1986-87— श्रतः मुझे, ग्राई० के० गायेन,

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भार 269- स से अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 17 है तथा जो कालिगंज पार्क रोड, कलकसा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 24-2-1986

को पूर्वोक्स सम्मित् के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिएती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नवा प्रतिकास, रिक्विमिचित उद्वेषय से उनत बन्तरण किंचित वं वास्तिक रूप से किंचित नहीं किंवा नवा है ——

- (क) नन्तरम से हुई किसी नाम की बायत, उक्त अधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा से सिए; जॉर/बा
- (क) एंसी किसी बाय या िकसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बंतिरिसी बुनारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के नित्र,

अतः अथः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिद्यों, अर्थात् :----

- (1) श्री घनश्याम दास बागरि एवं भ्रन्य । (श्रन्तरक)
- (2) श्री दिनेश नागारिया (एच० यू० एफ़०) एवं भ्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को थह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी वाक्षेप र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जविध, जो औं जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हाराए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पाव निवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, वां उनत विवित्यम् के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिवा ववा है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं०-35, एरिया—3750 वर्गफुट, प्रेमक्सेस नं० 17, कालिगंज पार्क रोड, कलकत्ता-19 सक्षम प्राधिकारी के पास 24-2-1986 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 6-10-1986

प्रक्ष बाह् टी. १न . एस .

कावकर जिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

## कार्बाशय, सहायक बायक र भायुक्त (निरीक्ष्ण)

धर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक ६ श्रक्तूबर, 1986 निदेश सं० ए० पी०/रेंज-III/कल०/1986-87—- अतः, मुझे, धाई० के० गायेन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के नभीन सक्षा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति ज्ञिका उचित बाजार मृत्य

1.00,000/- रा. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं० 23 है तथा जो मेडिमिला गार्डन्स, कलकत्ता में
स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, सं० 2ए, कलकत्ता में
करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख
21-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कृत्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंबह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरम सं हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियस के अभीन कर बोने के अंतरक के बारित्स वें कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; अप/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिवाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, फिपाने में सुविधा की स्वार:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण व. अ. अ. अध्या अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—- (1) देमिदार कुमार सबरबाल।

(ग्रन्तरक)

(2) सारोगिजूट कोमानि प्रा० लि० ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियों सुरू करता हूं।

उक्स सङ्ग्रीत के कर्जन के संबंध में कार्च भी वास्त्रेप 🖫 —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य विकत ध्वारा अधोहरूरशाक्षरी के पार लिखित में किए जा मुकीये।

#### अनुसुभी

जिम-17 काठा, 1 प्रेमाईसेस नं० 23, मेडिमिला गार्डन्स कलकत्ता सं० 2ए कलकत्ता के पास 21-2-1986 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुम्रा ।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी इसहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 6-10-1986

## प्रकल नाइ है। देन, एवं हुन्यान

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) की स्थीन सूचना

भारत सरकार कार्यालयः सहायक सम्बक्त वायुक्त (निरक्तिक)

> श्चर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 श्वक्तूबर 1986

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मर्के पश्चात 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-स छे अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्चास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 142 है तथा जो श्रोल्ड कोर्ट डाईस कनाट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्णेरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सं० 2ए, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-2-1986

द्य प्रांचित संपर्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के व्यवस्तर प्रितिक के लिए अन्तरित की गर्थ है और मृत्रे मह विश्वास अंदर्ग का कारण है कि संधाप्नोंकत संपरित का उचित बाबार कृत्य, उक्के दृश्यमान प्रतिकल से एसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण विवित्त में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-विश्व की वृक्षि कर दोने के अक्टूड के सारित्य के कृष्ण करणे या शसने अधने में सुविया के किये; जीत/भा
- ेंको एति किसी नाथ वा किली पन रा नन्य शास्तियाँ

  हो, जिल्हों भारतीन साथकर विभिनियम, 1922
  (1922 का 11) वा उक्त विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के असंख्यार्थ सरविद्धी वृत्तारा प्रकट नहीं किसा नवा का ता जिल्ला जान साहित था, सिवार्ड में सविभा न होता:

अतः अबः, उत्कतः अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरणः तें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—
5—346GI/86

(1) निई दोबाको को० लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) द्यानकान एग्रो इन्डस्ट्रीज लि॰।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थन। वारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के विस् कार्यवाहियां सूक करता हूं।

## वयस बन्धरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई श्री बाह्मीए ब---

- (क) इस स्वता को राज्यन में प्रकारन को तारील हैं
  45 दिन की जर्यों का तरसम्बन्धी का जिसमें पर स्वता
  की तामील से 30 दिन की क्यों भ, को भी संबंधि
  वाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवित्त
  का वित्तमें भें से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राज्यपन में प्रकारम की तार्यांत से 4.5 दिन को भीतर जमत स्थावर संपरित में हित-वर्ष किसी अन्य स्थानित द्वारा अभोद्वस्ताक्षरी के पाम जिल्लात में किस जा हकोंने।

## जगस्य

प्रेमाइसेस नं० 142 एन्ड कोर्ट डाईस कनाट, कलकत्ता, सं० 2ए, कलकत्ता 24-2-86 तारीख में रजिस्टर्ड हुआ। दलील सं० 1273।

> श्राई० के० गोयन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीखा: 6-10-1986

#### प्रकल मार्च हो . एन . एवं . 🛶

बाधकार बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारर 269-म (1) के बधीन बुचना

#### शास्त सुरकार

कार्यालय, महाबक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1986
निदेश सं० ए०पी० /रेंज-III/कल०/ 1986-87— ग्रतः
मुझे, श्राई० के० गायेन,
श्रायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विशे श्वां
श्रक्ते पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा नया ही, की पास 269-4 के वधीन सक्षम श्रीभकारी को वह विश्वाद करने का

कारण है कि स्थायर सम्पत्ति. चिसका उचित वाजार क्रम 1,00,000/- रहे से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 5 है तथा जो गुरुसाडे रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सं० 2ए, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण

श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 4-2-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम स्वयमान गीतफल के निए अन्तरित की गर्द हैं और मृत्ते यह विद्यास करने कारण हैं यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिचत से अधिक हैं और अंतरिती अन्तरित्यों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- (भ) सम्बद्ध वे हुए किथी बाय की बावक, उनसे रिविज्ञिय के सधीय कार दोने के सम्बद्ध में शांकित्व में कारी कारमें वा उनके बच्चे में मृतिका से निष्ट; सरि/वा
- म) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्निदं की जिन्हों भारतीय बाय-कार अधिनियम, 1922 1922 का 11) मा उन्तर अधिनियम, बा उन का अधिनियम, बा उन का अधिनियम, बा उन का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) दाईद इस्माइल पास्क एवं श्रन्थ ।

(श्रन्तरक)

(2) सी०न०स० सरिमिस लि० एवं० ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रायपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर संपत्ति में हिलबढ़ भ किसी जन्म स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए वा सकीं वे।

स्थळ्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भनुसूची

जिम-1 बीधा 5 काठा, 12 छंटाक एवं 29 वर्गेफुट। प्रेमिसेस नं०-5, गृष्साडे रोड, कलकत्ता-19, सं० 2ए, कलकत्ता के पास 4-2-1986 तारीख में रजिस्ट्रीकृत हुन्ना।

दलील सं०---I 1725 ।

श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- कलकत्ता

तारीख: 6-10-1986

एक्थ बाइ'.डी.एन.एस. -----

बाराकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मुभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमवाबाद, विनांक 23 सितम्बर 1986 निदेश सं० पी०ग्रार० नं० 4406—श्रतः मुझे, बी० श्चार० कौशिक,

नायकर तिभिनियम, 196 ! (1961 का 43) (जिसे इस्कें श्रक्ते पश्चात् 'उनत विभिनियम' कहा पता हैं), की भाषा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार क्रूक

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं जमीन 9476.3 वर्ग फीट, वांघकाम एरिया
379.69 है तथा जो वर्ग मीटर, सरमव प्लाट मोरवी में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विणत
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोरवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-7-86 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के रच्यमान शितफल के लिए अंतरित् की गई है और मुके यह विश्वास स्रूम का कारण है कि वचापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूका से कम के रच्यमान शितफल के लिए अंतरित् की गई है और मुके यह विश्वास स्रूम उमके रच्यमान प्रतिफल का प्रस्तु उमके रच्यमान प्रतिफल का प्रस्तु उमके रच्यमान प्रतिफल का प्रस्तु प्रतिकात से विश्वास है विश्वास से अन्तरण के लिए तब पावा प्रवास विश्वास का प्रस्तु कि विश्वास से अन्तरण के लिए तब पावा प्रवास विश्वास का जिएन निम्तिल्यों। के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा प्रवास विश्वास निम्तिल्यों के वीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा प्रवास विश्वास निम्तिल्यों के वीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा प्रवास विश्वास निम्तिल्या निम्तिल्यों के वीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा प्रवास विश्वास के सम्पर्तिक रूप से किया नहीं किया ववा है है—

- (क) अन्तर्शन वं शुद्ध िकती थान की पानत वयत व्यक्तियक ने वाणीन क्षत्र दोने के अन्तरक की व्यक्तिय में कनी करने ना बच्चे नकने में शुनिका ने लिए, कींद्र/था
- (वा) एंसी किसी जाय या भन वा जन्य जास्तिकों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर स्थिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिमिनियम, मा भव-कड् विभिन्यभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नदा था वा किया थाना चाहिए था. जियाने में स्थिया जी किए;
- श्री अक्त अधिनियम की धारा 269-न मी अनुसरक उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
   के अधीन, निकालिकिक व्यक्तिकों, अधीत ६—

(1) अमरत लाल मनसुखलाल महेता, रजनीकांत मनसुखलाल महेता, रमेश चन्द्र मनसुखलाल महेता, अनन्तराय मनसुखलाल महेता। नं० 1 और 2, पता—मोरवी हाऊस, गोवा स्ट्रीट 3री मंजिल, फोर्ट बम्बई, नं० 3 श्रौर 4 पता— 32, प्रिसेंस स्ट्रीट, बम्बई-2।

(ग्रन्तरंक)
(2) मेंसर्स नवरचना डेवलोपर्स मांडवी चौक, जुडा दोशी की गेंरी, राजकोट ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सुचना पारी करके पूर्वोक्त सम्यरित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

#### उक्त सम्मत्ति के बर्बंद के सम्बन्ध में खोड़ें भी बाह्यचः -

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन कर प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तृचना की तामाल से 30 दिन की वविध, जो भी वचित्र वाद में सवास्त होती हो, वे भीतर प्रोंक्ट प्रविद्यों में वे विकी स्वित् प्रवासः
- (क) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन ने भीतर उक्त स्थानर सम्मारित में हितबब्ध किसी मध्य भावित स्वारा अभाइत्ताश्वरी के शास निवित में किए था सकोंचे :

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दें बौर पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याद 20-क में यथा परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा नवा है।

#### नन्त्वी

जमीन क्षेत्रफल 9476.3 वर्ग फीट, बांघकाम एरिया 379.69 वर्ग मीटर-455 वर्ग यार्ड सरसव प्लाट, मारवी जिला—राजकोट रजिस्ट्रेशन नं० 1451, 1453, 1454 श्रौर 1452 दिनांक 28-7-1986।

> बी० श्रारं० कौशिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रक्षमदाबाद

तारीख: 23-9-1986

# बच्च बाई o दौ<sub>य</sub> एन<sub>ः</sub> एस<sub>ः</sub>

# बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### धाउँव चर्चन

## कार्यासक, तहायक आवकर नायुक्त (निर्णक्षण)

श्रर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, धिनांक 23 सितम्बर 1986 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4407—श्रतः मुझे, बी० श्रार० कौशिक,

कः यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उनत अभिनियम' किया गया हैं), की भाष 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काल्य हैं कि स्थानर सम्परित, जिसका स्रीधत वासार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जमीन 9476.3 वर्ग फ़ीट, बांधकाम एरिया, 444 वर्ग भार्ड है तथा जो सरसव प्लाट भोरवी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाकद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोरवी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-7-1986

भी पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अंतरक को वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; अदि/या
- (थ) ऐसी किसी नाय या धन या अन्य नास्तियों को , किन्दू भारतीय वायकर निधनियम , 1922 (1922 का 11) या उनक निधनियम , या धनकर निधनियम , या धनकर निधनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुवारिती सूनारा अकट नहीं किया प्रया था वा किया थाना चाहिए था , कियाने से स्विता के दिल्या के दिल्या के दिल्या

बत्द बंध, संबद विधिनियमं की भारा 269-व वी अनुसरक कों, से, शब्द विधिनियमं की धारा 269-व की उपभारा (1) वी वर्धीय, निम्नतिविद्य व्यक्तियों, अथित क्र—

- (1) श्री रमेशचन्द्र मनसुखलाल, पपदमाषेन रमेशचन्द्र, श्रीलीन रमेशचन्द्र, 32, प्रिसेंस स्ट्रीट, बम्बई-2। (ग्रन्तरक)
  - (2) मेसर्स नवरचना डेवलोपर्स माँडवी चौक, जुडा दोशी की शेरी राजकोट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में नप्रेई भी आक्षीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी स्पिक्तयों पद स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबङ्ग किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए आ सकोंगे ।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त विभिन्नियम, के बध्याद 20-के में परिभागित है, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में थिया गमा है.

#### अनुस्ची

जमीन क्षेत्रफल 9476.3 वर्ग फीट ग्रौर बांघकाम एरिया, 370.65 वर्ग मीटर-444 वर्ग यार्ड सरसव प्लोट मोरवी में स्थित है। जिला—राजकोट।

> बी०ग्रार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-<sup>I</sup>, श्रहृमदाबाद

तारीख: 23-9-1986

भूक्ष्य . **बार्ड** . टी . **एन . एस्** <sub>य ल स न न न</sub>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सभीव सुचना

मारस स्टब्स्

कार्यासय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1986

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 4408 — श्रतः मुझे, बी० श्रार० कौशिक,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 435/1 ग्रौर 435/4, प्लाट नं. 3, ग्रौर 6 जमीन 1198.70 हैं तथा जो वर्ग मीटर, कलावड रोड, जमीन मार्ग के नजदीक, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 3-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांत्यात से अधिक ही और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रित कि निम्नानिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नानिक्त के भारतिक

- (क) सत्तक्तम संहुई फिली बाम की बासक, सकत अभिनियम को नशीन कार दोने को लगरफ के दासिएम को कभी कारने या अससे बचने में अधिका अधिका, बॉर/का
- (॥) श्रेसी किसी आय या किसी भन वा अन्य का स्ट यो स्रो, जिन्हों भारतीय वाय-कर व्यक्तियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 2)) स्ट प्रयोजनार्थ जन्तरिसी स्थारा प्रकाट नहीं। किया गण भा या किया भाना स्थितिय था। ज्यान में स्थिया वी सिए।

क्ताः वाव , उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की बन्सरण कों , भी , उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधील . निम्नलिखित व्यक्तिस्यों , संघति ६── (1) श्रीमित विनिताबेन धीरजलास घेलानी, 20-32, ग्रहमद किदधई रोड, बंदना ब्लाक नं० 12-12, बडाला, बम्बई।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स स्टार बिल्डर्स, 20 न्यू जगन्नाथ प्लाट, राजकोट।

(भन्तरक)

को यह सुचना बारी नारके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्विक्तशों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यस्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्वाग क राजभन में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सन्मतित में दितवव्य किसी बन्य व्यक्ति व्याग, वभोहस्ताकरी में पास जिल्हा में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्षों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

#### अनुसूची

सर्वे नं 0.435/1 और 435/4, प्लाट नं 0.3 और 6, जमीन क्षेत्रफल 0.198.70 वर्ग मीटर, कलावड रोड, श्रमीन मार्ग के नजदीक, राजकोट 0.3

बी० ग्रार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारी**यः**: 23-9-1**98**6

प्रकार धारा<sup>त</sup>. डी. त्र. प्**स**्नामन

# बावकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्वता

#### सार्त ब्रह्मकार

# कार्यासय, सञ्चयक सायकर जाग्यत (निरोधाण)

भ्रर्जन रें ज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर, 1986 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4409— श्रतः मुझे, बी०श्रार० कौशिक,

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्टे इसमें इसमें दरवाला 'उन्तर अभिनियम' कहा गया है'), की बारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृश्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सी०एस० नं० एफ०-2-119, जमीन 317.02 वर्ग मीटर, सोप है, तथा जो गोदाम ग्राद्व 274.17 वर्ग मीटर ग्रीन मार्कीट, जामनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16-9-86,

को पूर्वोक्त तम्परित के उचित वाकार मूल्य से कम के काकार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे

मह विकास करने का कारण है कि यथापूनों कर सम्मरित का स्थापत वायार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकत है, एोचे क्रयमान क्रिक्ट का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है बार अन्तरक (क्यारक) और अन्तरिती (अन्तरितिवा) के बीच एंसे अन्तरण के सिध्तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं हुई जिसी माय की बाबता, उथका मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के निष्; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की चिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिनियम, 27 मण-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया ववा था किया वाना वाहिए था कियाने में शुविधा के सिद्धा।

जतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपारा (1) के जधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स अम्बिका कन्स्ट्रकशन रिजस्टर्ड भागीदारी सेठी 36-37, हंट्टकेश्वर सोसाइटी, कस्तूरबा विकास-गृह के नजदीक, जामनगर।

(श्रन्तरक)

(2) श्रो जामनगर डिस्ट्रिक को० प्राप खरीद बहुन संघ लि०, मैनेजर श्री हसमुख भाई णान्तीलाल बीर-गामी, के०बी० रोड, जामनगर।

(भन्तरक)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वह सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इत तुक्ता के रायपत्र में प्रकाशन की तारी वं 45 दिन के भौतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति भं हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित्त में किए वा सकी।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

#### मनुस्ची

सी॰एस॰ नं॰ एफ॰ 2-119, जमीन क्षेत्रफल 317.02 वर्गमीटर, सोप गोदाम ग्रादि 274.17 वर्गमीटर, ग्रीन मार्कीट, जामनगर रजिस्ट्रेशन नं॰ 2759 तारीख 16-9-1986।

> बी० ग्रार० **कौशिक** मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-<sup>I</sup>, ग्रहमदाबाद

तारीख: 23-9-1986

प्ररूप आई. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जनरें ज-I, श्रहमदाबाद

**ग्रहमदाबाद, विनांक 23 सितम्बर 1986** 

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4410—-ग्रतः मुझे, बी०श्रार० कौशिक,

णायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'लक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित क्रजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन का क्षेत्रफल 822 वर्गमीटर मकान श्रह्मदाबाद में है तथा जो टी०पी०एस० नं० 3 एफ पी० नं० 985, एम० पी० नं० 3 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची भें और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार बृह्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्र-

- (का) जन्तरण वे हुई किसी साथ की बावत अवस अभिनित्य के वृशीन कर दोने के बन्तरुक के समित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अडिं/या
- (क) एंसी किसी बाब या किसी ध्न या ब्रम्य बास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुकिश खें लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियमें, अर्थात् ः—

- (1) श्री नुषारमाई रिसकलात शाह, श्रीमित ज्योत्सना-बेन नुपारभाई शाह, 1 3 जय शेफाली सोसाइटी, एस०एम० रोड, ग्रम्बाडी, ग्रहमदाबाद-15
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्रमरलेण्ड ग्रीन एसासिएशन चेयरमेन-श्री **गैलेब** एन० रोड, के०/ग्रो०-सिल्बर ग्रो० बिल्डिंग महाबीर टावर के नजदीक, पालडी, अहमदाबाद-7

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्मिरित के वर्जन के तिल कार्यवाहियां करता हं ।

#### जनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोर्ड भी नाक्षेप ट----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील सं 30 दिन की क्यीध, जो भी अवीध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में सं किमी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकत्ये।

स्पेक्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### **जन्**स्ची

जमीन क्षेत्रफल 822 वर्ग मीटर मिकान, श्रहमदाबाद में टो०पी०एस० 3, एफ पी० नं० 985, एस० पी० नं० पैकी हिस्सा बी०, श्रहमदाबाद, रजिस्ट्रेशन नं० 14226/21-8-86 सितम्बर, 86

> बी०ग्रार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें जन, श्रह्मदाबाद

तारीख: 23-9-1986

प्रकथ आहे, टी. एन. एस. अन्यतन्त्रकार प्रक

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
प्रजीन रेंज-I, अहमदाबाव
भहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4411—ग्रतः, मुझे, बी०ग्रार कौशिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन गक्षम प्रधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० एच०पी० अहमदाबाद में टी०पी०एस०-3, एफ०पी० नं० 771/2, है तथा जो हिस्सा ए-बी, जमीन 696 वर्ग यार्ड मकान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनमूची में मीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का का 16) के श्रधीन तारीख 11-9-86

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और यूमों यह विद्यास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच एसे अंतरण के बिए तब पावा नया प्रति-कृत विक्शितिक दुवरित से दश्य बन्तरण विक्शि के वाक्षिक कर से अधित कहीं किया पदा हैं

- (फ) बन्तहरूप वे हुई जिल्ही भाग की बाबसा, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कभी करने वा उससे बचने में स्विध के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उच्छ अधिनियम, का धनकार अधिनियम, का धनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अविधा के लिए:

अतः अब, उच्त अधिनियम की भारा 269-म की, अनसरण में. में, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गौरांग बंसीधर नगरी, पंकज बंशीधर नगरी, नगरी पार्क, सी०जी०रोड, पालडी, श्रहमदाबाद-6 । (श्रन्तरक)
- (2) श्री नारायण तुकाराम बही, नगरी पार्क, सी०णी० रोड, पालडी, ग्रहमदाबाद-6।

(भ्रन्तरिती)

# का वह स्वा जारी करके पूर्वीका सम्बद्धि के वर्षक के क्रियु कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्क उप्परित के क्यान के बम्बन्ध में कोई थी काक्षोप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अदिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो ' अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधिहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए वा सकी ।

स्थव्यक्तिरका:---इसमें प्रयुक्त सक्यों बाँग पर्यों का, जो उक्त विभिन्नम के अध्याय 20-क वे परिकाणिक हो, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया व्या है।

# अनुसूची

एच० पी० महमदाबाद में टी०पी० एस०-3, एफ० पी० नं० 771/2, हिस्सा ए श्रौर बी, जमीन क्षेत्रफल 348 + 348 = 696 वर्ग यार्ड + मकान रिजस्ट्रेशन नं० 11692/86 + 11693/86 दिनांक 11-9-86

बी० श्रार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, श्रहमदाबाद

तारीख: 23-9-1986

प्रकृष बाह् , टी , एन , एस ,-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) जै नधीन त्वना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1986

निदेश सं० पी० फ्रार० नं० 4412 श्रतः मुझे, बी० फ्रार० कौशिक,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, दिसका प्रिचित स्थाप मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जी०एफ० प्रेमाईसीज 1900 वर्गफीट ग्रह्मदाबाव में टी०पी०एस०-21 है तथा जो एफ० पी० नं० 633/वी/2 'श्रीम सेन्टर' 1/3 णेयर के साथ जमीन 620 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबध प्रन्सूची में श्रीर पूर्णक्प में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रिधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, तारीख 17-9-86 को पूर्वोक्त संपत्ति के जिचत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का बरण है 'क यथाप्योक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाधतः, तकतः अधिनियम को सधीम कर दोने को अन्तरक को समित्व में कमी करने या उससे सचने में स्विधा भी सिए; बीर/या
- (व) एंसी किसी बाय या किसी भन या ब्रम्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविभा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै, जै उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) जैक्कि िस्पनिकिथित व्यक्तियों, अधीत : -6—346 GI/86 (1) जयश्री कन्हैयालाल पटेल, 63, सबीना अपार्टमेंट, एम०जे० लाइब्रेगे के नजदीक, एलियस श्रिज, श्रहम-दाबाद-380006 ।

(भ्रन्सरक)

(2) दि सहयोग को०-ग्राप० बैंक लि०, श्रायोजन नगर, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना कारी काडके पूर्वोक्य संपरित् वी वर्षण को लिए कार्यवाहिगां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप 🏗—

- (क) इस त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्त्रना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस ल्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्मिति में हिस-बह्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिक्ति में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रमुक्त क्षेत्रां और पदों का, जो सक्त विभिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया नवा है।

# अनुस्ची

जी ० एफ ० प्रेमाइसीज क्षेत्रफल 1900 वर्ग फीट + 1/3 जमीन के होयर क्षेत्रफल 620 वर्ग यार्ड, झहमदाबाद टी ० पी ० एफ ० 21, एफ ० पी ० नं ० 633/बी/2, बिल्डिंग सेन्टर नाम से प्रचलित है। झहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं ० 15932/17-9-86

बी०ग्रार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 26-9-1986

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

# भायक्रर मधिनिवस 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के क्षीम स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर, 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4413 ग्रत: मुझे, बी० ग्रार० कौशिक,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रममें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० जमीन 768 वर्ग यार्ड मकान श्रहमदाबाद में टी०पी० एस० 3, है तथा जो एफ० पी० नं० 231 पैकी एस० पी० नं० 17, श्रहमादाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णक्य में विणित है), रस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-9-86

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करन का यारण है कि म्यानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरित्यों) के बीच एसे अत्यरण के जिए तम नया मना प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण जिसित भासनिक रूप से किश्य नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आम की बाबत, उच्चत नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सृत्रिधा के लिए. बौड/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

नतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (१) के अधीतः निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः:---

- (1) श्री चीनूभाई दलसुखराम, 3, श्राराधना फ्लेट, शीषम अपार्टमेंट के नजदीक, नारनपुरा, ब्रह्मदाबाद-14 सोसाइटी, वासना, श्रह्मदाबाद-7 स्रेशचन्द्रा, दलग्यराज 3-अ, प्रेमा दर्शन
- (2) त्रवयुग एमोसिएणन, एप, एफ, फर्स्ट पलोर, अर्ध-बिव्डिंग, नीलम अपार्टमेंट, हीराबाग, श्रांबावाडी, अहमदावाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठीक्त सम्पृत्ति के वर्चन कं लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

#### उक्त सम्मरित के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबष्ध वद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनसे क्रिनियम के अध्याय 20-के में परिशाणित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिय गया है।

#### धमसूची

जमीन क्षेत्रफल 768 वर्ग यार्ड ने मकान अहमदाबाद में, टी॰पी॰एस० 3, एफ० पी० नं० 231, एस० पी० नं० 17 1/5, श्रह्मदावाद शेयर हरएक दो दस्तावेज में रजिस्ट्रेणन नं० 16005, 16006, दिनांक 18-9-86 ।

> बी० भार० कौणिक मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख : 24-9-86

प्रारूप आई.टी.एन.एस .-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के संधीम स्थना

#### STATE PERM

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1986

निदेश सं० पी० श्रार. नं० 4414 श्रतः मुझे, बी० श्रार० कौशिक.

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'जन्म अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह भिश्वास करने का कारण दें कि स्थानर संपन्ति जिसका जन्म बाजार मन्न

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन 663 वर्ग यार्ड 🕂 प्लीन्थ श्रह्म-दाबाद में टी०पी०एस० नं०-21 है तथा जो एफ० पी० नं० 317, एस०पी०नं० 18, श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबध श्रमुसूची में श्रीर पूर्णक्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एस द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) मृत्यरण संहुव किसी बाय की बाबए । अक्रक बाभितियम के स्थीन क्षप्र वाने के संबद्धक के निश्चित में कसी कुश्ने या उक्से बृद्धन में सुविधा के निश्कः में करी कुश्ने या उक्से बृद्धन में सुविधा के निश्कः
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, षिन्हें भारतीय नाथक दे विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ कन्तरिती दुवारा प्रमुद्ध वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) रोशनीबेन अजयकुमार दोशी, की और से कुल मुख्त्यार, हरेन्द्रभाई श्रंबालाल चौकसी, पोली टेविनक के सामने, श्रांबावाड़ी, श्रंहमदाबाद-19

(ग्रन्तरक)

(2) उमाकान्त हिमतलाल गज्जर, रमाबेन एच० गज्जर के/ग्रोफ उमाकान्त इंजीनियरिंग वर्क्स, पटे वस हीम फोर्ज एण्ड प्लावर के नजदीक, नरोडा रोड, श्रहमदाबाद-25 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# सकत संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में की इर्थ भी आक्षोप :---

- (क) इस भूगना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 663 वर्ग यार्ष मकान प्लीन्थ ग्रहमदाबाद में टी०पी०एस० 21, एफ पी० नं० 317, एस०पी० नं० 18, ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 15810/17-9-86 ।

> बी० श्रार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, श्रहमदाबाद

तारीव : 24-9-86

# प्रकृष् अ(ह्रा.दी.पुन.पुस.------

काथकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-।, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4415-अतः मुझे बी० आर० कौशिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 525 वर्ग यार्ड + मकान श्रहमदाबाद में है तथा जो टी०पी०एस० नं० 3, एफ०पी० नं० 780, एम०पी० नं० 27 बी + 29 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वन्तरण ते हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

(1) श्री णिरीशभाई समर्थलाल बेद, णीषकी अपार्टमेंट, संजीवनी अस्पताल के नजदीक नवां शारदा मन्दिर रोड, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रवीन रतालाल ग्रेरबलाल सिघगीरी अपार्टमेंट फ्लेट नं० ए/3, व्हाइट हाउस के सामने, पालडी, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख स् 45 दिन की अविभि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### द्रनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 525 वर्ग थार्ड मकान श्रहमदाबाद गैं टी॰पी॰एस॰ 3, एफ॰ पी॰ नं॰ 780 पैंकी एस॰ पै॰ नं॰ 27 बी 29, दि ब्राज्यण मिन्न मंडल को॰-श्राप॰हा॰ सोसाइटी लि॰, रजिस्ट्रेशन नं॰ 15740/16-9-86

> बी०ग्रार० कौणिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज-I, ग्र**ा**बाद

तारीख: 25-9-86

# प्रकृष बाइ 🗓 टो , एन . एस - -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बभीन सुचना

#### वारत सरकार

# कार्यातय, सहायक कायकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-!, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4416—श्रतः मुझे, बी० श्रार० कौशिक,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,006/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० एच० पी० श्रहमदाबाद में कोचरब सीम, सर्वे नं० 302/2 है तथा जो एफ० पी० नं० 636, हिस्सा नं० 13/1, जमीन 454 वर्ग मीटर मकान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 17-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क इश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अतरक (अतरकों) जार अतरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना जाहिए था, छिपान में सूर्विभा विद्या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कमलाबेन रमनभाई पटेल, की भ्रोर से कुल मख्त्यार, कन्हैयालाल चिमनलाल आह ए-3, फ्लावर कुंज, सोसाइटी, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) इन्कलाब एसोसिएशन चेयरमेन—उदयनभाई मुरेशकुमार संदेशरा शीतल बाग, के/श्राफ शांती-नगर सोसाइटी श्राश्रमरोड, श्रहमदाबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहित करते हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्ष्मेंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ति।

स्पब्दीकरणः ----इसमा प्रयुक्त शब्दा शाँर पदा का, जा यक्त जिपिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

एच० पी० ग्रह्मदाबाद में कोचरब सीम, सर्वे नं० 320/2, पैकी एफ० पी० नं० 636, हिस्सा नं० 131, जमीन क्षेत्रफल 454 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 15866/17-9-86

०ा र०कौणिक सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 25-9-1986

# प्रस्प बार्च : टर्न पुन् एस : ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में मुभीन सूचना

#### तार्य प्रकार

कार्यालय, सङ्गायक भाषकर बाव्यक (निराक्षिक) श्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4417—- अतः मुझे, बी० श्रार० कौणिक

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीम सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्व 1,00,000/- रह. स्टें अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एच० पी० श्रहमदाबाद में 307, रेलवेपूरा वार्ड, श्रहमदाबाद है तथा जो क्षेत्रफल 155 वर्ग गज में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-9-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमाय प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह (अन्तारितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्मलिखित उद्देश्यों से उच्त बन्तरण कि बित है बास्ट्रिक रूप से क्षित नहीं किया गया है क-

- (क) सन्तारण के इन्द्रं किसी बाय की बाव्यं, समझ बीधित्रियम के स्थीन कर दोने के बन्तुएक के बावित्यं में कनी करने या उससे वधने में स्विधा के नित्रः; जीविश्या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्त् बास्तायों का जिम्हें भारतीय आय-कह अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त् व्यधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, विश्वा विश्वा गया प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, क्रिपान में सुनिका के लिए;

(1) हसुमित बेचरदास पटेल, 29, श्रंबिका सोसाइटी, उस्मानपुरा, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) दी सि॰टी॰को॰-श्राप॰ बैंक लि॰, मस्कृती मार्कीट, के सामने, रेलवेपुरा, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सुम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🏸

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सीबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबक्ध किसी मृन्य म्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद निकास में किए बा सकीं थे।

स्थव्यक्षिक्षण: ---इसमें प्रयुक्त शस्यों भीर पर्यों का, जो उक्क विभिन्नियम के अध्याद 20-क में परिशासित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं॥

#### अनुसूची

एच० पी० ग्रहमदाबाद में 307, रेलवेपुरा बार्ड, क्षेत्रफल 155 वर्ग गज ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रेगन नं० 15083/9-9-86

> बी० ग्रार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाव

क्षाः जन, उक्त कथिनियम की भाग 269-ए के बनुसरक को, में तु उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के जभीरा निकासिक क्रिक्टकों क्रमांत का

तारीख: 25-9-86

माहर ह

प्रारूप आई. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर, 1986

निदेण सं० पी० श्रार्० नं० ४४18—श्रतः मुझे, बी०श्रार० कौशिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एच० पी० श्रहमदाबाद में, रेलवेपुरा वार्ड सी० एस० नं० 308, जमीन 167.22.60 वर्ग मीटर + मकान है तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्णस्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्री- करण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारील 23-9-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मो कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री हैदरभाई शेख नोमनभाई लतीफ फर्स्ट फ्लोर, चन्दाभोय, बिल्डिंग,, लोहार चाल, बम्बई-2 (श्रन्तरक)
- (2) दी गिटी०को०-श्राप० बैंक लि०, सिटी बैंक चेम्बसं, रेवडी बाजार, रेलबेपुरा, श्रहमदाबाद-2 (अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषिक ह<sup>5</sup>, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

#### **मन्स्ची**

एच० पी० श्रहमदाबाद में, रेलवेपुरा, बार्ड, सी० एम० नं० 308. जमीन क्षेत्रफल 167.22.60 वर्ग मीटर मकान जी० एफ० एफ० एफ० एफ० रजिस्ट्रेशन नं० 16279 23-9-86

> वी०श्रार० कौणिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, स्रहमदाबाद

तारीख: 25-9-1986

# प्रकप बाह् . ही . द्रश . एस . -----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीत स्चता

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- ${f I}$ , ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1986

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 4419— ग्रतः मृक्षे, बी०ग्रार० कौशिक,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जमीन + पुराना मकान श्रहमदाबाद में टी० पी०एस० 3, एफ० पी० नं० 169, है तथा जो एम०पी० नं० 2, जमीन 97 3/5 वर्ग गण क्षेत्रफल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्णक्प से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-9-86,

को प्वेंक्ति तस्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के क्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूस्य, उसके इश्यमान प्रतिफल है, एसे इश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निशिचत उद्देश्य से उस्त अन्तरण किश्वित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किली आव की, वायत, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उत्तसे वचने में सृविधा के सिए; और/या
- (का) एसी जिसी आय या किसी भन का अस्य अस्तिसर्वा का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) सा उकत अधिनियम, या धन- अस्र अधिनियम, या धन- अस्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा सेस्झिए)

- (1) 1. श्री राजन णांतीलाल णाह, 2. जगत णान्तीलाल णाह, मावरकुंज, गुजरात हाइकोर्ट के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद-9
  पर्यावेत णान्तीजाल णाह श्रीनिवास सोमायटी, श्रीला दिज, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
  - (2) समर पेलेस विकास मंडल प्रमुख—श्री परसोत्तमदास, हाथीवास पटेल, महिसाना सोसाइटी, नवां लाडज, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :---

- (क) इस स्थान के राज्य में प्रकाशन की तारी खंधी 45 दिन की अविध या तत्सं के श्री क्यों कित यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवास;
- (ख) इसस्चना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितमध्य किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा क्यो इस्ताक्षरी के यांच लिखित में किए आ सकी।

#### **श्रन्**सूची

एच० पी० श्रहमदाबाद में टी०पी०एस० 3, एफ० पी० नं० 169, एस० पी० नं० 2, जमीन क्षेत्रफल 488 वर्ग गज + मकान 1/5, श्रेयर इरएफ में, 3 दस्तावेज 973/5 वर्ग गज जमीन + मकान 2924/5, वर्ग गज जमीन + मकान, रजिस्ट्रेशन नं० 16150, 16151, 16159/20-9-86

बी० म्रार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

जतः बज, उक्त जीविनियम की भारा 269-ग के अभुसरूण ±ं, स<sup>4</sup>, उक्त धिधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख: 25-9-86

मोहरः

प्रारूष् आहे .टी.एन.एस. . . . . . . .

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

# «पर्जालय, सङ्कायक आयकर काबल्ख (निरीक्सण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1986 निदेण सं०पी० ग्रार०नं० 4420—श्रतः मुझे,बी०श्रार० कौणिक,

अपलक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषये इस्ये इसके पश्चात् 'उक्त विधितियम' कहा गया हैं), की भारा २००-स के अधीन सक्षम प्रशिकारी को, यह विश्वास करने ज कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जमीन गांव बोगाल में ब्लाक नं० 302, 298-बी० 307, है तथा जो 2 एकर 22 गुंटा + 1 एकर 18 गुंटा + 0 एकड 32 गुंटा है तथा जं ग्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908  $(1908\ 1811\ 16)$  के श्रिधीन, तारीख सितम्बर, 86

का प्रोधत सम्पन्ति के लोचत बाजार मृत्य से कम के क्यामान बित्यक के निष् नंतरित की नई है जीर नुके वह विकास करने का कारण है कि यथापूनोंकर सम्पत्ति का उचित वाचार प्रवा, उसके दहयमान प्रतिफात से, प्रोसे दहवजान प्रतिफात का अन्तर्ह प्रतिकात से जिथक है जीर जन्तरक (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे जन्तरक के निष् तम बाम नवा पित्यका, निम्मनिकित उद्योध्य से उचत अंतरण सिकित के चारतिक रूप ने किया नहीं किया प्रवा है ह—

- (क) अकारण वे हुई कियी अध की दावत , उपत सीधियन के सधीन कर दोने के जल्तारक के दायित्व में क्यी करने या प्रवस्ते दचने में सुविधा के जिए; आर्ट/शा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, फिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाधिनियम या धनकर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरियों द्वारा पक्ट नहीं किया गया था या राज्या थाना साहिए था कियाने में निवधा के लिए:

कतः क्य उपन अधिवियम की धारा 269-म के वयुष्यम् मं, भे उपन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—-7—346 GI/86

- (1) 1. शंकरभाई ईश्वरभाई श्रीर श्रन्य।
  2. बाबूबेन पूजाभाई श्रीर श्रन्य, 3. खोड़ाभाई श्रम्बाणाम श्रीर श्रन्य, गांव बोपल, जिला श्रहमदाबाद।
  (श्रन्तरक)
- (2) रवीन्द्र दयाशंकर व्यास, किशोर दयाशंकर व्यास, गांव बोपल, जिला भ्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्ट सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वमा के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की जबिंग या तत्त्वंभी व्यक्तियाँ पद स्वना की तामीब से 30 दिन की जबिंग, जो भी जबिंग बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 थिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबक्र किती अन्य स्थानस स्थानर सम्पत्ति के पास

क्षिकित में किए वा सकते।

लखीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त विश्विकास के अध्यार 20-क में परिभाषिक हैं, कही वर्ष होगा जा उक्त सध्याय में विक∷ यदा हैंं॥

### ग्रनुसूची

जमीन गांव बोपल में ब्लाक नं० 302, 2 एकर 22 गुंटा ब्लाक नं० 298बी, 1 एकर 18 गुंटा, ब्लाक नं० 307, 0 एकर 32 गुंटा रजिस्ट्रेशन नं० 16202, 16208, 16210 दिनांक सितम्बर, 1986

> बी० श्रार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, श्रहमदाबाद

तारीख: 25-9-1986

मोहर 🗓

# प्रकप बाद्दं.टी. एम. एस. ------

आयक्षर कोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1986

निवेण सं० 4421—-ग्रतः मुझे, बी० ग्रार० कौणिक, शयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १७०-ल के अधीन सक्षम पाधिकारी को यहिकश्वास करने का ग्रीरण है कि स्थावर सम्महित, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० एच० पी० श्रह्मदाबाद में टी०पी०एस० 29, एफ० पी० नं० सर्वे नं० 81, +99 + 100 + 4 + 4-1 जमीन 355 वर्गमीटर + मकान 230 वर्ग मीटर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रह्मदावाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिध-

नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी खा 17-9-86
को पूर्वे कित सम्मित्त के उचित पाजार मूल्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के भंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त लोक्षितयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के अध्यक्ष मा कमी अदने या उससे बचने के सुविधा किल्ल, बौर/मा
- भाग ४व. अकत अभिनियम की धारा २69-ग के अन्सरण भागा १८व अधिनियम बी धारा २69-म की उपधारा (1) विकासिक विकास किलागों, अधित :---

(1) चन्द्रकांक्षायेन विषेक्षभाई पंचाल, बीठ नं० 30, शंकर सोमाइटी विभाग नं० 1, नारनपुरा, ग्रहमदाबाद-13।

(ग्रन्तरक)

- (2) डा० श्रतुल गुनवंतराय भट्ट, 9-बी, कार्तिक स्वामी मोभाइटी, णाहपुर दरवाजा बाहर, श्रहमदाबाद । (ग्रन्तर्रतंर)
- (2) उत्तम स्टील इन्डस्ट्रीज, 30, णंकर सोनाइटी विभाग-I, नारनपुरा, श्रहमदाबाद-13।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रंक्ति सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सर्पत्ति को अर्ज्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त हांती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :—-इसमी प्रयूक्श शब्दों और पद्दी का, जो उक्त अधिनियम, को प्रवर्ण 20-क मी परिभाषित है, यही अर्थ होगर को उस अध्याय मी दिया गया है।

#### जनसम्बी

ण्च० पी० ग्रहमदाबाद में टी०पी०ण्स० 29, सर्वे नं० 81, +99+100+4=4-1, जमीन क्षेत्रफल 355 वर्ग मीटर+230 वर्ग मीटर, ग्रहमदाबाद । रिजस्ट्रेणन नं० 15925/17-9-86

वी०भ्रार०कौशिक मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-!, स्रहमदाबाद

नारीख: 26-9-1986

प्रस्थ आहें.टी.एन.एस.--------

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 मितम्बर 1986

निदेश मं० पी० श्रार० नं० 4422—श्रतः मुझे, बी०श्रार० कौशिक.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अर्धन सक्षम प्राधिकारी को यह सिख्वास करने का खारण है कि सावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार भृत्य 1,00,000/- का संअधिक ह

श्रीर जिसकी सं जिसकी न 1266 वर्ग गज मिकान श्रहमदाबाद में है तथा जो टी ज्यो व्यक्त 24, एफ व्यो व नं 253 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-9-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सिपित्ति का जावत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात स अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तय पामा नमा प्रतिफल, निम्निलिचित उद्वरेस सं उक्त बन्दरण निचित में बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूर्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपपारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थाता :--

(1) प्ररिवन्द कुमार रमनलाल जानी, किशन गृह, गोरधन वाडी टेकरा, कांकरीया, म्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) दयाणंकर को० ग्राप०हा० सोसाइटी प्रपोजङ—— चीफ श्रारगेनाइजर की श्रोर से श्री महेश कुमार जयरामदास मेघराजानी, ग्रहमदाबाद बैंक बिल्डिंग कर्नावटी सोसाइटी के सामने भैरवनाथ, मनीनगर, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

(3) मोरार कारपोरेशन, के/ब्राफ उपयुक्त । (बह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर पूर्वीक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास किसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विकः गया है।

#### -

जमीन क्षेत्रफल 1266 वर्ग गण्म मकान ग्रहमदाबाद में टी०पी०एस० 24, एफ० पी० नं० 253 दो हिस्सों में बिकी हुआ हरेक 633 वर्ग गण्म मकान रिजस्ट्रेणन नं० 15978— 15973 दिनांक 18-9-86

> बी०ग्रार०कौणिक सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जेन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख: 26-9-86

प्रकप आहाँ . टी . एन . एस . -----

बाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालयः, सहायक वायकर वागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

**भ**हमदाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1986

निदेश सं ० पी० ग्रार० नं० 4423— श्रतः मुझे, बी० श्रार० कौशिक,

कायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं अधिक थर्ड फ्लोर पर, प्रेमचन्द हाउस एनेक्सी श्राश्रम रोड, है तथा जो 172/1 क्षेत्रफल 3200 वर्ग यार्ड, ग्रहम-दाबाद में स्थित है (श्रीरर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मक्षम-प्राधिकारी, श्रह्भदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 26-9-86,

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिकस के सिंद जन्मरिय की नहीं हैं जौर बुके वह विस्ताह स्रत्ये का कारण हैं कि स्थाप्वों कर सम्पत्ति का स्थित बाबार कृष्य , उसके स्थामन प्रतिकास के देखे स्थामन प्रतिकास के समझ प्रतिकास के समझ प्रतिकास के बीधक हैं जौर अंबरक (बंबरका) बार संवरियों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में बास्तिक रूप से काशत नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से बुद्ध किसी जाय की बातत, उक्त जिसीनयम के बधीन कर दोने के जन्तरण के दिस्ति में कभी करने या उससे बचने में जुविधा आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी वन या अस्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वामा वाहिए वा, किया में सुविधा के विद्या।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी. मी. उक्त अधिनियम की धरश 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीसुचित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मीनार बिल्डर्स प्रा० लि०, प्रेमचन्द हाउस, 172/1, श्राश्रम रोड, हाईकोर्ट रास्ता, ग्रहमदाबाद-9 (ग्रन्तरक)
  - (2) पोलपोलेकारन इन्डस्ट्रीज लि०, मफतलाल सेन्टर, नरीमान पाइण्ट, बम्बई-21

(ग्रन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समिक्ष या सम्बद्धां व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बद्धा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिगित में किए जा सकेंगे।

#### नगुसूची

श्राफिस थर्ड फ्लोर पर प्रेमचन्द हाउस एनेक्सी-क्षेत्रफल 3200 वर्ग फीट हाईकोर्ट के पीछे ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद 37- ईई दिनांक 29-9-86 को फाइल किया।

बी० श्रार० कौशिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

सारीख: 26-9-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई बम्बई दिनोक:-15-10-86 निर्देश सं० ग्रर्ड 4/37-ईई/25276/85-86 ग्रन: मुझे ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ामित क िम्मा, बेशिंग सींव्हीं एएएवं नं 55, |50|, |388| (पीटो), |55|, |4|, |392|, |57|, |5|, |402|, |57|, |6|, |405|, |57|, |7|, |406|, |58|, |7|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|, |59|

को पूर्व क्ष्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का काएण है कि यथापूर्वोतन संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, रसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रित्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अक्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल नैम्निलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिन हमें कर्तिन हमें क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) श्रीमिति ग्रार० ग्रार० महात्र ग्रौर ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स रघुनाथ डेवेलपर्स

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्स्ची

जिमत कः हिस्सा, वेश्नरिंग सीटो० ए.प० नं० 55/5ए/388 (पीटी) 55/4/392, 57/5/402, 57/6/405, 57/7/406, 58/1/394, 59/2ए/386, विहलेज बोरिवली तालुका बोरिवली, बम्बई,

श्रनुसूची जैसा कि कि कि सं० श्रई-3/37—ईई/25276/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ण्.० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक:--15-10-1986 मोहर:--- प्र**कथ आहे**, टी. एन. एस.

(1) मेसर्स सन्नाट बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राकेण श्रार सेक्सारीया

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

बम्बई दिनांक:—15-ग्रनटुबर 1986 निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/25536/84-85— ग्रतः मुझे, लक्षमण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि न्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संव बंगला नंव ए-1, शांता श्रपार्टमेन्ट, एस वी रोड, कादीवली (प) बम्बई 67 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है श्रौर जिसका करारनामा भ्राक्यर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रनुसार ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-2-86

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (अंतरकों) और जंशरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया यवा है :---

- (कां) बन्तरम् वं हुइं किती बाय की बावतः, उपका विभिन्नयमः कं अभीन कर दोने के अन्तरक के दा। यत्य में कसी करने या उससः स्वन मां सुक्रिधा के लिए; भार/या
- (क) एस किसी बाय या कियों धन या अस्य बारितयों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उसते आधील्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वाण प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टि करण ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बंगला नं ए-1, जो मांता श्रपार्टमेन्ट, एस वी कांदींवली (प) बम्बई 67 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं ग्रई-4/37-ईई/25536/ 85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांकः 15-10<del>-</del>86

अक्षिमाध", टौ. एन. एस. ----

का धन को धनियम, 1961 (1961 का 43) **की धारा** 269-ध (1) **के मधी**न **ग्**चना

#### भारत सरकार

कारान्य, सहाशक आयक्त साय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांकः 15 प्रक्ट्बर 1986 निर्देश सं० प्रर्ध-4/37-\$ई/25571/84-85-प्रतः मुझे, लक्षमण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण हाँ कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका जीवत याजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं तल मंजिल श्रीर बेसमेंट पारूदिप ग्रनार्टमेंट मांडपेण्वर रोड बोरीवली (प) बम्बई 92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमूनुची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारो 269क, ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-2-86

का वृद्धांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य मं कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, दिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त के वासाविक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं शुर्च किसी नाम की बाबत, उक्त भोधनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करूने या उससे बचने में सुविधा ३. लिए, और/मा
- ावः एस किसी आम या किसी अन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारकीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुलिधा वी लिए?

त्र अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भै, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) अ अभीन, निम्निनिवित व्यक्तियों, व्यक्ति ■—— (1) पूर्व दीप इन्टरप्रायसेस

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रमित ट्रस्ट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई नी आक्षण ⊱

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख रु 45 दिन के भीतर खबत स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी व्यक्ति स्थार, अधांहस्ताक्षरी के पाट लिखित में किए का सकेंगी।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं:---

#### जन्स् ची

तल मंजिल श्रौर बेसमेंट के साथ गेरेज, जो पारू दीप ग्रपार्टमेंट, मंडपेण्वर रोड, बोरीवली, (प) बम्बई 92 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कि के सं श्र $\frac{1}{2}$   $\frac{1$ 

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 15-10-1986

प्रस्ति बार्ड् टी. एन. एन. -----

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकाड

कायरिक्य, सहायक बाबकर बाधक्त (निरीक्स) म्रर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक, 15 ग्रवटबंप/1986 निर्देश सं० धर्द-4/37-ईई/25599/84/85 ग्रतः मुझे, लक्षमण दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा एथा है"). की धारा 269-स के नधीन संशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित गणार मुस्ब 1,00,000/~ रत. से अधिक **ह**ै

श्रौर जिसकी सं० एस नं० 37 एच नं० 11, सीटी एस नं० 808 (पार्ट) कांदीवली बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपबाद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौंर जिसका करारनामा ग्रायकर **प्रधिनियम** 1961 की धारा 269 क, ख, के प्रधीन बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-2-86

क्यों पृत्रों क्ल संपरित के उचित बाजार मृख्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापबोंबर संपर्शि का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमि दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक ही और यह कि बंदरक (बंदरकों) और अंतरिती रिदी (अन्बरिदियों) के बीच एसे बन्तरम के लिए तय पादा गया प्रतिकत, निम्नलियित उद्दोष्य ने उक्त जन्तरण निवित णे वास्तविक स्प से कवित नहीं किया नया है ---

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाय की बाबल, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्हरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कं निए: बरि/या
- (४) कभी किसी भाग का किसी भग का अन्य बास्तियों ¥ों, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) **के प्रयोजनार्थ** पन्तरिती दवास प्रकट नहीं किया गया था वा किया भाग नाहिए था फियाने में स्विधा के लिए;

জন: अब, उक्त अधिनियम की धारा 2,69-ग के बनुसरण भै, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🔻 कभीतः, जैनस्तिनिधतं व्यक्तियों, अर्थातः 🏎

(1) मेसर्स ग्रार्च डेकोन

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स पदमावती बिल्डर्स

(ग्रन्तरिती)

का यह अपना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

**उद्युत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध म**िका**र्ड भी बाक्षप**्र——

- (क) इस स्वाना के रावपत्र भी प्रकाचन की उत्तरीस सं 4.5 दिन की जबिध या एत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील सं 30 दिन की वयिष, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्यॉक्स व्यक्तियों में से विक्सी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:----इसमें प्रयुवत शब्दों और पर्दों का, **या** अवश अधिनियम को अध्याय 20-क मा परिभाषेषत हैं<mark>, वहीं अर्थ हो</mark>गा, जा उस अध्याय में दिया वया 💅 🏻

जमीन का हिस्सा जिसका एस० नं० 37, एच नं० टी०टी० एस० नं०808 (पार्ट) विलेग कांटीवली,बम्बई में स्थित है । ग्रनुसूची जैंसा की ऋ० सं० श्रई−4/37<del>−ईई</del>/25599 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा। दिनांक 28−2−1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक श्राय्कत (निरिक्षण) श्रर्जेन रेंज-4, बम्बई

दिनोक:---15-10-86 मोहरः—

# प्रकर आई. ही. एन्. एस , -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार: 269 घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) भर्णेन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 श्रद्वादर1985

निर्देश सं० अई--4/37-ईई/25134/84-85---श्रतः मुझे, लक्षमण यास,

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्वात 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारल हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उच्छित काजार मृत्य 1,00,006/- रहे. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 319, हिस्सा नं० 7, सर्वे नं० 320 हिस्सा नं० 7 सीटी एस नं० 1438, 1437, विलेख दहीसर, बम्बई

में स्थित है ( श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्राय- श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 3-2-86

की प्रवेशित गंपरित के जिसत बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चेस्य से उकत अन्तरण लिकित भें बाकारिक कर से किया नहीं किया क्या है किया

- (क) अन्तरण सं हुई किसी गाय की वावत, जनत अधिनियम के गंधीन कर वेने के गस्तरक वे गंधिक्य में कमी करने मा उससे वचने में गरिवधा के गमधः और/शः
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या कस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम या अन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नारा जिल्हा की प्रयोजनार्थ के जिल्हा है।
- ्र शतः मकः, जन्म अधिनियम कौ भागः १६६-ग को जनसर्थ मी, मो जयत वीधिनियम की भारा २६९-व की उपभारा (1) क अर्थका वेस्कितिस्मित अशीक्तवी, अर्थादा :— 8 —346 GI/86

- (1) हृदयनारायन बी० मिश्रा, सूर्येकांत जी शाह, उय्मान ब० शेख और नानजी एल गाला\_ (अन्तरक)
- (2) मेसर्स एम के फाँउडेशन

(भ्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वतः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की समित या तरसंदिंगी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की समित, जो भी समित कार में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्य स्वक्तिहरों में से किसी क्यनिस द्वाराः
- (ख) इस मुक्ता के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी क पाम निकित में किए आ सकोंगे!

स्पष्टीकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवी का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### travers!

जमीम का हिस्सा जिसका सर्वे मं० 319, हिस्सा नं० 7, सर्वे नं० 320, हिस्सा नं० 7 सीटी एस नं० 1438, 1437, विलेज दहीसर, बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा को ऋ० सं० श्रई-4/37—ईई/25134/38-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैंन रेंज-4, बम्बई

विनांक:---15-10-1986 मोहर:--- प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जिम रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांक 15 म्नव्यत्वर 1986 निर्वेश सं० मई-4/37-ईई/25133/84-85---मतः भुझे, लक्षमण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रुत. से अधिक है और जिसकी मं० एस नं० 66, एच नं० 9ए, एस नं० 68 एच नं 14, विलेज दहीसर (पु) वम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा धायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3-2-86

को पूर्वेविस सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का खिक्त बाजार मृल्य, इसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से क्ष्यू किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मी. अक्त अधिनियम की धारा 269-**ण की उपभारा (1)** के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात है— (1) मेसर्स भ्रोमकार कनस्ट्रक्शन को०

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स एम० के० फाउंडेशन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क' किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यिकत्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिकरण : → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का हिस्सी जिसका मं० 66, एच नं० १-ए एच नं० 68,एच नं० 14 विलेज नं० भगीला पाडा शिवाजी रोड, वहीसर (पू) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क० सं० श्रई-4/37—ईई/25133/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज—4, बस्बई

सारी**ख** : 15-10-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 भ्रक्तुबर 1986

निर्देश सं० आई०-4/37 ईई०/25139/85-86-- अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ,269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, वह विश्वात करने का कारण हो कि स्थावर सम्मित्त, विसका उचित बाचार क्ष्म 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० सर्वे नं० 116, हिस्सा नं० 1, सी० टी० एस० नं० 605, 606, 607, 609, 610, सर्वे नं० 117, हिस्सा नं० 2, सी० टी० एस० नं० 590, 591, 592, 617, सर्वे नं० 117, हिस्सा नं० 20, सी० टी० एस० नं० 594, सर्वे नं० 118, हिस्सा नं० 1, सी० टी० एस० नं० 631, सर्वे नं० 118, हिस्सा नं० 3, सी० टी० एस० नं० 633, सर्वे नं० 118, हिस्सा नं० 9, सी० टी० एस० नं० 923, सर्वे नं० 121, हिस्सा नं० 2, सी० टी० एस० नं० 644, सर्वे नं० 121, हिस्सा नं० 6, (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 548, 637, 639, 640, 641, 685, सर्वे नं० 134, हिस्सा नं० 2, 5, सी० टी० एस० नं० 833, 839, 845, विलेज एक्सर, बोरीवली बम्बई में स्थित है। (भ्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ती प्रधिकः री के कार्यालय बम्बई में रजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के श्रधीन भौर जिसका करारनामा भायकर भिधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-2-86 को पूर्वितत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से काज को इत्यमान

का प्याक्त सम्पात्त के उचित बाजार मृस्य से के के कि क्यमान अतिफास के लिए अन्तरित को गई है और मृझ यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफाल, निम्नलिखित उच्चें क्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा गया है:—

(क) अन्तरण सेहुई किसी आयकी वाबत उक्त

अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वासिस्थ मैं कमी करने या उससे वचने में सुविधा को लिए।

और∕मा

(श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा से सिए%

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उभत अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारार (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री ग्रार० मोतीराम महाते ग्रौर श्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) यूनाइटेड बिल्डर्स धौर डेवलपर्स । (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीकर संपरित के अर्जन के लि कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

# नन्स्ची

सर्वे नं० 116, हिस्सा नं० 1, सी० टी० एस० नं० 605, 606, 607, 609, 610, 611, सर्वे मं० 117, हिस्सा नं० 2, सी० टी० एस० नं० 590, 591, 592, 617, सर्वे नं० 117, हिस्सा नं० 20, सी० टी० एस० नं० 594, सर्वे नं० 118, हिस्सा नं० 1, सी० टी० एस० नं० 594, सर्वे नं० 118, हिस्सा नं० 3, सी० टी० एस० नं० 631, सर्वे नं० 118, हिस्सा नं० 3, सी० टी० एस० नं० 633, सर्वे नं० 118, हिस्सा नं० 9, सी० टी० एस० नं० 923, सर्वे नं० 121, हिस्सा नं० 2, सी० टी० एस० नं० 644, सर्वे नं० 121, हिस्सा नं० 6 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 548, 637, 639, 640, 641, 658, सर्वे नं० 134, हिस्सा नं० 2, 5, सी० टी० एस० नं० 833, 839, 845, विलेण एक्सर बोरीवली वस्वई में स्थित है।

सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा <mark>दिनांक 3-2-8</mark>6 को रजिस्टर्ड किया <mark>गमा है</mark> ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, अम्बर्द

तारीखा : 15-10-1986

मोहर 🛭

प्रकार कार्य .दी . एवं . एवं . -----

थासकार जीभीनयम, 19-61 (19-61 था 43) वर्षी भाग 269-च (1) वर्षे वभीत सूचना

#### HILE HIVEL

# कार्याभय, सहायक बायकर वायुक्त (विरोक्तक)

भ्राजीन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 भ्रम्तूबर 1986 निर्दोश सं० भ्राई०-4/37 ईई०/25012/85-86--भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसवी प्रस्के पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हीं, की भारा 269-च जो अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्भीत, जिन्नका जिन्त वाचार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिका हैं

श्रीर जिसकी सं एस० नं 12, हिस्सा नं 7, एफ० पी० नं 670, सी० टी० एव० नं 102, विलेज शिपोली, बोरीवली (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), एजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजर्स्ट्राक्टरण श्रधिनियम 1908(1908 का 16)के अधीन श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित समक्ष प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3-2-1986

को पूर्वीक्त सम्पोत के उचित वाजार मूल्य से कम के आपवाक प्रतिकास को सिए जंतरित की वहाँ हैं और मुक्ते यह विकास करते को कारण है कि स्थापुर्वीक्त सम्पोत का उचित वाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिकास से, एसे असमान प्रतिकास का पन्नह भित्रका से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) जार बंदिली (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पावा गया गरितकम, निम्निविक्त उच्चेष्य से उक्त अन्तरण मिकिक से बारित कर से किया कर्तरण मिकिक से बारित कर से क्रिया कर हैं :----

- १० शब्दायल ले हुआ श्वासी बाब ला वालतः, खब्दा ब्राविजियम् से बंधीय कर वर्षे के बल्युटक औ वाजित्य में कनी करने वा बबसे बचने में श्रीवदा क्षे सिए; शीर/वा
- (म) एसी किसी बाब वा किसी थम का बन्य आदितायों की, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्ति द्वार प्रकट नहीं किया गया था मा किया जानर वाहिए था, जिनाने में सूबिधा के किस्,

अतः अव, उक्त विधिनियत्र की धारा 269-ग के बन्दरण के, के उक्त विधिनियत्र की बारा 269-म की स्थमारा (1) के विधीय निमालियित व्यक्तियों, विश्वति - (1) श्रीमती कांती देवी जगदीश भगरवाल।

(भ्रन्तरक)

(2) मै० ग्रगरवाल कन्स्ट्रक्शन्स को० । (ग्रन्तरिती)

को नह सुचना जारी कर्क पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन क सिष् कार्यवाहियां सुरू क्रारा हूं।

# क्क कर्मारा से सर्पन के दंगेंथ में काई भी जाओंच :---

- (क) इस सूचना के यापपत्र में प्रकाशन की तारीस वे 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वह सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, यो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 किन के भीतर उनक स्थावर सम्मत्ति में दित-बहुध किसी मन्य व्यक्ति ब्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय मा दिया नगा ही।

#### -

जमीन का हिस्सा जिसका एस० नं० 12, हिस्सा नं०7; सी० टी० एस० नं० 102, एफ० पी० नं० 670, शिपोली, विलेज, बोरीवली (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसां कि कम सं० भाई०  $4/37/\xi\xi$ ०/ 25012/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्ब**र्** 

तारीख: 15~10-1986

# प्रकर्भ बाई . टॉ..एन .एस ......

बायकर बिभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

#### सारव बरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (निर्देशक) भार्जन रेंज-1 वस्वई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० भ्रई-I/37ईई/9991/85-86--- श्रतः मुझे, निसार भ्रहमद

हायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो।, का धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हो

श्रीर जिसकी सं फलेट नं 2; 12वां माला, श्रवंती श्रपार्टमेंटस, श्रवंती निकेतन को श्राप् हाउसिंग सोसाइटी लि ल सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 की धारा 269 के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है । तारीख 10-2-86 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के कार्यालय में रिजस्ट्री है । तारीख 10-2-86 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के कार्यालय में रिजस्ट्री है । तारीख 10-2-86 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के बार्वास मृत्य से काम के दूर्वशाम किरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके द्वरयमान प्रतिफल से, एसे द्वरयमान प्रतिफल का नम्बह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिधित उच्चरय से उक्त अन्तरण लिकित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अ.य व्यक्तियों करे, जिन्हों भारतीय शायकर गणितियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वह 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औ निष्ठ;

जल अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ए है अ(सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ध प्राप्त (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) रावलचन्द दीवानचन्द विजम

(भन्तरक)

(2) बिपिन वनेभन्द उदानी।

(भ्रन्तिरती)

(3) म्रन्तरक भ्रौर परिवार।

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)।

की यह स्वना कारी करके प्वॉक्त सञ्पत्ति के वर्षन के तिथ् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्दर संपत्ति के अर्थन को संबंध में कांद्र भी अरबोप

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पश्च स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में अकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्र- विश्व किसी अन्य व्यापित द्वारा भधाहम्साक्षरी के पास तिकित में किए का सकीय।

श्यकाकरणः---द्समें प्रयुक्त शब्दां और नदीं का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं नधं होगा जो उस अध्याय में दिसा यसा है।

#### जन्स्यी

फ्लेट नं० 2, 12, वां माला, श्रवंती श्रपार्टमेंट, श्रवंती निकेतन को०-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, मायन (पूर्व) , बम्बई-22

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/9383/85-86-ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 10-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजेंन रेंज-1 बम्बई

सारीख: 9-10-1986

मोहर ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 श्रक्तुबर, 1986

निदेश सं० मई-1/37ईई/10009/85-86--- म्रतः मुझे, निसार मह्मद,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के जबीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक है

भौर जिसकी सं० शाप नं० 80, ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रागोका शापिंग सेन्टर, लोकमान्य तिलक मार्ग, बम्बई-400 001 में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क्ष के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रातिधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 10-2-1986

को पूर्विक्त सम्पन्ति वो उचित बाजार मूल्य से क्य को दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है बार मूझे यह विश्वास करने का कारण हूँ कि सभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उपयमान प्रतिफाल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रहें प्रतिस्ति से बिधक है और अन्तरक (अन्तरवाति) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के दीच ऐसे अन्तरण को लिए गय पाया गया प्रतिफाल, निम्नितिस्त खब्द क्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण संहुद्धं किसी अग्य की धानच, अवस अधिनियंत्र को अधीन कर योने के अन्तरक को सायित्थ मो कारी अग्यों का उनाने प्रथम मो गणिया के लिए; और/या
- (काः एसि किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों करी, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबंधनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना काहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीको निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोरिबट कारपोरेशन, एसोसिएटेड बम्बई सिनेमाज प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (6) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की सारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सःमस्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निश्ति मों किए जा सकोंगे।

न्यरहोकरणः——इसमे प्रयुक्त शब्दों औं पर्यों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा में उस दाध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रची

शाप नं ० 80, ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रशोका शापिंग सेन्टर, लोकमान्य तिलक मार्ग, बम्बई-1

श्रनुसूची जैसा कि कि कं सं प्रई-1/37ईई/9397/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 10-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-।, बम्बई

तारीख: 7-10-198β

प्रसम बाह् . टी. एव., एव., -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 प्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० भ्रई-1/337ईई/10010/85-86--- भ्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंग्रेडचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 100,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० शाप नं० 56, ग्राउण्ड फ्लोर, श्रशोका शार्षिम सेन्टर, लोकमान्य तिलक मार्ग, अम्बई-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के श्रधीन, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 10-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना गया प्रतिफल, निम्निक्ति उद्देष्य से उक्त बन्तरण कि किए तम

- (क) इन्तरण सं हुई किसी आय की गवत, उच्या अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के निए; और/या
- (क) ऐनी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंगरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

अला अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के हरहरण बों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्त, अस्तियों, अर्थीत् ३—

- (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्रा० लि०। (स्रस्तरक)
- (2) श्रार० एस० रामचन्दानी (एच० यू० एफ०)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

शाप नं ० 56, ग्रांचण्ड फ्लोर, अशोका शापिंग सेस्टर, लोक-मान्य तिलक मार्ग, बम्बई-1

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-1/37ईई/9398/86-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 10-2-1986 को ूरिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमध सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-।, बस्बई

तारीख: 1-10-1986

प्रक्ष आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैनरें ज-।, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 1 श्रक्तूबर, 1986

निवेश सं० ग्रई-1/37ईई/10011/85-86-- ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं शाप नं 55, ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रशोका शापिंग सेन्टर, लोकमान्य तिलक मार्ग, वस्वर्ड-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस प्रनुसूची में ग्रीर पूर्णेक्ष्प से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, वस्वर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। नारीख 10-2-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अंतरण सं हुर्क किसी जाय की वावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सिवधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रामिन, निम्निजिकित व्यक्तियों, अर्थात् है— (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (सम्बई) प्रा० लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) म्रार० एस० रामचन्दानी (एच०यू०एफ०)। (भ्रन्तरिती)

 यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**र्ड भी नाक्षे**प :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस हैं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों गर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
  ध्वित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसको प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-पित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्त्रची

शाप नं० 55, ग्राउण्ड फ्लोर, श्रशोका शापिंग सेन्टर, लोक-मान्य तिलक मार्गे, बम्बई-1

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं० ग्राई-1/37ईई/9399/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 10-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज-।, बम्बई

तारीख: 1-10-1986

# प्रकथ भाषी, दी., एम., एस.,-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

#### मारत तरकार

# कार्यालय सहायक भायकर वाय्क्त (निर्दाक्क)

श्रर्जनरें ज, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 1 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/10012/85-86— श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00000/ रूपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० णाप नं० 2, ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रशोका णापिंग मेन्टर, लोकमान्य तिलक मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प से बर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 10-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम को इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे इश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए एय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देष्य से उस्त अन्तरक लिकित शास्तिक हुए म विधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी अप्य या भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा ले लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्रा० लि०।

(ग्रन्सरक)

(2) णरन बिल्डर्स एलाइट मिनेमाज प्रा० लि०, एसोसिए-टेंड वस्त्रई मिनेमाज प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिये में संकिसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलसब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकों ने।

स्पष्टीक रणः ----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदौं का, वो अवत अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, वो उस अध्याद में दिवा गवा है।

#### जग्मुची

शाप नं० 2, ग्राउण्ड फ्लोर, श्रशोका शापिंग मेन्टर, लोकमान्य-तिलक मार्ग, बम्बई-1

ग्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्रर्ङ-1/37ईई/9400/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-1986 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-।, बम्बई

तारीख : 1-10-1986

मोहर:

9-346 GI/86

प्रकल कार्ड. टी., एन. एस. 🛪 🧸 -

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ज 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार बाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० श्रर्ध-1/37ईई/10013/85-86— श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इरके परवार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269 के के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह पिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

भीर जिसकी सं० शाप नं० 99, ग्राउण्ड फ्लोर, गार्पिग सेन्टर, लोकमान्य तिलक मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रौर पूर्णेष्प मे वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा धायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 10 2-1986

करों पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जाजार बून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंक्क प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया स्थी प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ये बास्तिक भ्रम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जान की वाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोनें को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्ध अजन में मृदिधा के लिए, जॉर/मा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम । १२०० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दः धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था का किया जाना चाहिए था छिपाने में सहित्या के लिए

अतः । एव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्किलिसत व्यक्तिसों, अर्थात् :---

(1) पुरी कन्स्ट्रमशन (बम्बई) प्रा० लिए।

(भ्रन्तरक)

(2) भारबिट कारपोरेशन।

(ग्रन्तरिती )

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **अनुस्**ची

शाप नं० 99, ग्राउण्ड फ्लोर, श्रशोका शापिंग सेन्टर, लोक-मान्य तिलक मार्ग, बम्बई-।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई 1/37ईई/9401/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रह्मद सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-।, बस्बर्ड

तारीख: 1-10-1986

# वस्य वार्व .टो .एव .एव:\_-----

# बायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विपीन सूथना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।इ बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 श्रक्तूबर, 1986

निदेश मं० श्रई-1/37ईई/10014/85-86— श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 90, ग्राउण्ड पलोर, ग्रशोका शापिग सेन्टर, लोकमान्य तिलक मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबड़ ग्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10-2-1986

का पूर्वेक्ति सम्पक्ति क उचित काबार मृत्य संकम के **दर्**यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की ग**र्द है और मुक्ते यह विश्वास** करने का कारण है

कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों करों, जिन्हों सारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भाग 269-व के अनुभूत्क हों, यां, उक्त अधिनियम को धाग 269-य की उपभाग (1) कं अधीन, ∜नम्नलिश्वित व्यक्तियों, अथोज ३~~ (1) पूरी कन्स्ट्रवशन (बम्बई), प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) मानोवे इन्वेस्टमेंट लि०।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के आवश् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षोद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अभीभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताथील से 30 दिन की अबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वागः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र ं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर छक्त ्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति दृश्य बधांह्स्ताक्षरी के पास राजित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पटों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित इ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वया है।

#### वम्स्ची

शाप नं० 90, जो ग्राउण्ड फ्लोर, श्रशोका शापिंग सेन्टर, लोकमान्य तिलक मार्ग, बम्बई-।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/9402/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 10-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रें ज-।, बम्बई

तारीख: 1-10-1986

प्रक्प आइ. टी. एन. एस. -----

# नायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीत स्थता

भारत सरकार

# कार्याक्षय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रें ज-।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० श्रई-1/37ईई/10019/85-86— श्रतः सुक्षे, निसार श्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्रिमायमेस नं० 77, जो 7वीं मंजिल, नरीमान पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 11-2-1986

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार भृत्य से कम के ध्रयबान प्रिटिफल के लिए अन्तरित की नद्दें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बोंकत कम्पृतित का उचित बाजार मृज्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह सितायस से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिक कन निम्नितियात उद्वरेष से उक्त कन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उनक विभिन्नियम के जभीन कर दोने के बन्तरक की दावित्य को कभी कर्डने वा उत्तसे वचने में सुविधा की विष्; बड़ि/सा
- (स) एंडी किसी जार या किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किसा वाना वाहिस था कियाने में सुविधा के किए;

गत: ब्रब, उक्त विभिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थात्

(1) मेसर्स मैनी शापिग (प्रा०) लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति हनीफाबाई श्रब्दुल गफ्फार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध सा तत्वंती अविदारों दर स्पना की तासीस से 30 दिन की ववदि, वां औं अविध साम में सभापत होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारिन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में भिक्ष या सकोषी।

स्थाक्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त कर्नां और पदों का, वां उक्त, विभिनियम के वश्याक 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रिमायसेस नं० 77, जो, 7वीं मंजिल, नरीमान पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स. श्रई-1/37ईई/9407/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन<sup>३</sup> ज-।, **बम्बई** 

ता**रीख : 8**∙10-1986ू

प्ररूप बाह्र, टी. एन. एत. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अभीन स्चना

#### नारत सरकार

# कार्यायम, सहायक मानकार मानुनत (नि<u>र्</u>यायम)

धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक के ध्रम्तूवर 1986

निदेश सं० ग्रई०-1/37 ईई०/10048/85-86--श्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

बायंकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें पर्यात् 'उनत मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विश्वका उचित वाकार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० कार्यालय प्रिमिसेस न० 61, जो छठीं मजिल फ्री प्रेस हाउस, नरीमन पांइट, बम्बई-21 में स्थित है (ग्नौर ग्र्मोर इससे उपाबद्ध श्रनुचची में ग्नौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्नौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सज्ञम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 12-2-86

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के सम्बद्ध प्रतिक्रत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तम श्रामा गया प्रतिक्रण, निम्निसिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिव में वारतिक रूप में कथित नहीं किया गया है .---

- (क) बंबरण वे हुई कियों भाग की नावर, क्या श्रीवित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दाबित्य में कमी करने या उसने बचने में मुविधा जी निष्; और/धा
- (च) धेती किसी नाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर विभिनियम, 1922 (1922 था 11) या उपत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में गूरियधा से किया

कतः वय, उपत वीधिनियमं की भारा 269-मं से बनुपरम् तो, त्री, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के जभीन, नियमसिक्ति स्पवितयों, वर्धातः— (1) श्री जगजीवन दास जमना दास., श्री तुलसी दास जमना दास और श्री लक्ष्मीकांत जमना दास।

(ग्रन्तरक)ू

(2) मैं ० विलाका इलैक्ट्रानिक्स लि०।

(भ्रन्तरिती)

को नह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिष् कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारिंग में 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्जीं को भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ट अर्थ स्त्रां में में किसी व्यक्ति क्ष्रारा.
- (६) इस अचना के रिजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेरू हितबक्ष किसी अन्य स्थानत व्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों अन, को उपच विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थों उस अध्याय में दिवा गवा हैं।

### यगसुर्वी

कार्यालय प्रिमिसेस न० 61, जो छठों मंजिल, फी प्रेस हाउस, नरीमन पांइट, बम्बर्ध-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-1/37 ईई०/9436/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, **ब**म्बई

ता**रीय**: 8-10-1986

<u>an an an an amplemental services and an anticolor and an anticolor and an anticolor and an anticolor and an an</u>

प्ररूप कार्ब दी. एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-व (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्याचय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्त 1,00,000/- रु से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 5, तीसरा माला, प्रभादेवी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, 408 मार्ग बम्बई—29 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14—2—1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय गया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उप्योदय से उक्त बन्तरण निवित्त में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गवा है है——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त विभिनियत के अभीत कर देने के अन्तरक के द्यवित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से सिए; बॉर/सा
- (क) ऐसी किसा आय या किसा धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्षोजनाथ जन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया वाता वातिए था, छिपान में सुविधा के निष्;

वतः वतः, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) ऐ च्यीन, निस्मिशिकत व्यक्तित्वां, जर्थात् ■—— (1) मनसँ मेक पन्स प्राईवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) मससं मरक्यूरी जेम्स प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दाँ और पदाे का, **जो उक्त** अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभा**षिक** है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृस्ची

यूनिट न० 5, तीसरा माला, प्रभादेवी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, 408, वीरसारवरकर मार्ग, बम्बई—28 में स्थित है।

श्रनुचची जैसा कि कम सं० श्रई०-1/37 ईई०/9482/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायकर भ्रायर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारी**ख** : 9-10-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

#### भारत मरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 अक्तूबर 1986

निदेश सं० श्र\$0-1/37 \$\$0/10148/85-86—श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

शिवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके प्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ज्या 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फलैंट नं० 52-ए जो 5वीं मिलिल श्रौर गरेज नं० 47 जो , तल मालेपर श्रनीता को० सोमायटी लि॰, प्लाट नं० 3/59, मांउट रोड, बम्बई-6 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिवियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 17-2-86

को पूर्वोक्त तम्परित को अधित वाचार मूल्य वे कम के करवाल विरापन के लिए बंतरित को गई है और मुके यह विकास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकत्त से, एसे व्यवमान प्रतिकत का पन्नह प्रतिकत्त से विचक है और बंतरक बंतरकों) और बंत-क्ति। (बंतरितियों) के बीच एते बंतरण के निए तम क्या पंचा वित्तक, निम्निवित उद्वयंक्त ने क्ष्यक बंतरण विचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंदरफ ते हुए फिटी वाय की बाबत, अनल बरिव-विषय के अधीन कर बोने के अंतरक की खाबित्व में कभी करने वा उत्तरों क्यमें में स्थिता के लिए; मार/का
- (क) क्ली किसी बाब वा किसी धन वा लख बास्तिवाँ को जिन्ही भारतीय जावकर बीविनवन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनवन, वा वव-कर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बंतरितीं इंगस्त बंकट नहीं किया क्या था वा किया जाना वाहिए वा, कियाने में ब्रियम के किय;

बक्तः कव, उक्त अधिनिजम की भारा 269-ग के बन्सरण में, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) तेजसिंह जी भवर सिंह भडारी 🐉

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रणोक कॉतीलाल गांधी, श्रीमित सुषमा श्रणोक गांधी श्रीर श्रीमित पुषपावेन कॉती लाल गांधी।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरका

(बह् व्यकति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को सह स्थाना बारों करके प्रशिक्त सम्पत्ति की वर्षण की सिध् कार्यवाहियां शरू करता हो ।

सकत सम्बन्धि के कर्बन के सम्बन्ध में कीई भी वाक्रेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की अबीध, जो भी व्यक्तियों वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशेषित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों के सी कर्मी क्यक्तियों
- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तार्रीय ते 4.-अधिपियक के भनीय कर वोगे के बज्यस्क के किसी बज्य मानित वंशारा अधोहस्ताक्षरी के शास विश्वित में किए था सकींगी।

स्पटिशक्तरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ही, वहीं क्यों होना को जस कथ्याव में दिवा गवा ही।

#### क्षत्रवर्ष

प्लाट नं० 52-ए जो 5वीं मंजिल श्रीप गैरैज नं० 47, जो, तलम:लपर, श्रनीता को-श्राप० हाउसिंग बिल्डिंग, सोसायटी, लि०, प्लाट नं० 3/359, म.उंट प्लेजंट रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जसावि कि संब्धाई—<sup>1</sup>/37ईई/9538-85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी,बम्बई द्वारा दिनौंक 17-2-1986 रिजिस्टर्ट किया गया है।

> नियार भ्रहलद सक्षम भ्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, अम्बर्क

दिनांक: 8-10-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

শ্বায়েশ্বসং ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्रण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 श्च∙त्वर 1986 निद्रम स० श्रई-1/37-ईई/10175/85-1986

भतः मुझे, निसार अहमद, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्यायकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कररण है कि स्थाय संपत्ति जिसका जीवत वाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं भ्रौर जिसकी सं० फलैंट नं०313, जो पेटीट हाल डी– भ्रमारत 66, नेपियन-सी रोड, बम्बई→6

में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17-2-86

को पूर्वियत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रिक्ति के लिए अंतरित की गई है और मृद्रों यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उभक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ता। प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिता। (अन्तरितयों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सुरुश्विक धन्तिक हमें किया गया है :--

- ,क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में मृजिधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किए। या या किया जाना चाहिए था, छिपाने दें मुचिधा के निए।

करा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग वे अन्सरण भे, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :— 1. मैपर्स मलवार इंडस्ट्रिज प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

- (2) मेसर्म टी के हाटेलम प्रायवेट लि०।
  - (भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरको ।

(वह व्यक्ति जिसके भ्रधीभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्भात को अर्थन की निकल कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के वर्मन के सम्भाग्ध में कोई भी जार्बाव ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इसारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 40 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास 'अंब्रित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: - - ६ समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, कही कर्ष कांगा, जो उस कथ्याम में दिया ध्या है।

#### अनुसूची

फलैंट नं० 313 जो पेटीट हाल डी-इमारत 66 नेपीयन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है। श्रनुभुची जैसा की क्रम सं० श्रई-1/37-ईई/9565/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार **श्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण स्रजन रेंज-1, बस्बई

दिनांक 1 8-10-86 मोहर ।

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, अम्बई
वम्बई, दिनांक 8श्रक्तूबर 1986
निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/10200/85-86
श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें नश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 18—डी, जो 18वीं मंजिल, शानाझ इमारत, 90, नेपियन-सी रोड, बम्बई—6 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य. उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी बारन या लक्ष्में बनमें में स्विधा के िए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पण्डनाचे अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, जिल्लाने में सनिधा के लिए।

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एन वि देसाई श्रीर एन एन वेसाई। (श्रन्तरक)
- (2) श्री वि एस मेहता श्रीमती एन० वी० मेहत; श्रीर श्रीमति एस एस मेहता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिस् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भोदर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए ज पक्ति।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## सम्स्ची

फलैंट नं० 18-डी, जो 18वीं संजिल शानाझ इमारत, 90 नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है । श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई $\sim 1/37-$ ईई/9588/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **श्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहांयक श्रायकर श्रायुक्त(निरिक्षण) श्रर्जन रेंज−1, बम्बई

दिनांक : 8-10-1986

प्ररूप आई. धी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक जावकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

धम्बई, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० भाई०-1/37 ईई०/10212/85-86—मतः मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्नास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्थ 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 98, जो मित्तल टायर, बी-विंग, नरीमन पांइट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख़ के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 18 फरवरी, 1986

म्बे पूर्वेक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रश्यमान प्रतिफल में, एोसे रश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निचित में शास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) उन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्य में कभी करने मा उससे बचने में सुविभा के सिए; और/मा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के सिए;

बर्धः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वै बधीन, निम्नलिविस व्यक्तिकारें गर्धा के कार्

(1) मै० मल साकेर ट्रेड एण्ड ट्रेवल्स।

(ग्रन्तरक)

(2) मै॰ राजस्थान मल्टीफाइलिजर्स प्राइवेट लि॰ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिष् कार्यवाहि। करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागः;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्रध क्रिसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्काकरी के पास जिल्लास में किए जा सकेंगे।

### अनुसूची

कार्यालय नं० 98 जो मित्तल टावर, बी-विग, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-1/37 ईई०/9608/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है 18-10

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण') ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीच : 8-10-1986

# प्रकथ क्षार् , ही , एन , एस् , ------ राजन

भायकर अधिनियम, 1961 (१961 का 43) की भारत 269-म (1) को सभीन सुक्रा

### STEEL SERVICE

कार्यालय, रहायक वायकर बाव्यस (विद्रीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० ग्राई०-1/37 ईई०/10269/85-86—ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अर्थ है कि स्थावर संपरित, विसका उचित वाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं ं प्रिमाइसेस नं 22, जो नरीमन भवन, दूसरी मंजिल, 227, नरीमन पांइट, बम्बई—21 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारमाना श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 19-2-1986

कां पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय गया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए सम

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की वायत, अर त शीधिनयम के गंधीन कर दोने के मृत्यरक बी शीयस्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा ब १८५६: औरर/या।
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में हिया के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) मै० बजाज लेदर्स प्राइवेट लि० ।

(भ्रन्तरक)

(2) मै० झरहाक इन्टरप्राइजेस।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधि-भोगों में सम्पत्ति है)

**को यह भूजभा चारी करके भूजाँकत सम्मरित में अर्जन के किए** कार्यवाहियों करता हुं।

वक्त बल्गीता के बर्चन के राज्यक में कोई जी बाबोर :----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है दे 45 जिन की अवधि या सत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष
  किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थायां करण ---- इसमें प्रमुक्त शब्दां और पदों का, जो उन्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

प्रिमाइसेस नं० 22, जो, नरीमन भवन, दूसरी मंजिल, 227, नरीमन पाइंट, बम्बई—3 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रार्हo-1/37 ईईo/9661/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 8-10-1986

प्रकार मार्च की एत एस .-----

# बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) धर्म धरा 269-ण (1) वे अधीन वृष्णा

भारत सरकार

# कार्याजव, सहायक बावकर जावकत (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 प्रक्तूबर 1986

निदेश सं ब्राई०-1/37 ईई०/10304/85-86--म्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीग स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थिति, जिसका जीवत बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० फ्लैट नं० 56 जो मिक्तल कोर्ट, सी-विंग, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-2-1986

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मून्य से कम के इस्त्याप् प्रतिक्रम के निए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने की कारण हैं कि यथाप्त्रोंक्त सम्मित का उचित वाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रल से, एसे दश्यमान प्रतिक्रल का वन्द्र प्रतिकृत से नृष्टिक हैं और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरज़ के निए त्य पावा नवा प्रति-क्षम निम्मितिबिक उद्वोक्त से सकत अंकरण निष्टित में वास्ता-विक क्ष्य ने क्षित नहीं किया बचा है क्ष्य-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बाधीन कर बोर्न के अधुरक अ यायिस्य के अभी करने या उसके अधुन में सुविध्य के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए जा, ! छपाने म का बाध और किया

नतः, नय, अनत गरिंपिनयम की भारा 269-ग क अनुसरन कें, में उक्त निधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सैयव उमर मोहिद्दीन श्रब्बुल खादीर श्रौर श्री हबीब मोहम्मव घियास।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कांचन टीं० सोनी श्री तलाक्शी श्रार० सोनी श्रीर श्री राजेश टी० सोनी ।

(ग्रन्तरिती)

को नह जूनमा बारी करके नुवींनत सम्मत्ति के अर्थन के निध् कार्यमहिता करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर द्वार भारत सम्मत्ति में हित- बद्ध किमी बन्ध स्परित द्वारा अभोहस्ताक्षरी से पास निविधत में किय जा सकेंगे।

स्वकाक रण: --- इसमं प्रमुक्त शब्दों कां श्र पदों कां, वा उवस विविधित के अध्याय 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विका गया है।----

# अनूसूची

फ्लैंट नं० 56, जो, मित्तल कोर्ट, सी-विंग, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई०-1/37 ईई०/10012-ए/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम् प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, धम्बई

तारीख: 8-10-1986

### प्रकल बाह्री, दी क्यू, क्या, -----

नावकड समिनियम, 196 ं 961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जावकर बाय्क्स (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० भ्राई०-1/37 ईई०/10380/85-96—श्रतः, मुक्षे, निसार श्रहमद

गायकर अधिनियम, 1963 11961 का A3) (जिसे इसमें इसके प्रकार उकत व्यक्तिया कि क्षा का A3), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार संख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 71, जो सातवीं मंजिल, इमारत नं०8, प्लाट नं० पी-2, एल० जगमोहन दास मार्ग, नेपियन रोड, बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), श्रीर जिसका करारमाना श्रीयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 24-2-1986

का प्रांकित संपत्ति को उपित वाधार मृस्य से कम के क्यांभाभ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अ एण के लिए तय निया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष ए उसत अन्तरम निम्निलिखित अद्देष ए उसत अन्तरम

- (क) अन्तरण संहूर किली आय काँ धावत, उक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने था उससे बचने में सृविधा अधिक्; आर/बा
- धः) एसी किसी जाब या किसी थम या अन्य आक्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिथ,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण -, मैं उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपपारा (1) ≱ अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री ग्रमृत लार केमॅग्रक्स लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दीपक सी० मिरचन्दानी भ्रीर ग्रन्थ। (श्रन्तरिती)

का बहु श्वा बारी कारने प्रशोषत सम्परित से अवंत ने निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उनत सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वर्त के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (ण) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की क्षारीच से 45 दिन के भीतर तकत स्थाद पंपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए पा बकाये।

स्वकटीकरण:—इसमं प्रयञ्ज कथ्यां और पर्योका, को उनक अभिनियम क अध्याय 20-क में परिभाष्टिक - हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा विकास है।

## अनुसूची

प्लैंट नं० 71, जो सातवीं मंजिल, इमारत नं० 8, जो कार पार्किंग स्पेश नं० 13 के साथ प्लाट नं० पी-2, उर्वेशी इमारत, पैटीट हाल, प्लाट ेनिं० 256, एल० जगमोहन दास मार्ग, नेपियन सी रोड, अम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-1/37 ईई०/10023/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रयकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,**बम्बई** 

तारीख : 8-10-1986

मोहर 🛭

प्रकार आहाँ, टी. एस्. एस. - -- -

भायकः अधिनियसः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल के अधीन सूचनी

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 भ्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० र्अई०-1/37 ईई०/10221/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

भायकर मिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिंधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्रामिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 712, जो सातवीं मंजिल, एम्असी सेन्टर, नरीमन पाइंट, बम्बई-20 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-2-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मृन्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित वाजार मृन्य उसके दरमान प्रतिफल से एसे दरमान प्रतिफल का कन्द्र प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए स्थ प्रांग क्या प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण सिधित में बास्तविक क्य से क्या नहीं किया गया है है—

- (क) बन्सकुण सं हुक्क किसी बाय की बाजत अबत बांध-निगम की बधीन कर दाने के बन्दरक की दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा को निए; बांक्क/या
- (बा) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्ध बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया राज्य जाहिए था, कियाने वें सुन्धि। अ जिला:

बहः सथ, उत्तर श्रीवीन्यमं की गारा 269-मं वी श्रुव्रयम् मं, मं, अक्त विभिनियमं की भारा 269-मं की उपभादा (1) को अभीन, निम्मिकिक स्पिक्तिग्रों, अभित् ध---

- (1) मैं युनिरायल इंजीनियरिंग फाइनेंस प्रा० लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स पियूश लेसिंग एण्ड फाइनेंस लि०। (भ्रन्सरिती)
- (3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारो कारक वृबोंक्स स्वयास्त के अर्थम् के सिए कार्यवाहियां कारता हो।

बन्द बम्मीत्त के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस स्पना के राजपन याँ प्रकाणन की तारीब से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्पना की तानील से 30 दिन की जनिथ, को भी अनुधि बाद में सवाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बंध्य किसी अन्य व्यक्ति दवारा, बचां इस्ताक्षरी के पाड़ सिक्षित में किए जा मध्यत्ते।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभक्तिक है, वहीं अर्थ होंग जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कार्यालय नं० 712, जो सातवीं मंजिल, एम्बसी सेंटर, नरीमन पाइंट, बम्बई-20 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-1/37 ईई०/1003/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 8-10-1986

प्रकृष सार्ष , ही , एव , एस , 👓 - ----

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

### बार्स सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बई, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० धर्६०-1/37 ईई/10515/85-86— धतः मुक्ते, निसार श्रहमद

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्व 1,00,000/-रु. में अधिक हैं

भीर जिसकी सं फ्लैट नं 26—बी जो, दूसरी मंजिल, श्रमिता माउन्ट प्लेजंट रोड, बम्बई—6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 26—2—1986

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मृस्य से कन के बश्यनान प्रितिक्त के लिए नंतरित की नई है और मुक्ते यह निश्चात करने का कारण है कि नवापुनोंक्त सम्मत्ति का उपित नाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के स्कृत प्रतिक्ति से अधिक है और नन्तरक (अन्तरका) नृष्टि प्रतिस्ति (नंतरितिका) के नीच एसे अन्तरण के लिए तब नावा बना प्रतिक्त, निम्नितिकात उद्वर्षय से उक्त जन्तरण सिविद्य के वास्यनिक स्न से अधिक नहीं किया नदी है ——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधिनियम को अधीन कर दोने के बन्तरक की बाबित्य में कभी करने वा उससे बचने में सृदिधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी जान या किसी पन या अन्य जास्तिनों को जिन्हों भारतीन जानकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुन्यिक्ष अं निए।

जतः वंव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसिस व्यक्तियों, अर्थास् :---- (1) श्री कावस रतन दादाभाई।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती मनीज हुसैन करीमभाई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह कृषना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

हबत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में नाहें भी वासीय ह---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्थितयों में से किसी स्थितर दुवारा;
- (च) इत सूचनां के राजपत्र में प्रकादन की तारींच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वाविष्टित्रक के कथाब 20-क में परिभाषित हैं मही वर्ष होगा थो उस अध्याद में दिशा क्या हैं।

### अनुसूची

फ्लैंट नं० 36—बी, जो दूसरी मंजिल श्रनिता, माजन्ट घ्लेजंट रोड, बम्बई-6 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-1/37 ईई०/10052/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय<mark>क्स (निरी क्षण</mark>)

तारीख : 8-10-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिक्यम, 1901 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ररेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1986

्र निदेश सं० श्रर्ध-1/37-ईई/10521/85-86---- ग्रतः

मुझे निसार ग्रहमद जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 71, जो, सांतवीं मंजिल, नरीयन , भवन, जरीमन प्वाईन्ट बम्बई-21 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269, क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 26-2-1986

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का रंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नसिक्ति उद्योक्त के उक्त अन्तरण निस्तित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण स हर्ष किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के संवरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; क र/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सबिधा के लिए:

बचः वय, अवत व्यभिनियम, कौ धारा 269-ग के बन्सरण , मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) 🕏 अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- ر و در با به هم المحتوية المركب المحتول ميان على المحتولة (1) कारपेटवूल ट्रेंडिंग कंपनी प्राइवेट लि०। (ध्रन्तरक)
  - (2) श्री सूरेन्द्र कृमार डालमिया। (भ्रन्तरिती)
  - (3) ग्रन्तरकों। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोगं में सम्पत्ति है)

को यह सुचना आगो करके पृथींक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

### उन्त धम्पत्ति के वर्णन के तंबंध को कांद्रों भी बाओंब

- (क) इस सुचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की **क्षारील** स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-नद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी क पास लिमित में किए जा सकते।

·स्पष्टोकरणः—-इसमॅ प्रयुक्त शब्दौं और पदौं का, जो **अक्स** न्धिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# वन्स्ची

कार्यालय न० 71, जो नरीमन भवन, *7*वीं, मंजिल. नरीमन प्याइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि अरु० सं० ग्रई-1/37-ईई/10055/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमक सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 8-10-1986

प्ररूप बार्ड .टी . एस . एस . \*\*\*\*\*\*\*

भायकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) शौ धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, धिनांक 8 श्रक्तूबर 1986 निर्देण सं० ग्रई-1/37—ईई/10527/85-86-श्रतः मुक्षे, निसार श्रहमद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'उथत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

- (क) अन्तरण संहत्र किसी अध्यक्ती बाबत, उत्कल्त अधिनियम अधिकधीन कार दोने के अन्तरक अधिक दायित्व में कमी करने या उत्तसने बचने में सृजिधा के लिए; अर्ग्/या
- (क) एसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधि प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा पकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने यें सविधा वै विष्:

শব: নৰ, বৰুৱ শশিবিৰৰ কী খাবা 209-ন ক বনুৱৰ্ম ছাঁ, নাঁ, তৰুৱ শশিবিৰৰ কী খাবা 269-ৰ কী বৰ্মাবা (1)  $\frac{1}{2}$  নাগৰ  $\frac{1}{2}$  নাগৰ  $\frac{1}{2}$  নাগৰ  $\frac{1}{2}$  নাগৰি  $\frac{1}{2}$  নাগৰি  $\frac{1}{2}$  নাগৰি  $\frac{1}{2}$  নাগৰি  $\frac{1}{2}$ 

- (1) श्री बी० भार० कागल ग्रीर ग्रन्थ।
- (2) मेसर्स मुकेण प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड। (भ्रन्तरिसी)
- (3) अन्तरितीयो।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरक श्रौर अन्तरितीयो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भी भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरेंगे।

त्वस्त्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कव्यों नीर पर्वों का., को उपक्ष अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्रिमायमेज नं० 708, जो 7वीं मंजिल, रहेजा सेन्टर, 214, फी प्रेस जनरल रोड, नरीमन पाइंट, बम्बई 21 में स्थित हैं। ग्रन्मूची जैसाकि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/10056/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार ग्रहमद मक्षम प्राधिकारी महावक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्ब**र्ध** 

विनांक: 8-10-1986

मोहर :--

# प्रकल बाह् हो, पुन्-पुन्न , ......

# बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुबना

#### नारत रहकार

कार्यालय, सहायक वासकर कार्यक्त (विरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 प्रक्तूबर 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.99,090/- रा. सं अधिक है

भीर जिसकी नं० शाप मं 100, ग्राऊंड फ्लोर, श्रशोका शापिंग सेन्टर,० एल० टी मार्ग बम्बई-1, में स्थित है (ग्रीर इससे उवाबद्ध अनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से वर्णित न है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यालल में रस्जिट्टी है दिनाक 26-2-1986 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्वजान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और भूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके रक्यमान प्रतिफल से ऐसे रक्यमान प्रतिफन् का थन्त्रहाशितपास से विधिक है और अन्तरका (वन्तरकाँ) और बन्तरिंश (अंतरिंतियाँ) के भीच एसे अन्तरण के निए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवित वें वास्तविक रूप में कथित नहीं किया पर्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय नाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्तु नाधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था ता किया प्राना चाहिए था, खिपान में स्थिया के विष्;

कतः वंव जनत विभिनियम की भारा 269-स के समृसरक को, ते, उकत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) है कुर्भार, निम्नुकिविक व्यक्तिवों, कुर्वात क्रि.

- (1) पुरी कल्स्ट्रक्णन बम्बई प्राद्दवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हसमुख द्यार० शहा श्री मती कोकिला एच० शहा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के तस्थन्थ में कोई भी नाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाकर सम्प्रति में हिट्टबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में कियू वा सर्कों ने।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में वरिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस वध्याय में दिवा पया हैं।

### गन्स्भी

शाप नं 100,, ग्राऊंड फ्लोर ग्रालोका शार्षिग सेन्टर, एस० टी० मार्ग बम्बई-1

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० ग्रई-1/37ईई/1006285-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 26-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक :1-10-1986 मोहर '- प्रकप वार्च.टी. एन. एस. ------

काक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की अधीन सूचना

### भारत सरकार

बार्यक्षक, तर्रायक आवंकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० भ्रई -1/37-ईई/-/10625/85-86-- श्रतः, मुझे, निसार श्रहमव

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाचार भून्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० शाप नं. 49, ग्राऊंड फ्लोर, ग्रशोका शापिंग सेन्टर, लोक मान्य तिलक मार्ग, बम्बई-400001; में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 26-2-1986

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान नीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण हो कि श्यापनोकत सरीत का अध्यत बाडाय मृत्य, बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब शामा गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से अक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरथ से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त जीभीनयम के अभीन कर योगे के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में जूनिशा के बिए; बॉर/या
- (फ) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिल्हा भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्यदिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

शक्ष: अब, अबत मिनियम की धारा 269-य के अनुसरण बा से, सक्त मिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) क स्थीन, निस्तिसित व्यक्तियों, नथि रू— (1) कन्स्क्शन बाम्बे प्राइवेट लि०।

( ग्रान्टन्मः)

(2) श्री मुनिरुधिन एम० श्रंकोल तर श्रीमती सारिका एम० श्रंकोलकर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के न्तर्प कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपे :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इत्तत्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीं के की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में जितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्टाश्वरा अः में शिवत में किए ना संकिंगे।

स्माब्दीकरण:----प्रसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्क विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभागित है, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में विका पक्षा है:

### अनुसूची

भाप नं० 49. ग्राऊंड फ्लोर श्रमोका मापिंग सेन्टर, स्रोकमान्य तिलक मार्गबाम्बे -- 400001.

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-1/37—ईई/10065/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 26-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार धहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जज-रें**ण** 1-, बम्ब**ई** 

दिनांक : 7-10-1986

प्ररूप् आई.टी.एन.एस.-----

कायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# भावालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कुर्जन रेंज-1, वम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० ग्रर्ड-1/37ईई/10644/85-86

श्रतः मुझे, निसार श्रहमद नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 273 जो डी० इमारत पेटीट हाल
नेपियतसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबध
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है),श्रीर जिसका करारनामा
क्रायकर क्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के
श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राभिकारी के कार्यालय में
रिजस्ट्री है। दिसंस 26-2-86

को पृशिका संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निस्ति में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्सश्री मनसिंगका श्रायलमिल लिमिटेड। (ग्रन्तरक)

1908)

- (2) श्री मती रिना जैन धौर श्री मती विरेन्द्र जै। (कृन्तरिती)
- (3) श्रस्तरकों (वह ।यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सृषना जारी करके पृवीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सृचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विशा गया है।

## अनुसुबी

फ्लैंट नं० 273 को छी० इमारत, पेटीट हाल नेपियनसी, रोड, बम्बई -6 में स्थित है। ध्रनुसूची जैसा कि  $\frac{\pi}{6}$ 0 सं० ग्रई 1/37-ईई/10070/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई धारा दिनांक 26-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, बम्बई

दिनांक :8-10-1986

प्ररूप **आह**ै. टी. एम. एस. ----

नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (जिरिश्तण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 श्रक्तूग्रर 1986

बम्बइ, दिनाक 8 श्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० श्रई—1/37—ईई/10662/85—86——श्रतः भुक्ते निसार श्रहमद

बायकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) (थिसे इसर्वे क्सर्के पश्चास् 'उक्त बीधनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वान करने का कारण है भिक स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य कि. 1,00,000/- से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 172 जो शांती नगर, "एं 98, नेपियनसी रोड, बम्बई-6, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 कीधारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है दिनांक 27-2-1886

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य सं कम के दश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्तद्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरति (अंतरितियों) के नीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निश्नानिक्त उद्युविषय से उन्तर बंतरण निश्चित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तारण से हुइ किसी माय की बाबस, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क चावित्व में कमी करने या उससे बच्चे में मृजिधा के लिए? जाँड/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, चिन्हों भारतीय आय-कर आधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- शर्थ अन्तरियी द्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

क्त श्र अव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण वी, भी, उन्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिसित व्यक्तिकों अधीत् म— (1) भर्देश कितीलाल शहा।

(म्रन्तरक)

(2) धनेशचन्द्रप्रथ्वीराज कोठारी, श्री मती सुशीला धनेशचन्द्र कोठारी, भरत खिमचन्द्र कोठरी, श्रौर पृथ्वीराज चिमनलाल जी कोठारी।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक। (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त समिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंचे।

स्थल्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा को इस अध्याय में दिया गमा है।

## अमुसुची

फ्लैट नं० 172 जो, शातीनगर, "ए" 98 नेपियनसी रोड, बम्ब\$-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के संब श्रार्ह+1/37–ईई/10077/85–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वार दिनांक 27–2–1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार घ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 8-10-1986

# मुक्तव बार्ष . टी . एन . एव . ------

भायकर भीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्च 269-क (1) के अभीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० श्रई-1/37–ईई/10663/85–86/श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

कानकर अभिनियम, 1961 (1967 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्षात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारु 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्शास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उभित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 72 सी०, जो मित्तल कोर्ट सी विंग नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री में है दिनांक 27-2-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तिरित की निर्दे हैं और मूले यह विववास करने का कारण हैं कि यभाषानी बेंच संपत्ति का उचित बाबार ब्रूच, उसके दश्यकाव प्रतिकाल है, एरें असमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिकाल से विधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बन्तिरितिकों) के बीच दोने बन्तरक वे लिए इब पाया चवा प्रतिक फल निम्निलिखित उद्देष्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्वरण से हुए किसी मान की वानत, उनत महिनियस में अभीन कर दोने के जन्तरण में वानित्य में कनी करने ना उसने वचने में सुविधा के निए; शौर/या
- (थ) ऐसी चिसी बाय वा किसी थण वा सम्य वास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अवस्थित वृत्तारा प्रकट नहीं किस यवा था वा किया काया प्रतिकृत वा, फियान वो जीवभा के निर्मु

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) मेसर्स ग्रलमास इंटरनेशनल।

(अन्तरक)

(2) मधु किमबेंर्स ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरकें।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता हो।

## उपन राम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में आहें भी माओप।--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वनिष्या तत्त्वभ्वन्थी क्यांक्तया वर सूचना की वाशीन से 30 दिन की अविषि, वो भी वनिष नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृशीनद प्रक्रित में से किसी क्योंक्स बुनारा;
- (स) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख है 45 दिन के भाव र जनत स्थानर सम्पत्ति में हितबद्व किसी नन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास निर्मायत में किए ता सकतेंगे।

न्यक्रीकरणः--इसमें प्रवृक्त वस्यों और पत्रों का, वी क्या ज़िशीयवा, के व्याव 20-क में परिजायिक ही, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याव के दिवा वया ही।

## अनुस्ची

कार्यालय नं० 73-सी, जो० मित्तल कोर्ट सी-विंग नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं धई-1/37-ईई/10078/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिको बम्बई द्वारा दिनांक 27-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

तिसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :8-10-1986

# प्रकप बाइं.टी.एन.एम. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन स्थना

#### भारत तरकार

कार्पालय, महायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/10694/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

बायकर आभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचाह जिन्न विधिनियम कहा गण हो), की भार। 269-स के अभीन संश्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का जानक हो के प्राधिक स्थान संग्रीत का उम्मित बाजार शस्य 1,00,000/- रहः से विभिक्त ही

ग्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 505, जो 5वीं, मंजिल, एम्बसी सेन्टर नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनाक 27-2-1986

का पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के द्रश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्सरित को गई है और मुम्डे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाबार बूक्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफक्ष से एसे द्रश्यमान प्रतिफक्ष का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-फ्रस्त, निम्निसिक्ष उद्दर्शय ने उसत जन्तरण मिसित में वास्त्रिक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधीवरण में अपनी करने दा उक्त अधी के मृश्विश के किए, करि,/सा
- (थ) क्वी किवी आज ता किवी थव वा बन्ध आस्तिवीं का, विज्ञें भारतीय जावकर मिनियनन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर मिनियन, 1957 (1957 का 27) के जवांकार्श्व किवी कारिती वृद्धार प्रकट नहीं किवी नवी भारती किवी की किवी की किवी की किवी की किवी की किया जाना जाहिए था, किवी के लिय:

अत: अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं उक्त जीभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेमर्स डी० वि० वेद एण्ड सम्स।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्सं इन्टर टेक्नीक कन्स्ट्रक्टस प्राइवेट लि० (भ्रन्तरिती)

हो यह सूचना जारी करके नुवाँकत संपारत कं अंजन के लिए संस्वतिहियां धरका हा।

बन्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :----

- (क) अस सुमना के एजपक्र में प्रकासन की टारका के 45 किन की अवधि या टानकबन्धी का िशकों पर सूचना की सामील से 30 बिन की जबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जना व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास जिलाक में किए जा सकेंगे।

रस्तिकर का क्यां अपूर्ण सम्बद्ध बार पद्धा का, आं अवस्त मीधीनधन के अध्याय 20-क मी परिशासिक ही, उही अधीशांगा, को उस अध्यास मी दिवा पन्ना ही।

### यनुसुची

कार्यालय नं० 505, जो पोचवी मंजिल, एम्बसी सेन्टर नरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक क सं०० श्रई-1/37ईई-10089/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 27-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,बम्बई

दिनांक :--8-10-1986 मोहर :-- प्ररूप बाई, टी. एत. एस.----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के जभीन स्चना

भारत सरकार

धार्मालय, महायक कायकर जायकत (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1986

निवेश मं० अई-1/37-ईई/10710/85-86--

भ्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 12, ग्राउंड पलोर, श्रशोका शापिम सेन्टर, एल० टी. मार्ग बम्बई—1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ६५ से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27—2—86

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबस, उक्त जिमितियस के अधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए, और/था
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन का अन्य बास्तियाँ का, जिल्हाँ भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थाताः :---

- (1) श्री कन्स्ट्रक्शन (वाम्बे) प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमतः भारती एस० खन्ना, श्री शरन पी० खन्ना

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृद्धेक्त सम्पत्ति के अर्जन छै। लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उपन संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी **वाक्षेष** ह<del>ै...</del>

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (लां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तिस इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित्र में किए जा सकोंगे।

ह्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यो का, जो उक्त जीभीनयम के अभ्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया था। गया है।

### अनुसूची

शाप नं० 2, ग्राऊंड फ्लोर, भ्रशोका शापिंग सेन्टर एल० टी० मार्ग नई दिल्ली बम्बई-400001.

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रर्ट-1/37ईई-/10038/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिमांक: 8-10-1986

# प्रकृष मार्च हो . एन . एस . -----

# नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुकता

#### भारत सरकार

कायासम, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 ग्रक्तूबर 1986

निदेश सं० श्रई-1/37ईई/10768/85-86-- श्रतरः मुझे, निसार शहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० शाप नं० 51, प्राउण्ड पक्षोर, श्रशोका शापिंग सेन्टर, एल० टी० मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28-2-1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकत से विश्व है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा क्या प्रतिक कत्, निम्तलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है प्रान्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आरि/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुनिधा के लिए:

वतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निजिबित व्यक्तियों, अधीत्:——
12—346 GI/86

(1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्रा० लि०।

(श्रन्तरक)

(2) प्रकुल डी० छेडा, श्रीमित फंनी एस० बुनशा, सोहराब, ग्रार० दुनशा, मूलचन्द डी० छेडा, चन्द्रकांत डी० छेडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हुई।

उत्तर सम्परित के बर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप 🖫 —

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन कीं अविभि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविभि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर प्रकेति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्साक्षरी के गास लिखित में किये जा सकी।

- स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूप्तः शक्यों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अध होगा भी उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुस्ची

शाप नं० 51, ग्राउण्ड फ्लोर, श्रशोका शार्पिग सेन्टर, एल० टी० मार्ग, बम्बई-1

श्रनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ धर्द-1/37ईई/10109/85-धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **भ्रहमद** सक्षम प्राधिकरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, बम्बई

तारीख: 1-10-1986

मोहरः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 प्रक्तूबर 1986

निवेश सं० अई-1/37ईई/10774/86-86-- अतः मुझे, निसार ग्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० पलैंट नं० 132, जो, सम्राट म्राशोक इमारत नं० 3, 7 श्रार० शार ठक्कर मार्ग, रिज रोड, बम्बई-4 में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्णरूप्स विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तविद्य रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या तकर अधिनियम वा धन कर सिर्धानयम वा धन कर सिर्धानयम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नदः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को कभीन िन्स्नलिखिस व्यक्तियों. अर्थात :—→ (1) श्री भरत जयंतीलाल शहा।

(म्रन्तरक)

- (2) श्री चिन्भाई भोगीलाल गहा, श्रीमित प्रभावेन चिन्भाई शहा श्रौर श्रीमित जगरूरी भरत गहा । (श्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिभोगमें सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्मति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुधारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

पर्लंट नं 132, जो, सभ्रात अशोक सोसायटी, इमारत नं 3, 7, श्रार धार ठ वक्कर मार्ग, रिज रोड, अम्बई-6 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं श्रई-1/37ईई/10112/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्ट ई किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-I, सम्बद्ध

तारीख : 8-10-1986

# प्रकर्ः अस्तः वीः प्रसः प्रसः "---

# नायकड निर्धानयम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) से नभीन सूचना

### मारत परकार

# कार्याजय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज-, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अक्तूबर, 1986 निर्देश सं० अई-1/37ईई/10783/85-86—अतः मुझे, निसार श्रहमद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके देशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 25 जो 4थी मंजिल, रेखा इमारत नं० 1, 46, बी०जी०खेर मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर उससें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

तारीख: 28-2-1986

को पूर्वेक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रथमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तर्य में हुई किसी नाम की बावतः, उथतः मधिनियम के मधीन कर बंगे के मन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; बीर/वा
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकार बाधिनियय, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, छिपाने में सुविधा खें खिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) न अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमति रेखाडी० मेहता।

(मन्तरक)

(2) श्रीमित क्रनीता बी० मेहता, श्री विक्रम जे० मेहा श्रीर श्री जसवन्त लाल मेहता।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

वह व्यक्ति, जिसके अधि भोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना आरी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# अनव संबंधि के बर्जन के संबंध के कोई थी आवर्ष ह---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्स स्थितियों में से किसी व्यक्ति प्रविद्या
- (क) इस सूथना भी राजवन भी प्रकाशन की तारीक्ष हैं 45 विन की भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित-नव्भ किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकति।

स्माक्षीकरणः स्वामां प्रयूक्त क्षमां और वहाँ का, को उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं का होना, को उस अध्याय में जिला। मना है।

### भनुसूची

फ्लंट नं 25, जो 4थी मंजिल, रेखा इमारत नं 0 1, 46 रिज रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-1/37ईई/10115/85-86 ग्रौर जो सझन प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग) श्रजैन रेंज-<sup>1</sup>,बम्बई

तारीख 8-10-1986 मोहर

# प्रक्ष् बार्ड्, की. एन. एस. ------

बावकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जभीन स्वना

### तारत वरकार

कार्थालय, सहायक जायकर जायका (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज-I, बस्बई

बम्बई, दिनांक 8 ग्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० ग्राई-1/3कईई/10784/85-86-- अतः मुझे, निसार ग्रहमद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान मितफान के लिए अन्तरित की गर्द बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का बन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप में किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बर्टिश्चियन के बधीन कर दोने के बन्तरण को स्वित्य में क्यी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; बरि/या
- (च) एंसी किसी बाव या किसी बन या अन्य आस्तियाँ करें, विन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया दवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नुविश्त के सिह्द;

कर: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण करें, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अधीता :-- (1) श्री दीपक जे॰ मेहता, श्री विक्रम जे॰ मेहता कुन्नीर ी जबंसतलाल एम॰ मेहता।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति रेखाडी० मेहता।

(भ्रन्तरक) ।

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सुचरा जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाध्येप हन्य-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की समित या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गस निवित में किए वा सकोंगे।

स्थव्योकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

फ्लैंट न० 19, जो 3री मंजिल, महाबीर, 37 रिज रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/10116/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्र**हमद** सक्षम **प्राधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख 8-10-1986

१सप नाह<sup>र</sup>ं टी. एन., एस<sub>.--------</sub>

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के बधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अक्तूबर, 1986

निवेश सं० भ्रई-।/37ईई/10788/85-86— अत: मुझ, निसार भ्रहमध,

शायकर प्रिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के स्थीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उकित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कार्यालय न० 156, जो मित्तल कीर्ट-सी, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 28-2-86

हो पूर्वे क्षित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमाग प्रतिकल के सिए अंतरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल कर वन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरण ने हुई किसी बाव की बावध , उस्ता मिनियम के अभीन कर दोने के बन्सरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के सिए; और/या
- (क) गनी किर्मः आय था किसी धन या अन्य आफिन्यौं को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्यम वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया व्या का या किया जाना चाहिए था, छिनाने में संविधा के लिए;

कतः अवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण वें∵, में . उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ा} अधीन, विस्मक्षिकिक चक्तिवाँ, वर्षांच् :--- (1) श्री श्रार० एम० संबवी, श्री एन० जे० करानी श्रौर कुमारी एम० नागडा।

(भ्रन्तरक)

(2) डोव इनवेस्टमेंट प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की जबिभ या सत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविभ, जो भी कविभ क्षाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा स्केंगे।

श्यव्यक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

# धनुसूची

कार्यालय नं० 156, जो, मित्तल कोर्ट-सी, मित्तल कोर्ट प्रिमायसेस को-ग्राप० सोसाइटी लि०, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि कर सं० ग्रई-1/37ईई/10119/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 8-10-1986

1 1 1

प्रकर नाइ ् दौ , एन ु एस ुम----

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के जभीन सुभना

#### भारत सरकार

कामोसय, सहायक जायकर जामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 श्रक्तूबर, 1986

निधेश सं० ग्रई-1/37ईई/10811/85-86—-ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-कृके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 3, श्रौर बेसमेंट नं० 3, जो राजूल श्रपार्टमेंट, हार्कनेस रोड, बम्बई-6 में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की श्रधीन धारा 26 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख: 28-2-1986

का प्वंवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यें वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बद्धह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के थिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- [क) वंध्रण से हुइ किसी बाय की बाबत, जबस मैंचिनियम के बाधीन कर बाने के अन्तरक के दायिश्व मों कभी करने या उससे बचने मा मुलिधा के लिए; बरिशंबाः
- (ब) एंसी किसी अभ या किसी धन या बन्य आखितया को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविका वी विद्य;

संतः मसं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग में अनसरण व. व. तस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) मैं चपीन, निम्निविधिट व्यक्तितों, अधीर अल्ल (1) मेसर्स ज*े वितरं* जन एण्ड कम्पनी । ज (श्रन्तर्<sub>क</sub>)

(2) मेसर्स मोहम्मद हाजी म्रादम एण्ड कम्पनी। (म्रन्तरिती)

का यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में करेड़ी भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद बुचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी की पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### वपृष्यी

यूनिट नं० 3, श्रीर बेसमेंट नं० 3, जो रासूल भ्रपार्टमेंट, हार्कनेस रोड, बम्बई-6 में स्थित है

श्रनुभूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/10125/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधि कारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-21986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 8-10-1986

# 'शक्य **वाह**ं<u>ं हीं.. पुरुतः पुरुतः</u> अक्तान

नायकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) की शास र्269 व (1) के बधीन सुचना

### भारत सरकार

# कार्यात्रय, तुक्कथक भावकरः बायुक्त (विद्वासामा

श्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 8 धक्तूबर, 1986

निदेश सं० ग्राई-1/3कईई/10812/85-86--- श्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अभिनियम' काहा गया है), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं ० यूनिट नं ० २, धौर बेसमेंट नं ० २, जो राजूला प्रपार्टमेंट, हार्कनेस रोड, बम्बई-6 में स्थित है (धौर इससे उपबद्ध अनुसूची में धौर पूर्णरूप से विणत है), धौर जिसका करारनाम आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का अधित बाबार ब्रुच, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत से विधिक है और जंसरक (बंतरका) और जंतरित (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रति-फल निम्मतिखित उद्देश्य से स्थल अंदरण जिवित में वास्त्विक कप से कथित नहीं किया जना है ——

- (क) अन्तरण में सूर्य किसी जाम की वाबर, उक्त अधिनियत के वधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के जिए; भौर/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी अन या अध्य आस्तिय। कार्य, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-वार्थ अन्तिरिटी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जमा चाहिए वा कियाने में स्विधा की सिए;

बब्ध बब, उक्त विभिनियन की बादा 269-न के वर्षहरूप के, के, उक्त वृधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के वृधीत्, निस्तिसिक व्यक्तियों हा सर्वाह के— (1) मेसर्स जे० चितरं जन एण्ड कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स मोहम्मद हाजी श्रादम एण्ड कम्पनी। (ग्रन्तरिती)

को यह भूवना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विश् कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूलना के राज्यण में प्रकाशन की तारीच ६ 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी क्यितिसमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति इवास्त्रः
- (क) इस नुवान के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के काड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

्यव्हीकरणः — ६ समें प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, थी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, यही अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिया सक्षा है।

### जनुसूची

यूनिट नं० 2 ग्रौर बेसमेंट नं० 2, जो राज्ल ग्रपार्टमेंटक हार्कनेस फोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-1/37ईई/10126/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुजक्त (निरीक्षण) भ्रजनरें ज-1, ब्रम्बई

तारीख: 8-10-1986

प्ररूप नाई.टी.एन.एस.------

(1) मेसर्स जे० चितरंज न एण्ड कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

(2) मेसर्स मोहमद हाजी श्रादम एण्ड कम्पनी। (श्रन्तरिती)

#### भारत बरकार

कप्रयोगय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बस्बई

बम्बई, दिनांक 8 अक्तूबर 1986

निक्षेश सं० ऋई-1/37ईई/10813/85-86-- श्रतः मुझे, निसार शहमद,

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर है जिसकी सं० यूनिट नं० 1 श्रीर बेसमेंट नं० 1, जो राजूल श्रपार्टमेंट, हार्कनेस रोड, बम्बई-6 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमु सूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), श्रीर जसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकः) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अतिरण से हुइ किसी आय की वाबस, उनत जीव-नियंत्र के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कापी करने या उससे वजने में सृषिधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

बतः बन, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के बन्सरण भों, मीं, उक्त जिधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्नसिचित स्वितयों, अधीर् :---

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी शक्ष्ये ु:---

कार्यवाहियां करता हूं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

यूनिट नं 1 श्रीर बेसमेंट नं 1, जो राजूल श्रपार्तमेंटस, हार्कनेस रोड, बम्बई-6 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/10127/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षजण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 8-10-1986

प्रकथ बाद . टी. एन . एच . -----

# शायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को सभीन स्थाना

### मारत दरका।

भागमिय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्स)

ध्रजीन रेंज-1, सम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 8 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० ऋई-1/3,ईई/10815/85-86--- ऋतः मुझ, निसार ऋहमद,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया हैं)., की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्रीधतः बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 601, जो दालामल हाउम, 6ठी मंजिल, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्प में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

को पृथेकित सम्पत्ति को उचित बाबार मृज्य हो कम को क्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कश्ने का कारण है कि बचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाचार मृज्य,, उसको क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल को पंद्रह प्रांतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-फन्त, निम्नलिवित उद्देष्य से उच्त बन्तरण सिवित में वास्त-विक का से किथान नहीं किया क्या है ∷—

- (क) बन्धारण संहुई किसी बाव की वावस, उपस विधिनियम के सधीन कर दोने के बन्दारक की दाबित्ज में कभी कारणें या उत्तसमें वचने त्रों बृजिधा क गेल्म्, भौर/धा
- के, भूभो किसी अय या किसी धन या अस्य अस्तियों का, जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, क्रिया में सुविधा व नियः;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--13—346 GI/86

(1) मेसर्स साईना डिक्लोपर्स प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स राजको प्रिन्टस् प्रा० लि०।

(भ्रम्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पृथाँकत सम्मस्ति के वर्षन के निए अध्यनाहियां करता हुन्।

सक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध के काई भी काक्षण ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीस से 30 दिन की वविध, जो भी नविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकादन की तारोत्त स 45 दिन है भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकरिकरणः -- इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्की

कार्यालय न० 601, जो बालामल हाउस, छठी मंजिल, नरीमान पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसा कि करु संरु भ्रई-1/37ईई/10128/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2के-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधि कारी महायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-1, बम्बई

तारीख: 8-10-1986

प्रकृत्वादः .टो .एन .एह .------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्थान

#### सार्त सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर बादक्त (निरीक्ष्ण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अक्तूबर, 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/10836/85-86-- श्रत: मुझे, निसार ग्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 702, जो दालामल टावर्स प्रिमायसेस को०-स्राप० सोसाइटी लि०, बम्बई में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रमुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अर मूक्ते यह विश्वाम अरले का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगतित का उचित अभार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिक्ती (अन्तरिका) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण निम्लत में अस्तिक है अस्ति नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने जी त्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर ---

(1) श्रीमति गिथा मोहनदास शेट्टी।

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर कार्तिक तीन शेट्टी ग्रौर कुमारी झर्ना एन० शेठ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हो।

उकत सम्पत्ति के अपन के संबंध में कार्द्र भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विष्ठ किया है से कियों व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में शितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी हे पास विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्यास 20-क मो परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया

### अन्स्ची

कार्यालय नं० 702, जो दालामल टावर्स, प्रिमायसेस को०- श्राप० सोसाइटी लि०, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क०सं० श्रई-1/37ईई/10134/85-86 श्रौर जो सक्षन प्राविकारी, बम्बई द्वारा दि तंक 8-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 8-10-1986

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकत (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 ग्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/10929/85-86— यत: मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 44-बी, जो 4थी मंजिल, नरीमन भवन प्रिमायसेस को०-ग्राप० सोसाइटी लि०, 227, बकबे रेक्ल-मेशन, बम्बई-21 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रौर पूर्णरूप से विजित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28-2-86

को पूर्वोक्त सम्पास के उचित नाजार मृत्य ए कम के दश्यमान श्रितज्जल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त शिविनियम के अधीन कर दान दा प्राप्ता के सामरण भी कभी करने या लगने वधने में सुविधा के लिए, और/धा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण गं., मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ां अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) श्री मीन् मोहनदास महतानी।

(ग्रन्तरक)

- (2) रियल्टी फाईनेन्स एण्ड लिसिंग प्रा० लि०। (ग्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिस ग्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधितियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस बध्याय में दिया गया हं

### अनुसूची

कार्यालय नं० 4-बी, 4थी मंजिल, नरीमान भवन प्रिमायसेस को०- श्राप० सोसाइटी लि०, 227, बकबे रेक्लेमेशन, बम्बई-21 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा कि सं० ग्रई-1/37ईई/10142/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-।, बम्बई

तारीख: 8-10-1986

प्रकृप बार्ष. टी. इन. एस.-----

बावकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बमीन स्मना

#### वारत बरकार

कार्यासय, सहायक कायकर बायुक्त (नैनरीक्षण)

ग्रर्जनरेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० प्रई-1/37ईई/10936/85-86-- प्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

मामक र माधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवाद 'उक्त मिधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 260-क के मधीन सक्तम प्राधिकारों को, यह निश्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से मधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कार्यालय जो छंटेमंजिल पर, सी-विंग, निर्मेल इमारत, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौ जिसका करार-नामा भायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 26 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-2-1986

को पूर्वोक्त तस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल को जिए जन्तिरत की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, प्रतिक क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का श्लाह प्रोत्तित से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) जौर अंत-रती (जंतरितियों) के भीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निस्मितिष्त स्मूबस्य से उन्त अंतरण मिनिष्त वें बास्तिकल निस्मितिष्त स्मूबस्य से उन्त अंतरण मिनिष्ठ वें बास्तिकल क्य से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) श्रुलाइण संहुद् फिली शाय . की वावत, तकत श्रुपित्य्य की ब्योग कर वोने की शन्तरक को वासित्य में कमी करने या उसस वायम में स्विधा की लिए; बीडिंगा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिस्हूं भारतीय नामकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था, क्रियान जे स्विधा के लिए;

क्तंत्र अंव, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के वन्तरक मा, भी, उक्त अधिनिधम की भारा 269-च की उपभारा (1) के विधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:- (1) डेबलपमेंट कन्नल्टेंट प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) गौरव ट्रेंडिंग एण्ड फाईनेन्स लि०।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके प्यक्तित संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी जाक्स .

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं बं 45 विन की अविधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों १६ स्थान की तामील से 30 दिन की स्विधि, जो भी बव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्मक्ति बुनारा;
- (च) इस स्चना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच स् 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य स्थावित द्वारा अधाइस्ताक्षरी के शष्ट लिखित में किए वा सकरेंगे।

लक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, या उपत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होना, को उस अध्याय में दिया ग्या है।

### नगुत्त्वी

कार्यालय जो 6ठी मंजिल पर, सी-विंग, निर्मल इमारत, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्रर्ड-1/37ईई/10145/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजनरेंज-1, बम्बई

तारीख: 8-10-1986

प्रकप बार्च हो. पन , एस , -------

কাশ কৰে ৰাখিনিয়ন, 1961 (1961 का 43) কী খাবা 269-ল (1) के संधीन सुभना

#### भारत सहकार

# क्रयां मर सहायक भावकर वायुक्त (विर्धाक्त)

द्यर्जन रेंज-ा, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/10641/85-86-- श्रतः मुझे निसार श्रहमव,

ताबकार विधित्यम्, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसवें इसके पश्चात् 'उस्त विधित्यम्न' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00000/-रु. से अधिक हैं

ष्ठौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, जो 20वीं मंजिल अंतरिक्ष, पाकिंग जगह के साथ,काकासा हैब गाडगिल मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), श्रौर जिसका करारतामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26-2-1986

को पूर्वोक्ड मंपरित के लिखत बाजार मूल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सञ्चित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तिक रूप ने कचित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना चाहिए भा, कियाने के सुविधा भी लिए;

नतः क4. उपतः अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इंबधीय, निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

- (1) कल्पतरू इंडो सायगन कन्स्ट्रक्णनर्स । (अन्तरक)
- (2) श्रीमता पदमा बी० नैयनानी ग्रौर श्री शाम बी० नैयनानी।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ले कार्यवाहियां करता हूं।

उथल सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वार्क्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त हाती हों, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी स्थित इवारा;
- (ख) इस सूचना क राजधन में प्रकाशन की तारीक द 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दश्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थध्दीकरणं --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम को अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुस्ची

पलैट नं० 202, जो 20वी मंजिल, पार्किंग जगह के साथ, भ्रांनरिक्ष काकासाहे व गाडगिल मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/10068/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारी**ख**: 9-10-1986

(1) मेसर्स फेरानी डेव्हलपर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री म्रझीझ एफ फिदवी एंड झुझर एफ० फिदवी। (अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के अभीर श्चरा

ारण सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक म्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० श्रई-1/37ईई/10053/85-86—. श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमं इसके पश्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स क अधीन सक्त प्राधिकारी का यह निश्वार करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 304, 3री माला, उद्यान-दर्शन, सयानी रोड, प्रभ.देवी, बम्बई-25 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 12-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के स्वयंक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुक्षे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयंमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयंमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निचिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) धन्तरम संह्इ किसी भाग को शायल, उल्ल कि । नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक जो दानिक मों कमी करने या उससे बचने मों मृतिधा के लिए: बार/था
- (क) एसी किसी अब या किसी पन या अस्य असम्बद्धाः असे जिन्हें भारतीय अस्यकर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उन्ने अधिनियम, का भनकर अधिनियम, का भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कि.यः नमा था या किया जाना बाहिए था, क्रियान से स्विधा के लिए:

कतः, अव, उक्त की अनियम की धारा 269 म के तमसरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधार (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात :-- का यह प्रका शरी कारक प्रवोक्त संपत्ति के वर्षन के तिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस गृथना के ग्रंथित में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन को बद्धि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तिया को से किसी व्यक्ति इताय:
- (ख) इस सृज्ञा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकींगे.

भ्यत्यिक्षास्य — इस्थ प्रयुवत शब्दो और पदा का., वो उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगे वो साथ अध्याय में दिए एका हां।

# अनुसुची

प्लैंट नं० 304, 3री माला, उद्यान दर्शन, सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा िकः सं० श्रई-1/37ईई/7441/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 9-10-1986

हस्य बाहे . टी. एन. एक . -----

भाषकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-म (1) के नभीन सुचना

#### मारत सरकारु

# कार्णल्स, सहायक बावकर बावकर (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/10103/85-86— श्रत : मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 र 961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित जिसका उनित बाजार मुख्य 1.00.000/- र से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 51, 5वां माला, पाम स्प्रिंग बिर्लंडग, 24-बी, वरली सोनापुर, ग्राफ केडल रोड, प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इस से उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 14-2-1986

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिपिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिड के बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तर्थ से हुई जिसी बाय की बाबदा; उसते अधिन्यम् के अधीन कर दाने को अंतरक को दासित्व में कामी अपने मा त्यमंग्रे पण्यं को प्राप्तका के निष्; बार/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वि उत्त अधिनियम, 29 खन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजपार्थ अंदिनियो क्यांचा पाट कर्वी क्यांचा वा सामित्र धा या किया जाना चाहिए था. ज्यांचा से सामित्र के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे यधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स रेगन्सी कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०।
- (ग्रन्तरक)
- (2) सुबीर मेहता एण्ड सुनीत मेहरा।

(ग्रन्तरिती)

का वह सूचवा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्क कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उबद सम्बद्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औी अविधि का में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवादा;
- (ख) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पाश लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण:—इसमाँ प्रमुक्त कवा और पदों का, जा उक्त विधिनयम के अध्याय 20-व में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा इस वध्याय है विधा गया है

# अनुसुची

फ्लैंट नं० 51, 5वां माला, पाम स्प्रिंग बिल्डिंग, 24-बी वरली सोनपुर, श्राफ केडल रोड, प्रभादेवी, बम्बई।

त्रनुसूची जैसा कि क० सं० न्नाई-1/37ईई/9494/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 14-2-1986 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

त्रिंख: 9-10-1986

प्ररूप बाहु . टी , एस , एस . . ......

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-में (1) के **बभीन स्प**ना

#### भारत सरकार

न्पर्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, विनांक 9 श्रमतुबर 1986

निवेश सं० ग्रर्ड-1/3ईई/9675/85-86— ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद,

अत्यकर अधिनयम. 1961 (1961 का 45) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, बिल्डिंग नं० 1, कामना को-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, गजाननपुरी वाडी, प्रभादेवी बम्बई-28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्ननुन्त्री में श्रीर पूर्ण रूप से विश्ति है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कष्य के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधि ारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 4-2-1986

को पूर्वोक्स सम्पित्स के उजिल बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- एन, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तर्भ स हुए किसी साम की शास्त्र, उपक स्थितियम के स्थीन कार दोने के सन्तरक के शांधिक से सभी करने सा असने स्थान में श्रीविका के तिक्ष् मीर/वा
- (प्र) एभी किनी आय या किसी धन मा अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीर रिस्तिबित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री रमेश वामन प्रधान।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पांड्रंग रामचन्द्र पाटिल।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(बह्ब्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

तक्ष सम्मतित के वर्षात के सम्बन्ध में आंद्र भी बाक्षण ---

- (क) इस स्वता के राजयंत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन की व्यक्ति या हत्संबंधी व्यक्तियों पर श्वता की तासील से 30 दिन की अविधि जो भी क्यिप बाद मो संगाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति ह्यारा;
- (ख) श्व श्वाना के राजपण मा प्रकाशन की तारीश्व म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभेहस्ताक्षरी के यास जिसित मो किये जा सकीन।

स्वक्कीकरणः—इसमें प्रयुक्त संबदों और पदों का, वां अक्त विशिवसम के वाभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होता जो इस कथ्याय में दिया वक्षा ही।

### वनसूची

पलट नं० 2, बिल्डिंग नं० 1, जामना को-श्राप० हाउसिंग सोसाइ टी लि०, गजाननपुरी वाडी, प्रभादेवी, बम्बई-28 ।

अनुसूची जैमा कि ऋम० सं० म्रई-1/ईई/9328/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-2-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमध सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-I, बस्बई

तारीख: 9-16=1986

# प्रकट् नाडी, टी, एवं , एवं , -----

आयकर लिच्छिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुखबः

### भारत तरकार

कार्यांसण. सहायक जायकर वायकत (निराक्षण) प्रजीन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तुबर, 1986

निदेश सं० श्रई-1/37ईई/9549/85-86— श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात: 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ज के अधीन साम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का शारण हैं। कि स्थानर सम्पत्तिः जिस्सका उचित बाजार मन्य 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं ७ फ्लेट नं ० 10, बिल्डिंग नं ० बी- 5, वां माला दीपलक्ष्मी को ०-प्रांप० हाउसिंग सोमाइटी लि०, ह्तीस्कर माग, प्रभादेशी सी०-बिच, बम्बई- 25 में स्थित है (स्रोर इसमे उपावद स्रनुमूची में स्रोर पूर्णरूप से विणत है), भ्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17-2-1986,

को पर्वोवन सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान सिक्षण के लिए अंतरित की गई है और स्कें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ शया गया प्रतिफाल, निम्नितियोंत उद्देश्य से उकत अन्तरण के जिला से अधिक महीं कथा गया है रू

- (क) अन्तरण से हुई जिसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के गाबितक में कमी करने क उससे प्रचाने में स्विधा दायिक के लिए: और/मा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आध जेर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, का धन- कर अधिनियस, 1057 (1957 का 27) के प्रसंक्रमार्थ जन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिणारे से सुविष्य स्थे किए:

शतः शतः अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपभारा (1)** के अभीन, निम्नलि**सिस स्पन्तियों अर्थात्** : (1) श्री दिलीप सुम्बाराव देवगिरी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुभाप विठ्ठलदाम कामथ श्रीर शारदा एस॰ कामथ।

(अन्तरिती)

को वह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन के सिस् कार्यवाहियां शुरू करता हूं प्र

# उक्त सम्मति के वर्षन के तम्बन्ध के काई भी आकोष ध----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिहा- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृत्रारा, ज्यांहरनाक्षरी के पास विकित में किए जा सकीं

स्वक्टीकरण : --- इसमें प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक है वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विशा गया है।

### अन्सूची

फ्लेट नं ० 10, बिल्डिंग नं ० बी-5 वां माला, दीप लक्ष्मी को ० - ग्रांप ० हार्जीम सोमाइटी लि०, हतीस्कर माग, प्रभादेवी, सी० विच०, बस्बई-25 ।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/9592/85-86 अप्रौर जो 'सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दि<del>ब</del>ांक 17-2-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बस्बई

तारीख: 9-10-1986

# प्ररूप आहू". टी. एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यामय, बहायक बायकर बाय्क्त (विरक्षिक)

मर्जंत रेंज-, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मन्तूबर 1986

निवर्षेण सं० श्रई-1/37ईई/10639/85-86— यतः मुझे, निसार श्रह्मद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इवनें इसके प्रश्नात 'स्वत अभिनियम' क्या गया ही, की वारा 269-क के सभीन सकाम प्राधिकारी को वह विस्थात करने का कारफ है कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका स्थित बाबार मुख्य, 1.00.000/- रा. में अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लेट मं० 102, पार्किंग स्पेस के साथ, "प्रांतरिका" काकासाहेब गाडगिल मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से बिणत है), भौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 26-2-1986,

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मूम्य से कम के दश्यभान बिस्तास को निष् संसरित की पर्द हैं और बुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बुन्ब, उसके ध्यमान प्रतिक्रक हैं, ऐसे ध्यमान प्रतिक्रक का बन्दर प्रतिक्रक का विश्व हैं और बन्दरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण को निय तय पाया पता प्रतिक्रक निक्नितियों उच्चेष्ट से ध्यस ध्यस्त क्या कि से साम स्मारिक के सिंग तय पाया पता प्रतिक्रक निक्नितिया उच्चेष्ट से ध्यस ध्यस्त क्या सिंगित में सास्तियक क्या से कथित नहीं किया गया है :--

- (%) स्थारण वं हार्च दिल्ली जान की नास्त्रः, क्याद व्यक्तियम के ग्रापीय कर याने के बन्तरण क स्थारित्य में क्या करमें ना उक्को नमने के स्थानधाः क्षे देशकः बोक्का/कः
- एसी किसी नाव ना किसी धन ना नाव नास्तिनों को, जिल्ला भारतीय नाय-कर निधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उपल निधिनियन, वा धन-कर अधिनियन, वा धन-कर अधिनियन, वा धन-कर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोकतार्थ अस्तिरती व्यारा प्रथल नहीं किया गया था या किया आता जाहिए था, दिवाने में सुविधा के लिए;

लत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, भौ, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) कल्पतरु इन्डो सायगाँन जन्स्ट्रकशनस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति कलावती नटराजन।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवादियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति वंदार:
- (ख) इस स्वना को राजपत में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए या तकों के ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नदा है।

#### वन्स ची

पलट नं ० 102, पार्किंग स्पेस के साथ, (मंतरिक्ष) काका-साहेब गाउगिल मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37-ईई/10067/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-2-1986 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्र**हमद** सक्षमक प्राधिकारी सहाय श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

मोह्रर:

# प्रकृष मार्ड . टी . एम . एस . ------

(1) करुपतस्य इन्डो सायगान कन्स्ट्रक्शम ।

(मन्तरक)

(2) श्री सुमेर सिंह उगरसिंह बोथरा।

(भन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क के अभीन सुकना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनां रु श्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं॰ अई-1/37-ईई/10642/85-86-- यतः मुझे, निसार ग्रहमद,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000 /- रुपये से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० पलेट तं० 201, 20वां माला, पार्किंग स्पेस के साथ, (श्रंतरिक्ष) काकासाहेब गाडगिल मार्ग, प्रभावेती, बम्बई में स्थित है(ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रतुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारतामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26-2-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पंदाह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेध्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्स नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूरियभा के लिए;

अत: अब उक्त निधिनयम की धारा 269-म के अनुसरण हो, मी, इक्त जीधनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्षशेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अमृस्ची

पर्लंड नं० 201, 20वां माला, पाकिंग स्पेस के साथ, (श्रंतरिक्ष), काकासाहेब गाडगिल मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई । अनुभूषी जैसा कि ऋ० सं० प्रई-1/37-ईई/10069/85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 9 ग्रक्तूबर 1986

निवेंश सं० ग्रई-1/37-ईई/10066/85-86— यतः मुझै, निसार ग्रहमद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 703, 7वां माला, उद्यान दर्शन, टी० पी० एम० 4, माहिम, सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-28 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 13-2-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बंदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;। और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए

जतः भव उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपधारार (१) के अधी दें निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् ः— (1) मेसर्स फेरानी डिवलपर्स।

(धन्तरक)

(2) श्री सुधीर कुमार वर्मा ग्रीर श्रीमित किश्ना एन० वर्मा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्स सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्परित के वर्जन के संबंध में करेड़ भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६ स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय मे दिया गया है।

#### असम ची

पर्लंट नं० 703, 7वां माला, उद्यान दर्भन, टी० पी० एस० 4, माहिम, सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 । अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37-ईई/9456/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमद सञ्जम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजनरें ज-1, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्णन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनों र 9 श्रक्तूबर 1986

निवेश सं० श्रई-1/37-ईई/10321/85-86---श्रतः मुझे, निसार शहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 205, 2रा माला उद्यान दर्शन सयानी-रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-2-86

को पूर्णक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देवमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तादित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल निम्नलिक्त उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जारितयों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए।

बत् कथा, उक्त जिभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण हैं। मैं, उक्त जिभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अजीन, निम्नलिखित व्यक्तिसीं, अर्थान

(1) मेसर्स फेरानी डेवलोपर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिलीप विठठलदास ठक्कर ग्रौर श्रीमती उमा-दिलीप ठक्तर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी अर्क पृद्धोक्त सम्पत्ति के अर्जन क त्सए कार्यग्रहिमां करता हुं।

क्षवत सम्यत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अर्वाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

हपष्टांकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसभी

फ्लैंट नं० 205, 2रा माला, उद्यान दर्शन, सवामी रॉड, प्रभादेवी, बम्बई-25।

भ्रानुसूची जसा कि ऋ० सं० भ्रई-1/37-ईई/10004/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-1, सम्बई

**सारीख: 9-1**0-1986

इक्ष वार्ड . टी. एन . एक . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहस्राप

फार्थासम, सहायक नायकर आनुक्त (निर्दाक्तिक)

मर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मक्तूबर 1986

निर्वेग सं॰ ग्रई-1/37-ईई/107342/85-86—श्रसः

मुझे, निसार घहमद,

आयकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके पदधात् उपकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 22, जो, 5वीं मंजिल, अंनस कोर्ट, ए-रोड, चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रौर जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 26 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान क्रितिक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने कर कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाचार भून्य, उपने क्रियमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नालिक उद्देष्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तिक क्य से किथन नहीं किया गया है ॥--

- (क) जन्तरण हे हुए जिसी जाय की बावख, बच्च जिनियम जी सचीत कर योगे के जन्तरक औ वासित्व में कमी करने या उससे सचने में सजिधा के थिए? जॉर/या
- एसी किसी नाम या किसी भन या जन्म जास्त्यां को, जिन्हें भारतीय जाय-कर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर जिथिनयम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अक्षः अथः, उत्तत अधिनियमं की धारा 269-व के अनुसरक भाँ, माँ, उत्तत अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित स्थितिसमों, अधीत हरू (1) श्री हीरानंद सी० चन्दीरामानी।

(भन्तरक)

(2) 1 सुरेश कुमार की० मिश्रा, 2. शिवदयाल श्रार० मिश्रा, 3. शिवसहाय जे० मिश्रा श्रौर 4. द्वारकानाय एस० मिश्रा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्छ सम्पृत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वा के राजपम् में प्रकाशन की तारीस ते 45 विश् की वनिश्व शातरक्ष्य नभी व्यक्तियों पर त्या की तामील से 30 विन की बनिश, को ही सम्बंध नाम में स्नास्त होती हो, के भीतर प्रविक व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति दुवारा;
- (ल) इस बुचना के राजपूज में प्रकाशन की तारील भी 45 दिन को भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हिलसपुर्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोइस्तासरी के पार्थ निर्मित में किए का शकांगे।

त्पत्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त वश्कों वरि वर्कों का, को कक्त अभिनियम देशभ्यात 20 के में परिश्राणिक है, बही अर्थ होगा. को उस अभ्यास में दिया गया है।

#### अवृद्धनी

फ्लैट नं ० 22, जो 5वीं मंजिल, ग्रानर्स कोर्ट, ए-रोड, वर्षगेट, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुस्ची जैमा कि कि० सं० मई-1/37ईई/10011/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार धहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीखा: 9-10-1986

#### प्रकृप वाद् . टी . एन . एक . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक अध्यकर आवृक्त (निरीक्षण)

म्रजीन रेंज-I, बम्बई 1 बम्बई, दिनां २ ९ म्रक्तूबर 1986

निर्देश सं॰ शर्द-1/37ईई/10122/86-86-- मतः मुझे, निसार शहमदः

कायकर आंभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ० दु तान नं ० ६,जो, तल माला, एलफिन्स्टन हाउस, 17, मझीबान रोड, न्यू एम्पायर थिएटर के पास, बम्बई-1 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाश्रद्ध प्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), ग्रौर जिस ता करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्ष म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, । तारीख 14-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरक से हुई किसी जाय की बाक्ता, उक्त श्रीभ-निस्त्य के वधीन कर दोने के बंदरक के वादित्व में 'अमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर∵ ग्रा
- (ण) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का? जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

लतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) क्यू ० एस ० एस ० इन्वेस्टर्स प्रा० लि ०। (ग्रन्तरक)
- (2) लाझोर कलर प्रिन्टस् प्रा० लि०। (भ्रन्तरिती)
- (3) अन्तरितियों। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पक्ति है)।

करो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्ययाहियां शुरू ऋरता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्षं किसी अन्य व्यक्ति दनारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त भीच-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया नया है?

#### वन्यूची

युकान नं ० 6, जो तल माला, एलफिन्स्टन हाउस, 17, मझँबान रोड, न्यू एम्पायर थिएटर के पास, वम्बई-1 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि के० सं० अई-1/37ईई/9513/85-86

अनुसूची जैसा कि कै० स० श्रई-1/37ईई/9513/85-86 भौर जो सर्क्षेम पाधिकारी, यम्बई द्वारा विनोक 14-2-1986 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> निमार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ऋ।युक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज--1, बम्बर्ष

तारीख: 9-10-1986

प्ररूप वाड . टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-ा, बम्बई

बम्बई, दिनां हे 8 श्रन्तुबर, 1986

निर्देश सं॰ ऋई-1/37ई=1/375=1/37

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रठ. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 422, जो, 4थी मंजिल, कामर्स-हाउस, 140, नागिनवास मास्टर रोड, फोर्ट, बम्बई-23 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, तारीख 24-2-1986

को प्येतिक सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापृष्टित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत के एसे दृश्यमान प्रतिकत का पंचह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए है य पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उच्चित्य से अक्त अन्तरण लिखित में बाक्त विक के की साम तहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की ाया, उभत मियम के अभीन कर वोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे यजने में स्विभा के लिए; और/या
- (क) छोष्ट्री किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के सिए;

अक: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंशन व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री पी० गोपालदास ठक्कर ।

(भन्तरक)

(2) बी०के० अर्धन।

(ग्रन्तरिती)

क यह स्वता जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वतिहास करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षणी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरणः — इसमें प्रश्विद् शत्त्री और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

#### अनुसूची

कार्यालय नं० 422, जो, 4यी मंजिल, कामर्स हाउस, 140 नागिनदास मास्टर रोड, फोर्ट, बम्बई-23 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/10041/85-86 और जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-1986 को रजिस्टर्ड ेक्सिया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **श्र**र्जन रेंज-I. बस्<del>य</del>ई

दिनांक: 8-10-1986

#### प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस 🗻 🚌 🗝 🗝 🗝

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269 व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बर्ट, दिनांक 8 अन्तूबर 1986

निदेश सं० श्रई०-1/37 ईई०/10667/85-86—ग्रन: मुझे, निसार ग्रहमद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० ब्लाक नं० 606 ग्रौर 607 जो छ्टी मंजिल, कामर्ग हाउम, मेडीज स्ट्रीट फोर्ट, बम्बई-23 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है ), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण निगत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य हर्दिक्तयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की, अन्यरण को, मी, टक्न अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीयः निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-15-346 GI/86 (1) श्री माणेक लाल एम० बिलानी श्रौर श्री मुणील एम० बिलानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुमेर मल वर्धन, श्री पारसमल यू० जैन श्रौर श्रीमती पिस्ता पी० जैन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आं भी अविध भाद में समाप्त होती हो, धे भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाह लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

ब्लाक नं० 606 श्रीर 607, जो छठीं मंजिल, कामर्स हाउम, मेडीज स्ट्रीट फोर्ट, बम्बई-23 में स्थित है।

श्रनुसूनी जैसा कि कम सं० श्राई०-1/37 ईई०/10079/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिनांक 27-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 8-10-1986

#### प्रकृष बाहु . ट्री. एन . एस .,-----

#### बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के वभीन स्वना

#### पारत सहस्राह्य

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1986

निदेण सं० ग्रई०-1/37 ईई०/10556/85-86—-ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विद्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000 रुपये से अधिन हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 52, पांचवां माला, ममता, न्यू प्रभादेवी रोड, बम्बई-25 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकरों ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 26-2-1986

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कान का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार समय उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और मन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किए तम नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वान्त दक्त अधिनिदम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के किए; और/धां
- (अ) एसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती इवार प्रकट नहीं किया गया का वा किया काना चाहिए चा, कियाने में वृत्तिका भी सिए:

अत: उपा, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बों. मी, सक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीत, निम्निचित्त न्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती रेखा किशन लाल वानी ।

(भ्रन्तरक)

( ) मैसर्स संदीप पालिमर्स प्राइवेट लिमिटेड (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

#### उक्त बन्गीत के बर्चन के संबंध में कोई भी बाधीय ह---

- (क) इस न्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तमों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तमों में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (क) इस स्थना को धजपत्र मों प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिचित मों किए वा सकोंगे।

ल्बक्कीकरण :--इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, वो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है ।

#### जनसूची

फ्लैट नं० 52, पांचवां माला, 'ममता', न्यू प्रभादेवी रोड, बिम्बई-25 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-1/37 ईई०/10060/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी के बम्बई द्वारा दिनांक 26-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिका रि सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9~10~1986

#### प्रकृप कार्ड . ही एन . एस . ---------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्चना

#### बारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 ध्रक्तूबर 1986

निदेश सं० ग्रई०-1/37 ईई०/10093/85-86--ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269 के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मुंब

1,00,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 17 है तथा जो तीसरी मंजिल, गरद को० ग्रापरेटिव हार्जामग सोमाइटी ए-रोड, चर्च गेट, अन्तर्क 20 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961

ह), श्रार जिसका करारनामा श्रायकर श्राधानयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख़ 14-2-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उपित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रति-कन, निम्नलिखिल उद्देशिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्ठ-बिक अप से कथित नहीं किया नया है हु----

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; शर/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

न्धाः अथ, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त निधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्निखित व्यक्तियों, नर्धात :---

- (1) सरदार जोगिन्द्र सिंह्, प्रेमिसिंह धौर सरदारनी मनमोहन कौर जोगिन्दर सिंह्। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रंजना महामुख शहा । (अन्तरिती)

को यह स्थाना थारी करके पूर्वोक्त ग्रन्थित के अर्थन के सिध् कार्यवाहिया करता हुं।

अत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:ल०

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को साराध से 45 विन की अविधि या तारसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिला-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी अं पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्सू ची

प्लैंट नं० 17, जो तीसरी मंजिल, गरद को०-श्रापरेटिव हार्जिसग सोमाइटी लि०, ए-रोड, चर्च गेट, बम्बई-20 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-1/37 ईई०/9484/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

#### शक्य बाइं.टी.एन.एस. ------

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार्य 269-म (1) के बारीन सूचना

#### भारत सरकार

#### कायाभय, सहायक वायकर नायकर (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 श्रवतूबर 1986

निदेण सं० ग्रई०-1/37 ईई०/10251/85-86--श्रतः मुझे, निहार श्रहमद,

शामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पण्यात् 'उन्त निधिनयम' नद्धा गया हु"), की बारा 269- व के व्यक्ति समाय प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित वाजार मृत

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्री जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 4, दू पी० एस० बी० श्रपार्टमेंट्स, बी० जी० खेर रोड, बरली नाका, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायवर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17-2-1986

को प्रांकित संपत्ति के विचल वाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का ठिचत साजार मृत्य, जसने दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के नीच एसे संतरण के लिए तय पाना प्रया प्रति-फन निम्निचित उच्च देन से अंक्त अन्तरण निचित में वास्त-विक क्ष्ण हे कांचल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियां का, चिन्हें भारतीय भायकर अधिंभयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, मा धन कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया का चा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा हो सिए;

बत: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अमृत्ररण की, मीं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, किम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥——

- (1) मैं पी एम बी कन्स्ट्रवशन कम्पनी लि । (श्रन्तरक)
- (2) होटल नटराज (दी जी० एल० होटल्स लि०)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिल्ह कायनाहियां करता हुं।

#### वक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नार में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वों क्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मात्त में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा वधोहस्ताक्षरी के शास विविध में किए वा सकीं ।

स्पन्नीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याद में विया नया है।

#### श्रन्युची

प्लैट नं० 3, प्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 4, टू पी० एस० बी०, प्रपार्टमेंट्स, बी० जी० खेर मार्ग, बरली नाका, बम्बई में स्थित है ।

श्रानुष्वी नैपा कि का सं० श्राई०-1/37 र्द्ई०/9643/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 17-2-1986 को रजिस्टई किया गया है ।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, बम्बई

तारीख : 8-10-1986

#### प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

#### कार्यास्त्र , सहायक नायकर भागृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1986

निर्देण सं० ग्राई०-1/37 ईई/10120/85-86—ग्रत:

मुझे, निसार ग्रहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दिसक पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्राँट नं० 35, नवाँ माला, ब्लाक डी, विह्न मं बिल्डिंग, श्रार० जी० थडानी मार्ग, वरली सी फ़ेस साउथ, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख, ♣ के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख़ 14-2-1986

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रीतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्षके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रष्ट प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योच्य से उक्त बन्तरण कि लिए तब का प्रतिकल के वास्तिकल का संस्थित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुद्दं िकसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के बिए; आर्रिया
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या अनकर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा है शिहः
- तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) अर्ड अभीन, निन्तिसिचित ध्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) मैं० टारो विक्षिरमल रामचन्दानी । (ग्रन्तरक)
- (2) मै॰ मिनेरजी कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

कों बह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सभ्यति के वर्षत के विष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वासीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब बें 45 दिन की ब्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्ख जिभिनियम, के अध्यक्ष 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### **अन्**स्थी

फ्लैंट नं० 35, जो नवां माला, ब्लाक डी, ब्हिनाम बिल्डिंग ग्रार्० जी० थडानी मार्ग, वरली सी फेस साउथ, वम्बई-18 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा कि कम रां० श्राई०-1/37 ईर्ह/9511/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1, बम्बई

तारीख: 9-10-1986

#### प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेज- , बम्बई
बम्बई, दिनाक 9 श्रक्तूबर 1986

निवेश सं० श्रार्ड0-1/37 ईई/10347/85-86—श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-12 एण्ड बी-13, पहला माला, चिनार बिल्डिंग, श्रार० एस० किंदवई रोड, यडाला, बम्बई-31 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में द्यार पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 24-2-1986

भने पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुइ किसी भाव की बाब्ध, उपके अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्वरक को वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) मैं सभीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मैं० दिनेशचन्त्र विजय कुमार ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० वेक रिव्हेंज इस्टेंट प्राइवेट लिमिटेड । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन की जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जा के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में ममाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे.हस्ताक्षरी के पास लिखित में विष्णु जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के सध्याय 20-क में रिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

#### अनुमुची

फ्लैंट नं० बी-12 ग्राँर बी-13, पहला माला, चिनार बिल्डिंग, ग्रार० ए० किदवई रोड, वडाला, बम्बई-31 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई०-1/37  $= \frac{1}{2} \left[ 10020 \right]$  85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज–1, बम्बई

तारीख : 9-10-1986

#### श्रुक्षप बाइ<sup>‡</sup>. टी. एन. एस. -----

#### नाम्कर **निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269 व (1) के नभीन स्पना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 श्वक्तूबर 1986 निर्देश सं० श्राई०-1/37 ईई/9990/85-86-अत:

मुझे, निसार ब्रह्मद

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इजमें
इसके परभात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 312—313 तीमरा माला, श्राणीण इण्डस्ट्रीज इस्टेट, गोखले रोड, (साउथ), दादर बम्बई—25 में स्थित है (श्रीर इसमे उपात्रक श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिध—नियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10—2 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार श्रूब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरिशियों) के सीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जॅतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर योगे के अंतरक के शासिस्य में कामी करने या उससे दलने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय बायकार बाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एर धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं जिएया गंधा या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध्व के लिए;

बत: शव, उल्ल कॉथनियम की धारा 269-ग के बनसरण थें, वें, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की स्पथारा (1) वी स्थीन जिल्ल्(किक्स व्यक्तिस्थें क्रिक्न क्रिक्न (1) श्री हरी राम हिंदुश्रा श्री धीरज लाल एव० रच्छ, श्रीमती रोणनबाई के०, झाबेर श्रनिल एव० हिंदुजा, मीना पी० राठ।

(भ्रन्तरक)

(2) मै० शाह बदसं।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक (यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के वै 45 विन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की बनिध, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में विये वा सकतें।

#### वनसूची

यूनिट नं० 312-313, तीमरा माला, म्राशिश इण्डस्ट्री इस्टेट, गोखले रोड (साउथ), दादर, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई-1/37 ईई/9385-ए, 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

निमार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीखा : 8-10-1986

भोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० ग्राई०-2/37 ईई/30392/85-86- मुझे, के० सी० णाह,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क में अधीन सक्षम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति. जिसका जीवत बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 903, सोमरसेट श्रपार्टमेंट, बांद्रा, यम्बई-50 में स्थिन है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधि नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 21-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार म्स्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भ्स्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकत से अभिक है बौर बंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरित्यार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) कन्तपुण सं हुई किसी काय की बावद उकत विधिनियम को सभीन कर दोने को सन्तरक को स्वासित्व में कसी करने या उसने यकने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

बतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-५ के बनुवरण हैं, भैं, उक्त बिभिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (!) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत :---

(1) श्री अलोक जे० चोपड़ा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बाशीर श्रहमद खान ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क तारीख से 45 दिन की सर्वाभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यां पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विषय गक्र. है।

#### ग्रनुसूची

पत्रैट नं० 903, जो नवीं मंजिल, सोमरसेट श्रपार्टमेंट, पाली हिल, बांद्रा, बम्बई–400050 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईर्ध/30392/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 21-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० गाह सक्षम प्राधिकरी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज--2, बम्बई.

तारीख: 15-10-1986

प्रकार वाद". टी. एम. एस. ......

भायकर अपितियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-य (1) के संघीन सुचना

#### मारत श्राटकार

#### सर्यालय, सहायक जावकर बाग्क्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बद्दी बम्बई, दिनांक 15 श्रक्तुबर 1986

निर्वोग सं० श्राई०-2/37 ईई०/29920/85-86—यतः मुझे, के० सी० शाह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- यह अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्थ 1.00.000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० एडविले प्लाट नं० 92, बाब्रा, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिस का करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 ग क के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 7-2-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गतिफल, निम्नलिखित उब्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (सं) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 16-346 GI/86

(1) श्रीमती औरोधी क्लेरे परेरा।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० कोर्ट कन्स्ट्रवणन कम्पनी।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री जोसफ ए० परेरा, श्री डी० भारीवाला, श्री एन्थोनी कारवालो स्रौर श्रीमती चन्द्रा निहलानी ।

> (वह व्यक्ति, जिसेके श्रिष्ठाभोग में सम्पत्तिं है)

(4) सालसेट को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह भूचना आरां करके पृष्ठीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कां**इ भी** आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यार में दिया गया है।

#### यनस्पी

एडविले जो प्लोाट नं० 92, प्लान नं० 1, सी०टी०एस० नं० 441, दांडा, बांबा, बम्बई में स्थित हैं।

अनुमची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-2/37 ईई $\circ/29920/85-86$  श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 7-2-1986 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

के० सी० प्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 15-10-1986

The Control of the

त्रक्त बाइं. टी. एन. एवं. -----

आधकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याक्य, सङ्गायक जागक्यरं आयुर्वत (निरीकाण) भर्जन रेंज-2, अम्बर्द

बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर 1986

निदेश सं० भ्राई-2/37ईई/40951/85-86----श्रतः मुझे, के०सी० शांह

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पर्देशात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने के कारण है कि स्थावर सम्मिति, जिसका उचित शकार मून्य 1.00,000/- रा. से अधिक ही

स्रीर जिसकी सं० 9 प्रतिशत हिस्सा प्लाट नं० ए, धारावी हिबीजन बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बहयभान वित्तक के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अल्य, उसके बहयमान प्रतिफल से, ऐसे बहयमान प्रतिफल का भून्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अल्टरिती (जन्तरितियाँ) के भीच ऐसे अन्तरच के सिए तथ गया गया प्रतिफल, निम्निसिवित उद्देश्य से उक्त जन्तरण किन्छल में जन्त कन्तरण किन्छल में जन्ताविक कप से किन्छल नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण सं हुई किती बाम की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देंने के बातरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विध्य के हिए, बौर/बा
- (स) एसी किसी बाग या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, माधनकर अधिनियम, माधनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए;

जतः. अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग औं अनुसरण में, सें, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की क्षेपारा (1) बें अभीन, निस्नितिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् क्ष्र—

- (1) दि बेस्टर्न इण्डिया टेनरीज लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- (2) मै० भ्युदया को० श्रापरेटिय बैंक लि०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जकत संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में से किए जा सकोंगे।

हमध्यकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा भया है।

#### अनुसूची

न्लाट नं॰ ए में 9 प्रतिशत हिस्सा, जो सर्वे नं॰ 338 सी॰ एस॰ नं॰ 1/327, धारावी, डिजीजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई०-2/37 ईई०/40951, 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> कें सी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बर्ड

विनांक : 15-10-1986

#### प्रथम बार्ष , ही. एव. एव. .-----

# नावधर निर्धानसम्, 1961 (1961 का 43) की शहा 269-व (1) वे स्थीन सूचना

#### भारत सरकार

#### कार्यासय, सहायक नायकार नायुक्त (निर्देशका)

म्पर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 15 म्राक्तूबर 1986

निदेश सं० श्र\$(-2/37) हई\$(-30732/85-86--%)तः मुक्षे, के० सी० शाह,

बावकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे दस्त्रे दसके परकारह 'उक्त कृथिनियम' कहा नवा है, की धार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार सूक्ष्य 1,00,000/-क. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पर्लंड नं० 101, जानकी कुटीर, सांताकुज (प०), बम्बई-49 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-2-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करन का कारण है कि यथापुत्रोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफाल से, एसे दृश्यमान श्रतिफाल का पंचह शितकत से अधिक है और नंतरक (जंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया नया श्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेदेश से उक्त अंतरण चिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरण वं हुए किसी थान की नावस, अक्ष निर्मानसम् से अभीन कर रोने के जन्दरक के वानित्य में कनी करने या उत्तर अक्षा भी स्थिया की लिए; अरि/या
- (क) श्रेडी किसी नाम ना किसी भन ना नन्य नास्तिन।
  की, जिन्हीं भारतीय नाम-कर निर्धानसभ, 1922
  (1922 का 11) ना उन्तर निर्धानसभ, या धन-कर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के अवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना ना किसा भागा नाहिए भर जियाने में स्विधा ने किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) क अधीप, निम्नलि**षिठ व्यक्तियों, अवीत ⊭**— (1) मैं विकास डेवलोपर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदानन्द इनवेस्टमेंटस एण्ड ट्रेडिंग को० लिमिटेड ।

(मन्तरिती)

स्त्रे वह ब्याना नारी करने पूर्वोत्ता सन्दरित के धर्णन के विद् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संगीतः के अर्चन के संबंध में काई भी बाबोध:--

- (क) इस धूमना में राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की वर्गीया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूमना की वामील से 30 दिन की सर्वीय, जो भी बब्धि बाद में इजाप्त होती हो, के भीतर पृश्यित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशाय;
- (क) इक सूचना को रावपन ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन्द्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्रिक्षणः — इसमें प्रवृक्षा कर्यों मार् वर्यों का, या उससे अधिनियम, को अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा. यो उस क्ष्याय में विधा पका

#### ग्रन<u>्स</u>्ची

फ्लैट नं० 101, जो पहली मंजिल, जानकी कुटीर, प्लाट नं० 14, 22, सी० टी० एस० नं० 567/13, जुह, स्कीम रोड, सांताऋुज (प), बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-2/37 ईई०/30732/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶2, बस्बई

नारी**य** : 15-10-1986

\_\_\_\_\_\_\_\_

#### बक्ष बाह् त बीज प्रमृत प्रमृत्यान

### बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) वो व्यक्ति सूमभा

#### BIZE SZEE

कार्यासय, सङ्गानक मामकार नायुक्त (निर्क्षिक)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अक्तूबर 1986

निदेश सं० श्रर्थ०-2/37 ईईई०/30416/85-86--श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 51, विला काग्री, सांताकुल बम्बई-54 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर भ्रधिनियम, की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21-2-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाषाद वृत्य से क्रम के क्यान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है भीर मुक्ते यह विश्वास करने का का एण है कि यथाप्याँक्त संपत्ति का उपित वाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वीशय से उपत अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कीयत नहीं किया ग्या है हु—

- (क) करतहरू संबुद्धं कियी भाग की बावत उपत विभिन्निय के अभीन कर दोने के बस्तहरू के समित्व में कमी करने वा उसने वसमे में स्विधा के सिए; धीर/धा
- (क) एंगी किसी जान ना किसी भन वा अन्य नारंखायों की, विनहीं भारतीय नामकर निभिन्यमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यमं, या भन-कर अधिनियमं 1957 (1957 का 27) के एक्श अनार्थ मृन्वरिक्षी बुकारा प्रकट नहीं किया एका ना मा किया जाना चाहिए का, क्रियान में सुनिक्षा से क्रियां के क्रियां से क्रियां

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) ३ ०धीन, निम्नसिणित व्यक्तियों, अर्थीस ल्रास्ट (1) मै० शैलेश कारपोरेश।

(भ्रन्तरक)

(2)श्री गोपाल झुनझुनवाला, श्रीमती शकुंतला झुनझुनवाला धौर सैलेश झुनझुनवाला ।

(बस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोच्त सम्पत्ति के अर्चन के शिष्ट् कार्यवाहियां शुक्र करता हूं।

**उनक सम्परित के बर्चन के सम्ब**न्ध में आर्द्ध भी माक्षेप :---

- (क), इस प्यान के राज्यन में प्रकारक की ताड़ी इसे 48 किन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविक, जो भी अविक बाद में समाप्त होती हो से भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हिल-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, बभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण ६—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त विभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगसची

प्लैट नं० 51, जो पांचवीं मंजिल, विला का प्री, सी०टी० एस० नं० 428, गजदार स्कीम, वल्लभभाई पटेल रोड, सांताकुज, बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-2/37 ईई०/30416/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, सम्बद्ध

तारीख: 15-10-1986

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर गायुक्त (निरक्षिक)

भायकर शिधिनयम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 52, विला काप्री, सौताऋज, बम्बई-54 में स्थित है (ग्रौर इनसे उपाबद ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21-2-86 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कं कप्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल **इ**ट्टयमाम प्रतिफल के पन्**त्रह** प्रतिशत से मधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के मीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाब की बाबता, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उसते वचने में सृथिधा के लिए; बॉर/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ज्ञाय-कर दिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

कतः अव, उकतं अधिनियमं की धारा 269-मं को अमृसरण मों, मों, उकतं अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के मधीन, निम्निलिबित व्यक्तित्यों, वर्धात् ६—— (1) मै॰ सैलेश कारपोरेशन ।

(भन्तरक)

(2) श्री चन्द्रेश मुनझुनवाला घौर श्रीमती मीनाक्षी झुनझुनवाला, श्री मुकेश झुनझुनुवाला।

(पन्तरिती)

कां यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितक्ष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्टित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नतस्यी

पलैट नं 52, जो पांचवी मंजिल, विला-काग्री, सी विराह्म विराह्म विराह्म पलेल भाई रोड, सान्ताऋज बम्बई 400054 में स्थित है।

श्रन्सुची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/387ईई/30415/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-2-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० **शाह्य** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, **बस्ब**र्फ

विनोक -15-10-1986 मोहर:

#### मुख्य बार्ब े हों, प्रा. प्रथ

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वधीन सचना

#### धारत शहकाह कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 मन्तूबर 1986

निर्वेश सं० अई--2/37ईई/29874/85--86---- प्रतः मुझे, कै० सी० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रापये के विश्वक है

भौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 1580, 1580/1 से 1580/10, विले पार्ले (पिश्चम) बम्बई में स्थित है ( भौर इससे उपाबद्ध मृत्सूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा भायकर ग्रिधिनियम की धारा 269, क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सम्बद्ध में रजिस्ट्री है विनांक 7-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल खे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिचात से अधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तिरितियों) के भीच एसे भन्तरण के भिए तम नामा जया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृषिधा के लिए और/या
- (क) एती किसी नाम या निज्ञी धन या अन्य आस्तियां की जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, दिल्याने या स्विक्य की किए।

बरा: बन, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण कों, मीं, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) कें बभीग, निम्नोनिक्ट व्यक्तियां अर्थात :----

- (1) श्री जीसेफ जे० डिसोजा ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स पटेल बिल्डर्स।

(मन्तरिती)

(3) भाडोती। (वह व्यक्ति जिसके भक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यनाहियां सुक करता हुई ।

#### जबत सम्पत्ति के अर्थन के शम्बन्ध में कोई भी मासने 🏎

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब कें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद यों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकरेंगे।

श्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उन्हर् अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उत्तस अध्याय में विकर मना है।

#### वस्स्ची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० 1580, 1580/1, से 1580/10, विले पार्ले (प), बम्बई है। प्रनुसूची जैसाकी क० सं० प्रई-2/37ईई/29874/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-2-1986 को रजिस्टई यकिया गया है।

के० सी० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज--2, बंबई

विनांक: 15-10-1986

नोहर:

#### प्रारूप बाह्र .टी. एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

#### कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (गिरीक्रण) सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/30662/85-86- भ्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 26%-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 579,, 579/1, से 579/3, निले पार्ले (पू०), बम्बई 57 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से निणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय कम्बई में रजिस्टी है तारीख 28-2-1986

बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 28-2-1986
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुओं यह विक्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उच्चेष्य से अक्त अन्तरण
जिविस में वास्त्रिक कप से कथिल नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, खबत बाधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/मा
- (क) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. स्थितने में सुविधा के सिद्धः

ब्रस: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण रूं. मैं उक्स अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) औं ब्रधीन, निम्नोशिकित व्यक्तियों, वर्षात क्र— (1) मेससं मिलाप एक्झीबीटर्स

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स डी० डी० पटेल एण्ड को०।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) द्वीवयटेबल मोर्टंगेज आफ दी जनता सहकारी बैंक लिमिटेड, विलेपार्ले औंच, विलेपार्ले। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी बन्य स्थावर व्यारा अभोहस्ताकारी की पाछ सिचित में किए या सकींगे।

हमक्योंकरण:----इसमें प्रमुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उपके जिश्वियम: के अध्याय 20-क में परिशायिक इं, कही कर्य होगा जो उस अध्याद में विद्या गया है।

#### नन्स्ची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० 579, 579 1 से 579 3, एम० जी० रोड, शान टाकीज के पास विले पार्ले (पू) बम्बई 400057 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसाकी करु सं० श्रई-2/37–ईई/30662/85–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 28–2–1986 की रिजस्टड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांभ : 15--10--1986

मोइर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

# बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

#### कार्याचय , सहायक वायकर बाब्क्त (निर्देशक)

भ्रजेंन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनाक 15 भक्तूबर 1986 निदेश सं० भई-2/37श्रईई/30767/85-86--श्रतः मुझे, के० सी० शाह गमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इस्र

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, विश्वका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 92 ए, मरोल को० श्राप० इंडस्ट्रियल इटेट-श्रंधेरी (यू०) बम्बई 5 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के भंधोन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक-28-2-1986

को पूर्वोच्छ सम्पत्ति के अचित बाबार मृख्य से कम के स्थ्यमाथ प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोच्छ सम्पत्ति का अचित बाबार मृख्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित। (जन्तरितियों) के बाब एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितियां उद्देश्य से उस्त जन्तरण सिवित के बास्तीवर स्म से किया नहीं स्थित। वहा है अन्तर

- (क) बन्धरण है हुए किसी बाय की बावत , उपन वीपनिवस के अधीन कर दोने के बंतरक के दावित्व को कसी बारने वा उन्नते वाचन को स्विधा के लिए; और/सा
- (सी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कार जोशित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए था. कियानं के मिलिश बे लिए;

शक्तः अयः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरभ क्री, क्री, शक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (।) क्री अधीन , भिन्निकित व्यक्तियों, व्यक्ति :--- (1) श्री वी ०पी० भाटीया।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स बी० एस० पेकेजिंव भ्रडस्। (भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु स्वतः बादी ऋएके पूर्वोक्ट सम्मत्ति वो अर्थन में विद्य कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उ---

- (क) इस स्वमा के राष्य्य में प्रकाशन की तारीय से 45 विश की वयिष का तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वया की तारील में 30 विन की स्वधि, जो भी अवधि वार में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में ने किसी कवित इत्राय;
- (स) इस स्थान के राधपभ में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितवस्थ फिसी बन्ध व्यक्ति स्थारा, अभोहस्ताजरी के पास विकास में किए वा सकेंगे।

स्मक्किश्य :--इससे प्रमृत्त कम्बों बीट पद्यों का, को स्थल बीधीनयस, को बध्याय 20-क से परिभाषित हाँ, यही सर्व सोना को सस बध्याय से विस् गया हीं।

#### अमृस्जी

कंपार्टमेंट नं० 92/ए, जो मरोल को० श्राप० इंबस्ट्रियल इस्टेट साकी श्रंधेरी, (पू), बम्बई 400059 में स्थित है श्रन्मूची जैसाकी श्र० सं० श्रई-2/37 ईई/30767/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी।० णाह सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिमांक: 15-10-1986

मोहरः

प्रारूप कार्र . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम 1961 (1961 की 43) की की धारा 269 ध (1) के अधीन सचार

उद्धान **्रकार** 

कायालय, महायक **बायकर आयुक्त** (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं॰ ग्रई-2/37-ईई/29705/85-86--- प्रतः

मुझे, के० सी० शाह

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ∴69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 64, शेर-ए-पंजाब ग्रंधेरी (पु) बम्बई-93 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं),श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। दिनांक 31-1-1986

करं पूर्योक्षत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भितात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (शंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तर निया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्वेश्य में उक्त अंतरण जिल्लित में बास्तिवक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बावत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के श्रायित्य में कभी करने या उससे बचने में श्रुविधा के लिए, और/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दनारा प्रकट नदी किया गर्भ था या किया आसा अपना अपना कर हिल्पा से सुविधा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण कें, मं, शक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :—
17—346 GI/86

(1) रबिंदर सिंह वेदी।

(भ्रन्तरक)

(2) एम० के० मनीन श्रौर श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक।

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्मित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजबूध
  किसी बन्य व्यक्ति इवारा वधोइस्ताकरी के बास
  लिखित में किए वा इकी वै

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त राज्यों बौदु पदों का, को स्वक्ष अधिनियम के सम्माय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होरेन को सस सम्बास में दिक्क गया हैं

#### अनुसूची

्लाट नं० 65, जो० णेर-ए-पंजाब को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० श्रॉफ महाकानी केव्हन रोड, श्रंधेरी (पु), बम्बई 400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि० क० सं० प्रई-2/37—ईई/29705/85—86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 31-1-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :15-10-1986

मोहरः

#### प्रकप माइं. टी. एन. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, अम्बर्ट
अम्बर्ड, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1986

निवेश सं० म्रई-2/37-ईई/30700/85-86-म्ब्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उप्या अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नीरंजन निवास, मलाविया रोड, विले पार्ले (पू), बम्बई 57 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक्क अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। दिनांक: 28-2-1986

को पूर्लेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्लेक्स समपत्ति का उचित बाजार कृष्य, असके व्ययमान प्रतिफास मो, एसे स्वयमान प्रतिफास का पत्तृह पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अपनित्तें) के बीच एसे वन्तरण के निए तय पावा पवा वृति क्या निम्मिनिष्क उद्वर्ष से उक्त सन्दरण विश्विक में वास्त्रिष्य कप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरच तं हुई किथी अन्य की वायत, उपके अधिविश्व के स्थीन कर योगे के अन्तरक अं श्रीतरच वो कभी करने या उससे वचने में सुविशा के लिए; बीर/या
- (थ) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-अर अधिनियम, या चन-अर अधिनियम, 1987 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ कन्तरिती चुंबारा प्रकट नहीं किया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भवः सम उत्त आधिनियम की भाग 269-म की अन्तरम मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन: निम्निलिशित व्यक्तियों, अधीत :—

- (1) श्री मती शांताबेन मोहन लाल दोदीया श्रीर श्रन्य। (श्रन्त र
- (2) मेमर्स रंका इस्टेटस्। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य∗ाहियां करता हूं।

इच्छ सम्मित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 चित्र की बसीन या तत्त्रभ्यन्थी व्यक्तिकों पद
  स्थान की तानीन से 30 दिन की नविंग, को भी
  समीथ बाद भें सत्राप्त होती हो, को भीवर प्रवेक्त
  स्वीक्त्यों में से किसी स्थानित स्वादाः
- (च) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील के 45 दिवाले भीतर राज्य स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त्र किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए सा अकों ने।

स्वत्नीकरण्:—इसने म्यूच्य कर्णा नीड प्या म्यून से उपत् निधित्यम्, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अभ्याय में विया ग्या है।

#### श्रनुसूची

जमीन का हिस्सा निरंजन निवास, मलाविया, रोड़, विले पार्ले (पु), बम्बई 400057 में स्थित है। प्रनुसूची जैसाकि क० सं० भ्रई-2/37–ईई/30700/

95–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28–2–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 15-10-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाधकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन गुचन।

#### सारत स्ट्रकार

#### कार्यांक्य, बहायक जानकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1986 निदेण स० श्रई-2/37-ईई/29727/85-86--श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बाक्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एससे इसके व्यवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-व के अधीन सक्षय प्राधिकारों को वह विश्वाद करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जितका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मी० टी० एस० नं० 244, 243,241, ग्रंघेरी, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण एप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रंघिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के ग्रंघीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 3-1-1986

को पृथा कित सम्पत्ति के उपित शाकार मूल वे कन के कममान विकल्प को शिए बंतरित की गई है आह मुक्ते यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य असके काभान प्रतिकास से, एसे क्यमान प्रतिकास का पन्तह विकल ने अधिक ही बीद मन्तरक (बंतरकों) बीद बंधरिती (बन्ती रितियों) को बीच एसे बन्तरक को निष् सब पाना गया प्रतिकाल, निम्निलिखिल उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ती के का में की मन्तर मुद्दी किया गया है.---

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी तन या कत्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय वायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या भन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ करतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया थ्या वा वा किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के सिए।

कतः जब उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के जन्सरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) शेख सत्तार शाहबूद्बीन हाजीउल्लाह उर्फशेख सत्तार सुबुभाई ।

(भ्रन्तरक)

(2) भैंसर्स सी० एस० कन्स्ट्रवशन को०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अविध तो पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसाए;
- (ब) इस गुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के णस विश्वित में किए वा सकेंने।

स्थव्यीकरणः --- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गमा हैं।

#### अभूस्ची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० 244, 243, 241, विलेज मोग्रा, श्रंधेरी बम्बई है। अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-2/37–ईई/29727/85–86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 31–1–1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक: 15-10-1986

भूकम काक्षां, टी. एन. एस ..-----

#### बायकड विधित्यम्, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-क (1) वी क्षणीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यां स्था सहायक आवकर बायुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० श्र $\frac{1}{2} \frac{2}{37 - \frac{1}{2}} \frac{1}{30517} \frac{1}{85 - 86} = \frac{1}{237 - \frac{1}{2}} \frac{1}{30517} = \frac{1}{85 - 86} = \frac{1}{237 - \frac{1}{2}} = \frac{1}{127 -$ 

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इस्में इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सजित बाजार मृस्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 7, में 97.5हिस्सा, गौतम ग्रामाट मेंट, बान्द्रा, बम्बई - 50 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबढ़ ग्रामुची में ग्रीर पूर्ण कप से बर्णित है), ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 25-2-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यान प्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से ऐसे क्ष्ममान प्रतिफल का पल्लह प्रतिपत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अन्तर्कों) और अन्तरित (अन्तर्कों) के बौच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्विषय से उक्त बन्तरण कि बिक्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) जन्तरण संहुद्दं किसी काय कर्ष शवस, उक्स विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के वाहिंद्द वे कमी धारने या कसूबे वचने में सुनिधा ने दिद्द; बाह्√या
- एसी किसी वाद था किसी धर मा अन्य आस्थियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उथत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) डॉ॰ होशंग बी वकील।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शिरीन एच० वकील।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वीवत सम्पत्ति के वर्षन के विष कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त कम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माकोद :--

- (क) इस सुचुना के राजपूत्र में प्रकाशन की ताराक्ष से 45 वितृ की अवधि या तृत्साम्यन्थी स्थानतमां दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, से भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिर्द्यब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए वा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्स्यो

फ्लैट नं० 7, में 97.5ें हिस्सा जो तिसरी मंजिल, गौतम श्रपार्टमेंट 72, पाली, हिल, बान्द्रा बम्बई, 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि सं० श्रई-2/37-ईई/30517/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 25-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी०शाह वक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 15-10-1986

#### ENFORCEMENT DIRECTORATE

#### FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 29th October 1986

No. A. 11/16/86.—Shri Kali Charan, Superintendent in Headquarters Office of this Directorate is hereby appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in Headquarters Office of this Directorate with offect from 24-10-1986 (Forenoon) and until further orders.

L. K. SINGHVI Dy. Director (Admn.)

# MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING ADMINISTRATIVE REFORMS PUBLIC GRIEVANCES & PENSION (DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 30th October 1986

No. A-22020/51/83-AD. III.—Consequent upon the retirement on attaining the age of superannuation of Shri Krishan Lal, Grade 'A' Stenographer of CSSS Cadre of MHA, presently working as PS to Director/CBI with effect from the After Noon of 31st October, 1986, Director, Central remeat of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri M. P. S. Chohan, Sr. PA. (Grade 'B' Stenographer in the time scale of pay Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200) on promotion as Grade 'A' Stenographer in the time scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500) with effect from the After Noon of 31st October, 1986.

Shri M.P.S. Chohan on promotion as Grade 'A' Stenographer is hereby posted as PS to Director CBI with effect from the After Noon of 31st October, 1986.

#### The 5th November 1986

No. A-22020/51/83-AD. III.—Director, Central Buteau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri G. K. Guha, Sr. P. A. (Grade 'B' Stenographer in the time scale of pny Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200) on promotion as Grade 'A' Stenographer in the time scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 with immediate effect.

He is hereby posted as PS to Addl. Director, CBI with immediate effect vice Shri M. P. S. Chohan.

These orders are issued after approval of Depti, of Personnel & Training accorded in their letter No. 202, 47/86-AVD. II dated 31-10-1986.

K, CHAKRAVARTHI Dy, Director (Admn.) CBI

#### New Delhi-110003, the 5th November 1986

No. J-1/65-AD-V.—Shri J. P. Sharma, Deputy Legal Adviser/CBI relinquished the charge of his office in the afternoon of 31st October, 1986, on superannuation,

No. M-1/83-AD-V.—Shri M. 1.. Sachdeva, Additional Legal Adviser CBJ relinquished the charge of his office in the afternoon of 31st October, 1986, on superannuation.

#### CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

No. 1-20/82-CFSL/8771.—The President is pleased to extend the appointment of Shri N. K. Prasad, Senior Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, C.B.L. New Delhi as Senior Scientific Officer (Gr. II), Chemistry Division, Central Forensic Science Laboratory, Central

Bureau of Investigation, New Delhi with effect from 22-10-1986 (F.N.) on ad-hoc basis for a further period of 3 months or till the post is lined on regular basis, whichever is earlier.

#### The 7th November 1986

No. 3/41 86-AD, V.—The President is pleased to appoint 5mil E N. Ram Mohan, IPS (A&M: 1965) as Deputy Inspector General of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the alternoon of 24th October, 1986 and until further orders.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E) CBI

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 4th November 1986

No. A-12012 / 1/86-Admn. II.—Consequent upon his promotion to the post of Extra Assistant Director in Directorate of Coordination (Police Wireless) Shii A. H. Rao, Senior Technical Assistant assumed the charge of the post of Extra Assistant Director (Group 'B' Gazetted) in the forenoon of 12th September, 1986 at New Delhi in the scale of pay of Rs. 650-30-740 35-810-t.B-35-880-40-1000-£B-40-1200 - until further orders.

B. K. DUBE Director Police Telecommunications

#### DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-3, the 30th October 1986

No. O. II-2140/86-Estt-I.—The President is pleased to relieve Dr. Baliit Singh, General Du'y Officer, Grade-II of Base Hospital-I, CRPF, New Delhi with effect from the foremon of 13th October, 1986 on expiry of one month's notice under Rule 5 (1) of the C.C.S. (Temporary Service) Rules, 1965.

No. O. II-2251/86-Estt-I.—The President is pleased to appoint Dr. Om Prakash Pathak as General Du y Officer, Grade-II (Deputy Supdt. of Police Company Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 12th September, 1986 till further orders.

#### The 6th November 1986

No. O. H. 1208/75-ESTT-1.—Consequent in his re-employment as Deputy Super-intendent of Police, in CRPF for a period of one year Shri B. K. Swamy taken over charge as Dy. S. P. in GC, CRPF, Hyderabad on the forenoon of 16th Oct, 1986.

Deputy Director (Estt)

#### BURFAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110 003, the 7th November 1986

No. 13/4/85-Adm.I.—The Directo General, Burran of Police Research and Development is pleased to appoint Dr. B. V. Trivedi, Research Officer as Research Officer, Bureau of Police Research and Development in a substantive capacity with effect from 3-8-1984.

N. P. GUPTA Assistant Director

#### MINISTRY OF FINANCE

#### (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

#### SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 31st October 1986

No. 7(61)/5709.—In continuation to this Office Notification No. 7(61) 5522, dated 27-10-1986, the ad hoc appointment of Shri B. L. Sharma as Assistant Engineer (Mech.) in the scale of Pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 is extended for a further period of 2 months from 1-11-1986 to 31-12-1986 or till such time the U.P.S.C. selectee for the post of Engineer (Mech.) joins duty, whichever is earlier.

S. R. PATHAK General Manager

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

#### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1986

No. Admn. I/O. O. No. 197.—Shri Inder Pal Singh Sahai, an Assistant Audit Officer of this office has retired voluntarily from service of the Government of India with effect from the forenoon of the 1st of November, 1986, vide this office order No. 183 dated 22-10-1986.

The date of birth of Shri I. P. Singh Sahai, A. A. O. is 31-8-1943. He joined Government Service on 10-6-1966.

(Sd/-) ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

#### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta-700 001, 30th October 1986

No. Admn-I/C/470/1894-95.—The Director of Audit, Central, Calcutta, has been pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officer (Group 'B') in the scale of Rs, 840-40-1000-EB-40-1200 from the date noted against each in the office of the Director of Audit (Central) Calcutta until further order :—

Name and Date of assumption of charge S/Shri

- 1. Subodh Chandra Das-1-9-1986 (F/N)
- 2. Chittaranjan Thakur-1-9-1986 (F/N)
- 3. Haraprasad Bhattacharyya-1-9-1986 (F/N)
- 4. Purnananda Bandyopadhyay-1-9-86 (P/N)

S. K. BAHRI
Dy. Director of Audit (Admn.)
Central: Calcutta

#### O. O. THE ACCOUNTANT GENERAL-I, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 29th October 1986

No. Admn. I/8-J32/86-87/1234.—The Accountant General (Audit)-I, A. P., Hyderabad is pleased to promote the following Asstt. Audit Officer to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against him until further orders:—

Name and Date of assumption of charge

1. Sri K. Somayya-01-10-1986 F.N.

The promotion is ordered without projudice to the claims of his seniors if any and is also subject to the result of

the wife petitions pending in the A. P. High Court/Supreme Court. He should exercise option within one month of the date of promotion in terms of Governmen, of India O. M. No. F. 7/1/80-Estt (Pt.1) dated 26-09-1981.

(\$d/-) ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (A)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I KARNATAKA

Bangalore, the 15th October 1986

#### OFFICE ORDER

No. AG (Au) I Admn I/A-1/86-87/X-1/400.—The Accountant General (Audit) I is pleased to promoe the following Assit. Audit Officers as Audit Officers in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of Seniors, if any, with effect from the date of taking over charge:—

#### 1. Sri D THIRUGNANAM

#### 2. Sri S P DESPANDE

Consequent on their promotion as Audit Officers, the option to be exercised for fixation of pay in the higher scale as per Government of India decision (15) below F.K. 22 (c), Swamy's Compilation (VIIth Edition) GIMHA Department of Personnel and A. R. OM No. F 7/11/80 Estt P I dated 26th September 1981) should be exercised by them within one month from the date of promotion.

(Sd/-) ILLEGIBLE Deputy Accountant General (Admn)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) KERALA

Trivandum, the 24th October 1986

No. Estt/A/V/9-86/Vol. III.—The Accountant General (A&E) Kerala is pleased to appoint Sri N. Ramachandran, Section Officer to officiate as Accounts Officer with elect from 23-10-1986, until further orders.

The appointment is provisional and subject to further orders as may be issued by the Hon'ble High Court of Kerala in O. P. No.  $750/84~\rm K$ .

I. VENKATARAMAN Senior Deputy Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)-I MAHARASHTRA

Bombay-400 020, the 6th October 1986

No. Admn. I/Genl/31-Vol IV/C/(1)/1.—The Principal Accountant General, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint S/Shri K. R. Krishnaswamy, Section officer and R. M. Karoor, Section officer to officiate as Accounts Officers with effect from 24-9-86 F. N. until further orders.

T. K. AYYAR Senior Deputy Accountant General (Admn.)

# MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-1, the 28th October 1986

No. 71/G/86.—Shri K. Gopalakirushnan, Jt. General Manager (Subst. & Permanent Manager) voluntarily retired

from service w.e.f. 5-8-86 (AN). His name has accordingly been struck off from the strength of IOFS w.e.f. 6-8-86/

> M. A. ALAHAN Jt Director (G)

#### DGOF HORS. CIVIL SERVICE

Calcutta-700 001, the 17th October 1986

No. 9/86/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote the following individuals against existing vacancies, without effect on seniority in grades and on dates shown against each :-

- 1 Smt, Bina Haldar, Asstt. Offg. Asstt Staff Officer.,
- From 10-7-86 (FN) until further order.

  2. Shri V. Ramaswamy, Asstt. Offg. Asstt. Staff Officer., From 10-7-86 (FN) until further order.
- Shri P. B. De, Asstt. Asstt. Staff Officer (Ad-hoc) From 10-7-86 (FN) until further orders. Offig. Asstt. Staff Officer., From 1-10-86 (FN) until further orders.
- 2. The above promotions are without effect on seniority and shall abide by the result of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta,
- 3. The above officers at Sl. Nos. 1 & 2 will be on probation for two years w.c.f. 10-7-86. The officer concerned at Sl. No. 3 will be on probation for two years w.e.f. 1-10-86.

S. DAS GUPTA DDGOF/Admn.

for Director General, Ordnance Factories

#### Calcutta-1, the 28th October 1986

No. 70/G/86.—Shri R. K. Agarwala, Offg. It. General Manager (Subst & Permt. Sr. DADG/Manager) voluntarily retired from service with effect from 30-9-86 (AN). Accordingly his name has been struck off from the strength of IOFS with effect from 1-10-86 (FN).

> M. A. ALAHAN Jt. Director (G)

#### MINISTRY OF LABOUR

#### DIRECTORATE GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad, the 29th October 1986

No. 7(2) 84-Adm.1/7721.—Shri Bachan Prasad, Superintendent is promoted to officiate to the post of Assistant Administrative Officer on ad-hoc basis in the Directorate-General of Mines Safety with effect from 5-5-86 (AN).

No. 7(2) 84-Adm, I/7728.—The following Superintendent (Ad-hoc) are promoted to officiate in the post of Asst'. Administrative Officer on ad-hoc basis in the Directorate— General of Mines Safety from the dates shown against their names.

#### Names and Dates

- 1 Shri T, B, Kujur-26-5-86 (FN).
- 2. Shri M. C. Mazumdar—11-8-86 (FN).
- 3 Shri D. B. Mitra-25-8-86 (FN).

(Sd/-) ILLEGIBLE Director-General of Mines Safety

#### MINISTRY OF COMMERCE DEPARTMENT OF SUPPLY NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE,

Calcutta, the 27th October 1986

No. G-318/A.—The undersigned is pleased to appoint Shri K. C. Majumder and Shri V. K. V. Shende, Assistant Director (Admn.) (Gr. II), National Test House to the post of Assistant Director (Admn.) (Gr. 11) National Test House, Calcutta and Ghaziabad on a regular basis w.e.f. 19-6-86 and 3-10-86 respectively.

> K. M. BANERJEE Joint Director National Test House, Alipore, Calcutta

#### MINISTRY OF INDUSTRY

#### DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVFLOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 27th October 1986

No. A-19018(331)/77-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. S. Sood, Asstt. Director (Gr. I) (Glass Ceramics) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi as Deputy Director (Glass/Ceramics) on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 27-6-86 until further orders.

#### The 4th November 1986

No. 12(162)/61-Admn(G).—On attaining the age of superannuation Shri K. C. Mathur, relinquished charge of the post of Director (Gr. I) (General Administrative Division) at the office of the Development Commissioner Small Scale Industries), New Delhi, on the afternoon of 31st October, 1986.

> C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION: A-6)

New Delhi-110 001, the 22nd October 1986

A-17011/325/86/A-6.—The Director General Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri Ashutosh Basak, Fxaminer of Stores (Fngineering) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer Engineering on ad-hoc basis in the same office from the forenoon of 16th September, 1986 and until further orders.

> R. P. SHAHI Dy. Director (Admn.) for Director General of Supplies and Disposals

New Delhi, the 4th November 1986

No. A-1/1(1239).—Shri P. C. Varughese, permanent Superintendent (Level II) and officiating Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of Director of Inspection, Bombay, has retired from Govt, service w.e.f. the afternoon of 30th Sept. 1986, on attaining the age of superannuation.

No. A-1/1(1256).—Shri C. S. Seshadri, permanent Superintendent and officiating Assistant Director (Adme.) (Gr. II) in the office of Director of Inspection, Madras retired from Govt, service with effect from the afternoon of 30th June, 1986, on attaining the age of superannuation.

V. SAKHRIE Dy. Director (Admn.) For Director General of Supplies & Disposals

# OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF PATENTS, DESIGNS & TRADE MARKS

THE PROPERTY OF THE PROPERTY O

Bombay-400 020, the 31st October 1986

No. CG F/5/1/(4)/86/9.—The President is pleased to appoint Sri H. P. Shukla as Assistant Registrar of Trade Marks (Group 'A' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 1100-1600 on regular basis in Trade Marks Registry brench, Calcu'ta with effect from 22nd September 1986 (F.N.). He will be on probation for a period of two years will effect from the said date.

No. C.G./F/1/2/(7)/86/10—Sri V. Venkataramanan is hereby appointed as Administrative Officer (Group 'B' Gazetted) in the Pay Scale of Rs. 650—960 on deputation basis with effect from 1st September, 1986 F.N. in the Patent Office, Calcutta.

No. C.G., F/14/7 (13) '13/Patents/86.—The President is pleased to appoint Sri H. G. Jagarwal as examiner of Patents & Designs (Group 'A' Gazettad) in the scale of tray of Rs. 700—1300 on regular basis in the Patent Office, Calcutta w.e.f. 7/8/86 (FN). He will be on probation for a period of two years with effect from the said date.

No. C.G./F/14/7(13)/Patents/86/16|16,—The President is pleased to appoint Sri N Ramchandani as examiner of Patents & Designs (Group 'A' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 700—1300 on regular basis in the Patents Office Branch. New Delhi, w.e.f. 22/5/86 (F N.). He will be on probation for a period of two years w.e.f. the said date.

No. C.G./F/14/7(13)/Patents/86/17.—The President is pleased to appoint Sri M. Prabhakaran, as examiner of Patents and Designs (Group 'A' Gazetted) in the Scale of pay of Rs. 700 ~1300 on regular basis in the Patents Office Branch, Modras with effect from 19/5/86 (F.N.). He will be on probation for a period for two years with effect from said date.

No. C.G./F/14/7(13)/Patents/86/18.—The President is pleased to appoint Sri Deepak Kumar Ruhut as Examiner of Patents & Desiens (Group 'A' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 700—1300 on regular basis in the Patents Office, Caletta, with effect from 6-5-86 (E.N.). He will be on probation for a period of two years with effect from the raid date.

R. A. ACHARYA Controller General of Patents Designs & Trade Marks

# MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY INDIA METHOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 6th November 1986

No. E(1)00741.—Shri V. S. Rao, Director, India Meteorological Department has refired voluntarily from Government service with effect from 1-10-1986 (Forenoon) under F.R. 56 (k).

S. K. SAHA
Director (Establishment)
for Director General of Meteorology

# MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 29th October 1986

No. A. 19011(55)/86-Estt. A.—On the recommendations of Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri V. M. Raghavan, Regional Mining Geologist to the post of Supdtg. Mining Geologist in the Indian Burcau of Mines with effect from the afternoon of 1-10-86 until further orders.

#### The 31st October 1986

No. A. 19011(58)/77-Estt. A.—On the recommendations of Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri K. Venkata Ramaiuh, Regional Mining Geologist to the post of Superintending Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 9-10-1986, until further orders.

G. C. SHARMA Asstt, Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 29th October 1986

No. A-19011(396)/86-Estt. A.—Shri N. Y. Gorc, Grade IV officer of the Indian Statistical Service, on transfer from the office of the Registrar General, India, New Delhi, joined the Indian Bureau of Mines as Assistant Mineral Economist (Stat.) in officiating capacity, w.e.f. 6-10-86 (Fore-noon) until further orders.

#### The 6th November 1986

No. A-19012/112/83. Estt. A. Vol. II.—On repatriation from the Nagpur University, Shri M. M. Sawung has assumed the charge of the post of Assistant Editor in the pay scale of Rs. 2000—3500/- in the Indian Bureau of Mines on the afternoon of 13th October, 1986.

P. P. WADHI Administrative Officer Indian Bureau of Mines for Controller General

#### NATIONAL LIBRARY

Calcutta-27, the 7th October 1986

No. ADM/CON/S-I(25/2)//5214.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Junior) at its meeting held on the 12th December, 1984 and in pursuance of the orders contained in the Department of Culture letter No. F. 10-23/84-Lib. dated 13-2-85 Smt. Mariam Koshy Superintendent (Technical), National Library, Calcutta is promoted to the post of Assistant Librarian in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/2 with effect from the 13th February, 1985.

No ADM/CON/S-I(8) /5224 (F. 10-23/82-Lib.).—On the recommendations of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri Gurushanthapra, Kumaranpa to officiate as Assistant Librarian (Kannada) in the National Library. Calcutta in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-HB-35-880-40-1000-EB-40-1200 /- (G.C.S. Group 'B' Gazetted) (Non-Ministerial) with effect from the forenoon of the 29th November, 1985.

ASHIN DAS GUPTA Director

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING (FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 27th October 1986

No. A-32014/4/83-RC.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, the Chief Producer,

Films Division has appointed Shri R. U. Khapekar, Officiating Assistant Newsreel Officer, Films Division, Patna to officiate as Cameraman in the Films Division office at New Delhi in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 with effect from the forenoon of 12-9-1986, until further orders.

N. N. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer

# MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPTT. OF AGRICULTURE & COOPERATION) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 27th October 1986

No. 5-36/86-Estt. (I).—On the recommendations of Departmental Promotion Committee (Group 'B') of the Directorate of Extension, Shri O. P. Gupta is appointed substantively to the permanent post of Assistant Editor (Hindi), General Centural Service, Group 'B' (Gazetted) with effect from 1-9-1985.

R. G. BANERJEE Director of Administration

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 31st October 1986

No. PA/73(18)/86/R-IV/1166.—The Connrtoller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Sanjeev Nilkanth Deshpande as Resident Medical Officer (Locum) in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 1-10-86 to the afternoon of 14-11-1986.

C. G. SUKUMARAN Dv. Establishment Officer

#### Bombay-400 085, the 7th November 1986

No. S/3931/Est. II/4487.—Dr. Lalit Hari Sharma relinquished charge of the post of Hindi Officer on 8-10-1986 (AN) consequent on resignation

K. VENKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT NAPP Township, the 4th November 1986

No. NAPP/Rectt/29/Aug. 86/S/17202.—Project Director, Narora Atomic Power Project, hereby appoints the following Scientific Assistant 'C' of the Narora Atomic Power Project to the grades mentioned against each in the same project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the August 1, 1986 until further orders.

S. No.	Name of officer	Present Grade	Grade to which appointed
1. Sh	ri O. P. Singh	Scientific Assistant 'C'	Scientific Officer/ Engineer Grade- SB.
2. Sh	ari B. Menghani	. Scientific Assistant 'C'	Scientific Officer/ Engineer Grade- SB.

The above officers have assumed charge of the post of Scientific Officer/Engineer Grade-SB in the forenoon of August 1, 1986.

SAMIR HUKKU Chief Administrative Officer

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

#### Hyderabad-500 762, the 25th October 1986

No. NFC/PAR/0703/1890.—Deputy Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex, appoints Shri N. Bharathan, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on adhoc basis with effect from 6-10-1986 to 5-11-1986 or until further orders, whichever is earlier.

#### The 30th October 1986

No. NFC/PAR/0704/1926.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0704/1801 dated October 4. 1986, the appointment of Shri A. Pappachan, Assistant Accountant as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on ad-hoc basis is extended upto 29-11-1986 or until further orders, whichever is earlier.

No. NFC/PAR/0704/1927.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0704/1800 dated October 4, 1986 the appointment of Shri N. S. Ajai Kumar, Steno Grade III as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on adhoc basis is extended upto 29-11-1986 or until further orders, whichever is earlier.

GOPAL SINGH Manager, Personnel & Admn.

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 11th September 1986

No. A. 31013/2/85-ES(EI).—The President is pleased to appoint Shri Satindra Singh in the post of Deputy Director/Regional Controller of Air Safety (Engg.) in a substantive capacity in the said grade with effect from 1-5-1985 in the Civil Aviation Department.

M. BHATTACHARJEE
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

#### New Delhi-110 066, the 9th October 1986

No. A. 32013/9/84-EC(.).—The President is pleased to extend the period of adhoc appointment of the following Assistant Communication Officers in the post of Communication Officer in the Civil Aviation Department for the period shown against each:—

S. No.	Name		Date	
(NO.			From	To
-	S/Shri	-	,	
01.	G. K. Rao .		01-04-86	31-05-86
02.	M. Subramanian		01-04-86	31-05-86
03.	Gurmail Singh		01-04-86	31-05-86
04.	B. S. Gusain .		01-04-86	31-05-86
05.	S. K. Das .		01-04-86	31-05-86
06.	S. V. Cholkar .		01-04-86	31-05-86
07.	L, S, Govila .		01-04-86	31 <b>-</b> 05-86
08.	D, K. Chowdhury		01-04-86	31-05-86
09.	V. I. Ramamurthy		01-04-86	30-04-86
10.	A. N. Biswas .		01-04-86	31-05-86
11.	B, N. Sarkar		01-04-86	31 05-86
12.	B, K, Biswas .		01-04-86	31-05-86
13.	P. R. Ganguly		01-04-86	31-05-89

S.	Name		Date	
No.		_	From	То
	S/Shri			
14.	R. S. Bhagirath		01-04-86	31-05-86
15.	S. K. Pal .		01-04-86	31-05-86
16.	J. C. Dey Sarkar		01-04-86	31-05-86
17.	S. L. Sardana .		01-04-86	31-05-86
18.	S. R. Deshpande		01-04-86	31-05-86
19.	Gajram Singh	,	01-04-86	31-05-86
20.	D. N. Sunc .		01-04-86	31-05-86
21.	R. K. Modak		01-04-86	31-05-86
22.	B. C. Biswas (SC)		16-07-85	31-05-86
23.			01-04-86	31-05-86
24.			01-04-86	31-05-86
25.	•		01-04-86	31-05-86
26.	R. Govindarajalu		01-04-86	31-05-86
27.	•		01-04-86	31-05-86
28.			01-04-86	31-05-86
29.	•		01-04-86	31-05-86
30.	V. G. Sundararama	n	01-04-86	31-05-86
31.	G. N. Oka		01-04-86	31-05-86
32.	M. S. Gogate .		01-04-86	31-05-86
33.	S. Burman .		01-04-86	31-05-86
34.	S. P. Sengupta		01-04-86	31-05-86
35.	H. S. Tuli		01-04-86	31-05-86
36.	C. R. Guha .		01-04-86	31-05-86
37.	R. K. D. Chowdhui	:y	01-04-86	31-05-86
38.	J. P. Gupta .		01-04-86	31-05-86
39.	M, S. Deol .		01-04-86	31-05-86
40.			.01-04-86	31-05-86
41.	M. G. Sandell		01-04-86	31-05-86
42.	Tirath Singh .		01-04-86	31-0 <b>5-</b> 86
43.	M.R. Rajarishi		01-04-86	31-05-86
44.	P. G. Chandrana		01-04-86	31-05-86

2. The extension of the period of adhoc appointment of the above mentioned officers shall not bestow on them any claim for promotion to the grade of Communication Officer on regular basis and the period of serivice rendered on adhoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Communication Officer or for promotion to the next higher grade.

M. BHATTACHARJEE Dy. Director of Administration

#### CALCUTTA-I

Calcutta, the 29th September 1986

Subject:—Promotion, transfer and posting in the grade of Superintendent of C. Ex. Gr. 'B'

#### I. Promotion

No. 245/86.—The following Inspectors of Central Excise in the combined cadres of Collectorates of Central Excise, Calcutta-I/II/Bolpur are hereby appointed provisionally on

promotion to officiate in the grade of Superintendent of Central Excise, Group 'B' in the prescribed time scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810- EB -35-880-40-1000- EB -40-1200/- plus usual allowances as admissible under the rules w.e.f. the date they assume charge of the higher post (Superintendent of Central Excise, Group 'B') at the place of their posting and until further orders.

SI. Name	Existing Posting	
S/Shri		
1. Sushil Kr. Paul	Dum Dum Division, Range-IV. C. Ex. Cal-II Coll'te.	
2. Samir Ranjan Dutta Sarma	C. Ex. Cal-'D' Dn., Cal-I Coll'te.	
3. Tarun Kumar Ghosh .	C. Ex. Cal-'B' Dn. Cal-I Coll'te.	

The above mentioned promotee officer is further warned that their appointment in Group 'B' posts is purely provisional and subject to revision/modification against the post allotted to direct recruits and other officers to whom the Govt. may eventually decide to allocate the posts.

In other words the officer promoted provisionally will be brought to rosters along with direct recruits (when they became available in accordance with the instructions contained in the Ministry of Home Affairs Order No. 9/11/55/SRPS dated 22-12-59 and if they become surplus to the establishment at the time they will be reverted.

Their promotion will be subject to final outcome of the Writ petition C.R. No. 8496(W) of 1984 filled by Shri Gour Kumar Dey, Inspector (S.G.) and in pursuance of the order in the contempt applications one post has continued to be kept vacant.

This promotion is also subject to the final outcome of the Writ Petition filed by Shri S. R. Dutta Sharma, Inspector and other on reservation matters.

#### H. Transfer and Posting

The following postings and transfers are hereby ordered with immediate effect and until further orders.

SI. No.	Name of the Officer	Existing posting	Posting in promotion/ transfer
S/	Shri		
1. Su	shil Kumar Paul	Dum Dum Dn. Range-IV. C. Ex. Cal-II Coll'te.	C. Ex. Bolpur Coll'te.
	mir Ranjan Dutta rma	C. Ex. Cal-'D' Dn. Cal-I Coll'te	C. Ex. Cal-II . Coll'te.
3. Ta	run Kumar Ghosh	C. Ex. Cal-B' Dn. Cal-I Coll'te.	Durgapur Steel Divn. under C. Ex. Bolpur Coll'te,
4. Sa	intosh Kr. Dutta	Under order of transfer to Durgapur Steel Divn, vide Estt. Order No. 220/ 86 dt. 29-8-86.	C. Ex. Cal-II Coll'te, in partial modifi- cation of the Estt. Order referred to in Col. 3.
5. Sa	illendra Nath Poddar .	Bolpur Coll'te.	Export Refund Branch of Cal-1 Coll'te.

PART III-Sec. 1]

The copy of the certificate of transfer of charge indicating the dates of assumption of charge of Superintendent C. Ex. Gr. 'B' by promotee/transfer may be forwarded to the Dy. Collector (P & E) C. Ex. Cal-1/II/Bolpur.

The promotee officers should exercise his options within one month from the date of promotion regarding fixation of pay on promotion in terms of Ministry of Home Affair's O.M. No. F./7/1/80/Estt./Pt. 1 dated 26-9-81.

The officers should be relieved immediately by local arrangement.

#### The 9th October 1986

Subject:—Promotion, transfer and posting in the grade of Superintendent, Gr. 'B'

#### I. Promotion

No. 255/86.—The following Inspector of Central Excise No. 255/86.—The following Inspector of Central Excise in the combined cadres of Collectorates of Central Excise, Calcutta-1/II/Bolpur is hereby appointed provisionally on promotion to officiate in the grade of Superintendent of Central Excise, Group 'B' in the prescribed time scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810- EB -35-880-40-1000- EB -40-1200/- plus usual allowances as admissible under the rules w.e.f. the date he assumes charge of the higher post (Superintendent of Central Excise, Group 'B') at the place of his posting and until further orders of his posting and until further orders.

Sl. Name	Existing posting
No.	
1. Sri Saroj Kumar Sengupta	Cal-'I' Division C. Ex. Cal-J Coll'te.

The above mentioned promotee officer is further warned that his appointment in Group 'B' posts in purely provisional and subject to revision/modification against the post allotted to direct recruits and other officers to whom the Govt. may eventually decide to allocate the posts. E.

In other words the officer promoted provisionally will be brought to rosters along with direct recruits (when they became available in accordance with the instructions contained in the Ministry of Home Affairs Order No. 9/11/55/SRPS dated 22-12-59 and if he become surplus to the catablishment at the time he will be reverted.

His promotion will be subject to final outcome of the Writ petition C.R. No. 8496(W) of 1984 filled by Shri Gour Kumar Dey, Inspector (S.G.) and in pursuance of the order in the contempt applications one post has continued to be kept vacant.

This promotion is also subject to the final outcome or the Writ Petition filed by Shri S. R. Dutta Sharma, Inspector and other on reservation matters.

#### II. Transfer and Posting

The following posting and transfer is hereby ordered with immediate offect and until further orders.

SI. No.	Name of Officer	Existing posting	Posting in promotion/ transfer.
	Saroj Kumar gupta.	Cal-'I' Divn. C. Ex. Cal-I Coll'te.	T & A Branch (Hdqrs. Office)

The copy of the certificate of transfer of charge indicating the date of assumption of charge of Superintendent of C. Ex. Gr. 'B' by promotee/transfer may be forwarded to the Dy. Collector (P & E) C. Ex. Cal-1/II/Bolpur.

The promote officer should exercise his options within one month from the date of promotion regarding fixation of

pay on promotion in terms of Ministry of Home Affair's O.M. No. F)/7/1/80/Estt./Pt. 1 dated 26-9-81.

The officers should be relieved immediately by local arrangement.

Subject:—Promotion, transfer and posting in the grade of Superintendent, Gr. 'B'

#### I. Promotion

No. 264/86.—The following Inspector of Central Excise in the combined cadres of Collectorates of Central Excise, Calcutta-I/II/Bolpur is hereby appointed provisionally on promotion to officiate in the grade of Superintendent of Central Excise, Group 'B' in the prescribed time scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810- EB -35-880-40-1000- EB -40-1200/- plus usual allowances as admissible under the rules w.e.f. the date he assumes charge of the higher post (Superintendent of Central Excise, Group 'B') at the place of his posting and until further orders.

SI. No.	Name	Existing posting
1. Sri An	il Chandra Kar	Calcutta-'E' Dn. Calcutata-I Collectorate.

The above mentioned promotee officer is further warned that his appointment in Group 'B' posts is purely provisional and subject to revision/modification against the post allotted to direct recruits and other officers to whom the Govt. may eventually decide to allocate the posts.

In other words the officer promoted provisionally will be brought to rosters along with direct recruits (when they become available in accordance with the instructions contained in the Ministry of Home Affairs Order No. 9/11/55/SRPS dated 22-12-59 and if he become surplus to the establishment at the time he will be reverted.

His promotion will be subject to final outcome of the Writ petition C.R. No. 8496(W) of 1984 filled by Shri Gour Kumar Dey, Inspector (S.G.) and in pursuance of the order in the contempt applications one post has continued to be kept vacant.

This promotion is also subject to the final outcome of the Writ Petition filed by Shri S. R. Dutta Sharma, Inspector and other on reservation matters.

#### 11. Transfer and Posting

The following postings and transfers are hereby ordered with immediate effect and until further orders.

SI. Name of the officer No.	Existing posting	Posting in promotion/transfer.
1. Sri Anil Chandra Kar .	Cal-'E' Dn., Cal-I	Bolpur CE., Coll'te.
2. Sri Nirad Ranjan Biswas	C. Ex. Coll'te., Bolpur.	C. Ex. Cal-'G' Dn., Cal-1.

The copy of the certificate of transfer of charge indicating the copy of the certificate of transfer of charge indicating the dates of assumption of charge of Superintendent of C. Ex. Gr. 'B' by promotee/transfer may be forwarded to the Dy. Collector (P & E) C. Ex. Cal-I/II/Bolpur.

The promotee officers should exercise his options within one month from the date of promotion regarding fixation of pay on promotion in terms of Ministry of Home Affair's O.M. No. F)/7/1/80/Estt./Pt. 1 dated 26-9-81.

> C. BHUJANGASWAMY Principal Collector Customs & Central Excise Calcutta-I

#### CENTRAL WATER COMMISSION

#### New Delhi-110 066, the 29th October 1986

No. A-19012/812/80-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Asif Ali working as Extra Assistant Director (Engg.) on ad-hoc basis to the same grade in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 31-12-1984 until further orders.

No. A-19012/1036/83-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri M. N. Sarkar, Jr. Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 for a period of one year or till the post if filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the afternoon of 14-8-86.

No. A-19012/1205/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ramala Jamalaiah, Jr.

Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 for a period of one year or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 23-8-1986.

#### The 30th October 1986

No. A-19012/1194/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri D. Ramanandha Rao, Jr. Engineer, to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 30-8-86.

M. R. SINGLE Under Secv. Central Water Commission

#### FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Calcutta, the 8th October 1986

No. 1097/86-87.—Whereas, I, G. C. SRIVASTAVA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.—situated at Jalpaiguri No. 51M, 52M, 56M situated at Jaggitpur Jwalapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Haridwar under registration No. 632 dated 27-2-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Inclitating the reduction or evaluate of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Paras Kumar Jain S/o
 Late Shri Bhagwant Rai Jain
 Smt. Mira Kumari Jain W/o Paras Kumar Jain etc.
 R/o Bhagwant Kuti, Kankhal, Haridwar.

(2) U.P. Shakari Awas Sangh Ltd. Lucknow
Through Shri D. L. Yerma Managing Director
Lucknow.

(Transferce)

(Person(s) in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 51M. 52M, & 56M, Tah. Haridwar, Saharanpur.

G. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-10-1986

Seal:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 8th October 1986

No. Mr1098/86-87.---Whereas, I.

G. C. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No: 232, 486, 545 situated at Dadari Ghaziabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 1500 per the Company of the Transmeter Act. 1961 in the Office of the Company of the Com

269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Dadari under registration No. 1593/8/56/6 dated February

1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the treveler; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in purvance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Alak Gupta S/o Shri Chetan Swarup Gupta R/o 29 Nazafgar Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M s Niraj Ispat Industries Ltd. Through Shri Nirai Chowdhary S/o Haryant Choudhary, Ghaziahad

(Transferee)

(3) —Do—

(Person(s) in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the narries of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land No. 232, 486 and 545 Dadari, Ghaziabad.

G. C. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-10-1986

Seal :

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 8th October 1986

No. M-1098/86-87.---Whereas, I,

G. C. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 1256, 1161 situated at Tusiyara,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadari under registration No. 1634-35 dated 18-2-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incommuna Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, rr the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jagir Singh S/o Jai Mal Singh, Vill. Chhasiyan Vale P.O. Malot-Mandi. Faridkot. (P.B.).

(Transferor)

(2) M/s Hindustan Computers Ltd. G-8-9-Set III—NOIDA. Through J. Vijay.

(Transferee)

(3) ---Do---

(4) —Do— (Person(s) in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

#### THE SCHEDULE

Ag. land No. 1256, 1161 at Vill, Tusiyana Dadari, Ghaziabad.

> G. C. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following peraons, namely:-

Date: 8-10-1986

Scal:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 8th October 1986

No. M-1100/86-87.--Whereas, I.

G. C. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and No. situated at Mirazapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority at Ghaziabad under registration No. 18883 dated 1-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Jamil Ahmad. Vill, Khera, Hapur, Ghaziabad.

(Transferor)

(Transferce)

- (2) Vishal Sahkari Avas Samiti Ltd. Dadarl, B-4 U.P. State Industrial Area, Lori Road Patel Nagar Ghaziabad Through A.K. Agarwal south Ext. Part I, New Delhi.
- (3) ---Do---(Person(s) in occupation of the property)
- (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Ag. land at Vill. Mirajapur Loni Ghaziabad.

G. C. SHRIVASTAVA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

Date: 8-10-1986

Seal:

FORM CINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 8th October 1986

No. M-1101/86-87.—Whereas, I,

G. C. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding its, 1,00,000/- and bearing No. situated at Mirzapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ghaziabad under registration No. 18885 dated 1-2-86,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said test, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesakl property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-19-346GI/86

(1) Shri Shabbir Ahmad, Yill. Khera. Pilkhua, Ghaziabad, Through Ashok Kumar, D-31 South Ext. New Delhi (Transferor)

(2) Vishal Sahkari Avas Samiti Ltd., Dadari, B-4 U.P. State Industrial Area Moban Nagar Through A.K. Agarwal D-31 South Fxt. New Delhi.

(3) —Do— (Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do--(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ag. land area 511/4+8+15 Pukhta at Vill. Mirazapur, Ghaziabad.

> G. C. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-10-1986

#### 25954 THE GAZETTE OF INDIA, NOVEMBER 29, 1986 (AGRAHAYANA 8, 1908) [PART III—SEC. 1

#### FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 8th October 1986

No. M-1102/86-87.---Whereas, I, G. C. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 241 situated at Vill. Hamitpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 1242 dated 1-2-86,

Dadri under registration No. 1242 dated 1-2-50, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Atul Satsangi & others. S/o Guru Prasad Statsangi, vill. Hasanpur, Loni, Dadri, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Neelam Behar Sahkari Awas, Samiti Ltd., through Prakash Chand, R/o V-34-A, Bhagirthi Behar, Kurmwal Nagar, Road, Delhi.

(Transferee)

(3) —Do---

(Person(s) in occupation of the property)

(4) --- Do--(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Khasara No. 241, Vill. Hasanpur, Merapur, Lone, Dadri, Ghaziabad.

> G. C. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-10-1986

#### CONTRACTOR OF THE CONTRACTOR O FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 8th October 1986

No. M-1103/86-87.—Whereas, I, G. C. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1258, 1259, 1162 situated at Tusiyana, (and more fully described in the Schedule annexed herefo).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act 1961, in the office of

the Competent Authority at Dadari under registration No. 1470 dated 12-2-86,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Jagjit Singh, Joginder Singh and others, Vill. Surajpur Dadari, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Indian Communication Network Ltd. D-10 Commercial Complex Vasant Bihar, New Delhi-110057, through, P.K. Sanghi.

(Transferee) (3) —Do—

(Person(s) in occupation of the property) (4) — Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ag. land No. 1258, 1259, 1162, Area 18. Bigha 13 Bigwa. at Vill, Tusiyana, Dadari, Ghaziabad.

> G. C. SHRIVASTAVA Competent Authority Impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-10-1986

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 8th October 1986

No. M-1104/86-87.—Wheras, I, G. C. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1257, 1258, situated at Tusiyana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Competent Authority at

Dadari under registration No. 1468 dated 12-2-86,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to balieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

 Jasbeir Singh, Raghu Bir Singh S/o Sh. Jagjit Singh, Joginder Singh and others R/o Suraja nur Dadari haziabad,

(Transferor)

(2) Indian Computer Software Company Ltd., 96, Nebru Place New Delhi-110019, through Sri. K.P.G. Nair.

(Transferce)

(3) -Do-(Person(s) in occupation of the property)

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the subjection of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ag. land No. 12572 & 1258 Area 16 Bigha 13 Biswa at Yıll. Tusiyana, Dadari, Ghaziabad.

G. C. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-10-1986

FORM ITNS ----

(1) M/s. Madgul Udyog

(Transferor)

(2) M/s Sudera Enterprises (P.) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1986

Ref. No. 2369/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 176 situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, under registration No. 37EE/R-III/668 48DD(4) of Income-Tax Rules, 1962 dated 12-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanster with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any taseme arising from the transfer; said/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5B having an area of 2200 Sq. ft. at 176, Sarat Bose Road, Calcutta, Registered before I.A.C., Acqn. R-III, Cal, vide 37FE/Acq.R-III/668, dated 12-2-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Dated : 6-10-86

#### (1) M/s. Ballygunge Estates.

(Transferor)

(2) Smt. Lata Gupta

(Transferee)

### NO FICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1986

Ref. No. 2370/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, 1, I. K. GAYEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 207 situated at Sarat Bose Road, Calcutta

No. 207 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, under registration No. 48DD(4) of Income-Tax Rules, 1962 37EE/R-III/669 dated 12-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3A having an area of 1700 Sq. ft. at 207, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/669 dated 12-2-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 6-10-86

(1) Sasan'ta Sekhar Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Pwanmall Kedia. 2. Narayan Prasad Kedia

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1986

Ref. No. 2371/Acq R-III/Cal/86-87.—Whereas, I. I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding As. 1,00,000/- and bearing No. 7C situated at Dover Lane, Calcutta-29

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R.A., Cal., under registration No.

48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 I 1758 on 5-2-86,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring about 3 Cottahs 6 Chittaks & 12 Sq. ft. at 7C, Dover Lane, Calcutta-29. Registered before S.R.A., Calcutta vide Deed No. 1 1758 dated 5-2-1986.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 6-10-1986

FORM I.T.N.S.

(1) Amal Kumar Sen & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. The Central Chinmaya Mission Trust. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

#### (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCLTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 6th October 1986

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 2372/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, 1, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding As. 1,00,000/- and bearing No. 180B situated at Sarat Bose Road. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A., Cal., under registration No. I 2582 on 21-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that three storeyed brick built dwelling house together with land containing an area of 3 Cottahs 5 Chittaks & 15 Sq. ft. at 180B, Sarat Rose Road, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta.

I. K. GAYEN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-III

54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1986

(1) M/8. Lions Commercial Co. Ltd.

may be made is writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) M/s. Ramesh Company.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1986

Ref. No. 2373/Acq.R-HI/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2 situated at Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at I.A.C., Acq. R-III, Cal., under registration No. 37EE/R-III/659 on 10-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-lax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wicalth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Unit No. 7& 8 on 4th floor at 2, Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37FE/Acq. R-III/659 dated 10-2-1986,

> I. K. GAYEN aspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-20-346GI/86

Date: 6-10-1986

(1) M/s. K. C. Mitra Construction Private Limited.
(Transferor)

(2) Oil India Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1986

Ref No. 2374/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 50 situated at Chanditala Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta, under registration No. I 3511 on 28-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid anseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (i1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with na period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

9324.36 Sq. ft. of land together with building at 50, Chanditala Lane, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 1 3511 dated 28-2-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1986

(1) M/s. Ramgopal Gancriwala Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Brijlall Shivnath.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI. CALCUITA

Calcutta, the 6th October 1986

Ref. No. 2375/Acq.R-III/Cal/86-87.--Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to beleve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 4.00,000/- and bearing

No. 2 situated at Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the 269AB of I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III. Cal., under registration No. 37J:E/R-III/695 dated 25-2 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) l'acilitating the concentment of any income et any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persorn, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by amy other person interested in the immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in Official Gazetta.

EXPLANATION . -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Unit No. 3 & 4 on 4th floor measuring an area of 1531.48 Sq. ft. at 2, Narendia Chandra Dutta Sarani, Calcutta. Registered before I.A.C. Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/695 dated 25-2-1986.

I. K. GAYEN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 6-10-1986

(1) Sri Pradeep Raj Bakshi.

(Transferor)

(2) Sri Purushottam Das Saraf.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCLTTA

Calcutta, the 6th October 1986

Ref. No. 2376/Acq.R-III/Cal/86-87.--Whereas, I, I. K. GAYEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1C situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta

No. 1C situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer under registration No. 37FE/R-III/683, dated 21-2-86,

under registration No. 37FE/R-III/683, dated 21-2-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more han lifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the said Act or the Wealth-tax (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 107 on 2nd floor measuring 2000 Sq. ft. at 1C, Ballygunge Circular Road, Calcutta. Registered before 1.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/683 dated 21-2-1986.

I. K. GAYEN
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Date: 6-10-1986

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely;

(1) Sayced Jabbar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Pannalal Jaiswal & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1986

Ref. No. 2377/Acq.R-III/Cul/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. 4A situated at Palm Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at at S.R.A., Cal., under registration No. I 2076 on 10-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or tay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that land measuring 14 Cottahs at 4A, Palm Avenue, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 1 2076 dated 10-2-1986.

I. K. GAYEN
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-10-1986

(1) Preeti Commercial Company Pvt. Ltd. & Ora. (Transferor)

(2) Madanial Agencies Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1986

Ref. No. 2378/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, 1, 1. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2 situated at Clive Ghat Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
have been trop-formulated resistance. has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, under registration No. 37EE/R-III/643 dated 3-2-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Unit No. 1 on 3rd floor measuring 1829.81 sq. ft. at 2. Clive Ghat Street, Calcutta, Registered before IAC., Acq.R-IIII, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/643 dated 3-2-1986.

I. K. GAYEN Competent Authority Acquisition Range-III Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-10-1986,

#### (1) Shri Ghanashyam Das Bagri & Ors.

(Transferor)

(2) Sri Dinesh Bagaria (HUF), & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1986

Ref. No. 2379, Acq.R-III / Cal / 86-87.--Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000. - and bearing

No. 17, situated at Ballygunge Park Road, Cal.,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acq.R-III, Calcutta, under registration No. 37EE/R-III/689 dated 24-2-1986, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential Flat No. 35, covered area 3750 sq. ft. at 17, Ballygunge Par Road, Cal-19 Registered before IAC., Rcq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/689 dated 24-2-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-111 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 6-40-1986.

(1) Devidar Kumar Subarwal.

(Transferor)

(2) Saraogi Jute Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1986

Ref. No. 2380/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 23 situated at Mandevilla Gardens, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acq.R-III, Calcutta, under registration No. I-2613 dated 21-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act, is respect of any income urising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that area of 17 Cottahs land together with one storeyed building at 23, Mandevilla Gardens, Calcutta, Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. I 2613 dated 21-2-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Rond, Calcutta-16

Date: 6-10-1986.

FORM ITNS

(1) New Tobacco Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Duncan Agro Industries Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMFD KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1986

Ref. No. 2381/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1 & 2 situated at Old Court House Corner Cal.

No. 1 & 2 situated at Old Court House Corner Cal.
and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at I.A.C., Acq.R-III. Calcutta, under registration No.
I-2731 dated 24-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said hastrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a paried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereig as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that the premises No. 1 & 2, Old Court House Corner, Calcutta., Registered before SRA Cal. vide Deed No. I-2731 dated 24-2-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

Datc: 6-10-1986.

Seal :

21-346GI/86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. L.C.L S. Services Ltd & 2.Onar Investment Company.

(1) Dawood Ismail Paruk & Ors.

(Transferor)

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 6th October 1986

Ref. No. 2382/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property baying a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. 5 situated at Gurusaday Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq.R-111, Calcutta, under registration No. I-1725 dated 4-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 .27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immeable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Premises No. 5, Gurusaday Road, Cal-19, having an area of 1 bigha 5 Cottahs 12 Chittaks & 29 Sq. ft. Registered before SRA. Calcutta, vide ded No. I-1725 dated 4-2-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-111 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 6-10-1986.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd September 1986

Ref. No. P.R. No. 4406 Acq.23/1/86-87.-Whereas, 1, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

I. and adm. 9476.3 sq. ft. Built up area 379.69 sq. mtrs. —455 sq. yds. at Savsar Plot Morvi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Morvi on 28-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :---

(1) 1. Amratlal Mansukhlal Maheta

2. Rajnikant Mansukhlad Maheta 3. Rameshchandra Mansukhlal Maheta

4. Anantray Mansukhlal Maheta Nos. 1 & 2 residing at Morbi House Gova Street, 3rd Floor, Fort, Bombay-No. 3 & 4 residing at 32, Princess Street, Bombay-2.

(Transferor)

(2) M/s Navrachana Developers Mnndvi Chowk, Jutha Doshi's Sheri--Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other rerson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 9476.3 sq. ft. built up area 379.69 sq. mtis.—455 sq. yds. at Savsar Plot Morvi Dist: Rajkot R. Nos. 1451, 1453, 1454 & 1452 Dt: 28-7-1986.

B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 23-9-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd September 1986

Ref. No. P.R. No. 4407 Acq.23/1/86-87.--Whereas, I, B. R. KAUSHIK.

B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable propery having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land adm. 9476.3 sq. fts. = 1052 sq. yds. and built up area 370.65 sq. mtrs. =444 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 1908) in the office of the registering officer at Morvi on 28-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-tall exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanter with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1942 (11 et 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Rameshchandra Mansukhlal Padmaben Rameshchandra Shritin Rameshchandra 32. Princess Street-Bombay-2,

(Transferor)

(2) M/s Navrachana Developers Mandvi Chowk-Jutha Doshi's Sheri Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 9476.3 sq. fts. and built up area 370.65 sq. mtrs. -444 sq yds. situated at Savsar Plot Morvi Dist. Rajkot.

> B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad

Dated: 23-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_\_\_\_\_

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd September 1986

Ref. No. P.R. No. 4408 Acq.23/1/86-87.—Whereas, 1, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 435/1 and 435/4 Plot Nos. 3 and 6

Land adm. 1198.70 sq. mtis, on Kalawad Road

Nr. Amin Marg, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Morvi on 28-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) (acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Vanitaben Dhirajlal Ghelani 20-32 Ahmad Kidvai Road, Vandana Block No. 12-12 Vadala, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s Star Builders-20, New Jagnath Plot, Raikot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

S. No. 435/1 and 435/4 plot Nos. 3 and 6 land adm. 1198.70 sq. mtrs. Kalawad Rd. Nr. Amin Marg, Rajkot.

> B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suiti Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 23-9-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd September 1986

Ref. No. P.R. No. 4409 Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. No. F2-119 land adm. 317.02 sq. mtrs. Shops Godowns etc. 274,17 sq. mts. in Grain Market

Jammagar. situated at Morvi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Morvi on 28-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Ambica Construction, a registered partnership firm 36-37, Hatkeshwar Socy, Nr. Kasturba Vikas Grah Jamnagar. (Transferor)
- (2) Shri Jamnagar District Co-op. Kharid Vehan Sangh Ltd. Manager—Sh. Hasm khabhai Shantilal Viramgami, K.V. Road, Jamnagar.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The torins and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this chapter.

#### THE SCHEDULE

C.S. No. F-2-119 land adm. 317.02 sq. mtrs. Shops Godown etc. 274.17 sq. mtrs. in Grain Market, Jamnagar R. No. 2759 Dt: 16-9-1986.

> B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 23-9-1986

#### FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-L AHMEDABAD

Ahmedabad, the 231d September 1986

Ref. No. P.R. No. 4410 Acq.23/1/86-87.—Whereas, I. B. R. KAUSHIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land adm. 822 sq. mt. + Bldg. thereon at Ahmedabad TPS. 3 FP No. 985 SP No. 3 A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad in September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair markket value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of !—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the wild Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Sh. Tusharbhai Rasiklal Shah Smt. Jyotshnaben Tusharbhai Shah 1/3rd Jai Sefali Socy. S M. Road, Ambawadi—A'bad-15.

(Transferor)

(2) Emerland Green Association Chairman—Shailesh N, Seth C/o Silvar Oak Building Nr. Mahavir Towers, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferce)

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 822 sq. m. + Bldg, thereon at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 985 SP No. 3 paiki Hissa B. A'bad. R. No. 14226 Dt: 21-8-86/Sep. 86.

B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the similarities of Section 269D of the said Act, to the following atoresaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Dated: 23-9-86

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Gaurang Bansidhar Nagari Pookaj Bansidhur Nagari Nagari Park C.G. Road Paldi —Ahmedabad-6,

(Transferor)

(2) Sh. Narayan Tukaram Baddi (HUF) 'Nagari Park' C.G. Roud—Paldi, Ahmedabad-6.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad, the 23rd September 1986

Ref. No. P.R. No. 4411 Acq.23/I/86-87.--Whereas, I, B. R. KAUSHIK

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
H.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 771/2
Part A-B Land adm. 696 sq. yd. + Bldg.

situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 11-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad T.P.S. 3 F.P. No. 771/2 part A & Part B land adm. 348+348-696 sq. yd. plus Bld thereon

R. No. 11692/86+11693/86 dated 11-9-1986.

B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I, Ahmed bad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 23-9-86

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 26th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4412/I/Acq.23/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value enceeding Rs. 1,00.000/- and bearing G.F. Premises Adm. 1900 sq. ft. at Ahmedabad T.P.S. 21 F.P. No. 633/B/2 'Om Centre' with 1/3 Share in Land Adm. 620 Sq. Y. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 17-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/es
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the make Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of 'his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, is the following persons namely:—

22---346GI/86

 Jayshree Kanaiyalal Patel 63, Subena Apartments, Near M. J. Liabrary, Fllisbridge, Ahmedabad-380006.

(Transferor)

(2) 'The Sahyog Co-op. Bank Ltd. Ayojan Nagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter

### THE SCHEDULL

G.F. Premises Adm. 1900 Sq. ft. + 1/3 Right in land adm. 620 Sq. Yds. Ahmedabad T.P.S. 21 F.P. No. 633/B/2 Building known us 'Om Centre', Ahmedabad. R. No. 15932 dated 17-9-86.

B. R. KAUSHIK
Competent Authoria
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 26-9-1986

Seal ;

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 24th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4413/I/Acq23/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

movable property, having a fair market value ex Rs. 1,00,000/- and bearing
Land Adm. 768 Sq. Y. + Building at Ahmedabad
T.P.S. 3 F.P. No. 231 paiki S.P. No. 17 Ahmedabad

situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 17-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Chinubhai Dalsukhram
 Aradhna Flata
 Near Shivam Apartments,
 Naranpura, Ahmedabad-14,
 Suteshchandra Dalsukhtum
 A. Pierna Darshan Society,
 Vasha, Ahmedabad-7.

(Transferor)

 Navyug Association F.F. 1st Floor, I Building, Nilam Apartments, Hirabag, Akbawadi, Ahmedabud-15,

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Land adm. 768 Sq. Y. + Building thereon at Ahmadabad T.P.S. 3 F.P. No. 231 S.P. No. 17, Ahmedabad, 1/5 Share in two documents each, R. No. 16005, 16006 Dated: 18-9-1986.

B. R. KAUSHIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquision Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 24-9-1986

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 24th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4414/I/Acq.23/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK

being the Competent Authority under Section 269B of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Adm. 663 Sq. Y. + Plinth at Ahmedabad T.P.S. 21 F.P. No. 317 S.P. No. 18 Ahmedabad

situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 17-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely:—27—336 GI/86

(1) Rohiniben Ajaykumar Doshi by Power of A. H. Harendrabhai Ambalal Choksi, Opp. Poly Technik, Ambawadi, Ahmedabad-19.

(Transferor)

(2) Umakant Himutlal Gajjar Ramaben H. Gajjar, C/o Umakant Eng. Works
Pinitex Home, Near Forge & Blower
Naroda Road, Ahmedabad-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Adm. 663 Sq. Y. + Plinth at Ahmedabad T.P.S. 21 F.P. No. 317 S.P. No. 18 Ahmedabad. R. No. 15810 dated 17-9-1986.

> B. R. KAUS**HIK** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 24-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE-1, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 25th September 1986

Rcf. No. P.R. No. 4415 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land adm. 525 sq. yd. + Bldg. at A'bad
T.P.S. 3 FP No. 780 SP No. 27B + 29 A'bad.

situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 16-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shirishbhai Samarthlal Ved Shipki Aptt. Nr. Sanjiyani Hospital New Sharda Mandir Road, Ahmedabad, (Transferor)

(2) Pravin Ratilal Sher Dalal Siddh Giri Apartment Flat No. A/3 Opp: White House, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Adm. 525 sq. yd. + Bldg. thereon at Ahmedabad TPS. 3 FP No. 780 paiki SP No. 27B + 29—The Brahman Mitra Mandal Co.op. Hsg. Socy. Ltd. R. No. 15740 dated 16-9-1986.

> B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Dated: 25-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 25th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4416 Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, B, R, KAUSHIK

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/-ind bearing No.
H.P. at Ahmedabad Kocharab Sim S. No. 302/2

H.P. at Ahmedabad Rochards Sim S. No. 302/2 FP No. 636 Hissa No. 13/1 Land Adm. 454 sq. mtr.

+ Bldg.

situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad

on 17-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Kamlaben Ramanbhai Patel

by P.A.H. A-5 Flower Eurij Socy, Navrangpura Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Inclub Association— Chairman—Udyanbhai Sureshkumar Sandesara Shital Bag, C/o Shanti Nagar Socy, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (8) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, without a reduction taken.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad—Kochrab Sim S. No. 320/2 paiki FP No. 636 Hissa No. 13/1 Land adm. 434 sq. mt. R. No. 15866 dated 17-9-1986.

B. R. KAUSHIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquision Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 25-9-1986

### FORM I.T.N.S .--NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 25th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4417 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I. B. R. KAUSHIK

being the Competent Authority under Section 269B of the bicome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H.P. at A'bad 307 Railwaypum Wd. A'bad Adm, 155 sq. yd.

situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 19-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; TO\ DMA

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957); (1) Hasumati Bechardas Patel, 29, Ambica Socy. Usmanpura—Ahmedabad-13.

(T:ansferor)

(2) The City Co, op. Bank Ltd. Opp: Maskati Market, Railwoypura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. P. at A'bad 307. Railwaypura Ward. Adm. 155 sq. yd. A'bad. R. No. 15083 dt. 9-9-86,

> B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid repperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 25-9-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ABSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

Ahmedabad-380 009, the 25th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4418 Acq. 23-I/86-87,—Whereas I, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H. P. at Ahmedabad, Railwaypura Ward, C.S. No. 308, Land

adm. 167.22.60 sq. mtrs. + Building (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-9-1986

Aninctabau on 23-3-1900 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Haidarbhai Shaikh Nomanbhai Latif, 1st Floor—Chand Bhoy Builders, Lohar Chawl, Bombay-400 002.

(Transferor)

(2) The City Co-op. Bank Ltd. City Bank Chambers, Revdi Bazar, Railwaypura, Ahmedabad-380 002.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad Railwaypura Ward, C.S. No. 308 Land Adm. 167.22.60 sq. mtrs, + Building G.F. F.F. 2 F. R. No. 16279 dt. 23-9-86.

B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-9-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th September 1986

Rcf. No. P.R. No. 4419 Acq. 23-I/86-87.—Whereas I, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Land + old building at Ahmedabad T.P.S.—3, F.P. No. 169,
S.P. No. 2, Land adm. 97 3/5 sq. yds. in each documents
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 20-9-86

Anneadada of 200-100 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Rajan Shantilal Shah,
 Jagat Shantilal Shah,
 Sabarkunj,
 Near Gujarat High Court,
 Navrangpura, Ahmedabad-380 009.
 Varshaben Shantilal Shah,

Shri Niwas Society, Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Summer Palace Vikas Mandal, Shri Parshottamdas Hathidas Patel, Mehsana Society, Ahmedabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

#### THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad, T.P.S.—3, F.P. No. 169, S.P. No. 2, Land adm, 488 sq. yds.22+Building out of which 1/5 share in each 3 document i.e. 97 3/5 sq. yds. Land + building= 292 4/5 sq. yds. Land + Building.

R. No. 16150, 16151 dt. 20-9-86.

B. R. KAUSHIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-9-86

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4420 Acq. 23-I/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at village Bopal, Block No. 302, 298-B, 307, Adm. 2 a 22G + 1a, 18 G + 0-32G.

situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-23-346GI/86

(1) 1. Shankarbhai Ishwarbhai & Others, 2. Babuben Punjabhai & Others,

3. Khodabhai Ambaram & Others, All at Village, Bopal, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ravindra Dayashankar Vyas, Kishore Dayashankar Vyas, at Village Bopal, Dist. Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land village Bopal:

Block No. 302, 2 acrc, 22 gunthas,

Block No. 298 B 1 acrc, 18 Gunthas,

Block No. 307 0, acrc, 32 Gunthas,

R. No. 16202, 16208, 16210, Sept. 86.

B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 25-9-86

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

------

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1986

Ref. No. P.R B. R. KAUSHIK, P.R. No. 4421 Acq. 23/I/86-87.--Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
H.P. at A'bad TPS 29 F.P. No. S. No. 81 + 99 + 100 =

100-4-4-1 and adm, 355 sq. mt. Bldg. 230 sq. mtr.

situated at Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 17-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

- -a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- At facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following common namely pro(1) Chandrakantaben Badhekhabhai Panchal, B. No. 30 Shankar Socy. Vibhag No. 1 Naranpura, Ahmedabad-13,

(Transferor)

(2) Dr. Atul Gunvantrai Bhatt 9-B Kartik Swami Socy. O/s Shapur Gate, Ahmedabad.

(Transferco)

(3) Utam Steel Indust. 30 Sharkar Socy. Vibhag-I, Naranpura, Ahmedabad-13 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

#### THE SCHEDULE

H.P. at Ahmedabad T.P.S. 29 S. No. 81+99 + 100-4—1 land adm. 355 sq. mt. 4—230 sq. mtr. Ahmedabad R. No. 15925 dt.17-9-86.

> B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 26-9-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1986

Ref. No. P.R. No. 4422/I/Acq. 23 86-87.—Whereas B. R. KAUSHIK,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land Adm 1266 Sq. yd+Building thereon at Ahmedabad T.P.S. 24 F.P. No. 253

situated at Ahinedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transformed under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Abmedabad on 19-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Inco. \*-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or se Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Arvindkumar Ramanlal Jani, Kishan Gruh, Gordhanwadi Tekra, Kankariya, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Dayashankar Co-op. Hsg. Society, Proposed by Chief Organizer Maheshkumar Jayramdas Meghrajani Over A'bad Bank Building Bhairavnath Road, Maninagar, Ahmedabad

(Transferee)

(4) Morar Corporation C/o as above.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Adm. 1266 sq. Y.+Building thereon at Ahmedabad T.P.S. 24 F.P. No. 253, Sold in Two parts each 633 sq. Yd. +Building.
R. No. 15978—15973 dt. 18-9-86.

B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, marriety :---

Date: 26-9-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Meenar Builders Pvt. Ltd. Premchand House, 172,/1, Ashram Road, High Court Way, Ahmedabad-9,

(Transferor)

(2) Polyolefins Industries Ltd., Mafatlal Centre, Nariman Point, Bombay-21.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th September 1986

Ref. No. P. R. No. 4423/Acq. 23 1/86-87.—Whereas, I, B. R. KAUSHIK,

B. R. KAUSHIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

Office on 3rd Floor Premchand House, Annexee, Ashram Road, 172/1, Ashram Road, Ahmedabad Adm. 3200 Sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 1908) in the office of the registering officer at 37EE filed on 26-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office 3rd Floor in Premchand House, Annexce—Adm. 3200 Sq. ft. behind High Court, Ashram Road, Ahmedabad. 37EE filed on 26-9-1986.

B. R. KAUSHIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 26-9-86

- (1) Smt. R. R. Mhatre & Ors.
- (Transferor)
- (2) M/s. Raghunath Developers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. ARIV/37EE/25276/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovto as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Piece of land bearing C.T.S. No. 55/5A/388 pt. 55/4/392, 57/5/402, 57/6/405, 57/7/406, 58/1/394, 59/2A/386, situated in village Boriyli, Taluka Boriyli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under matter 260AR of the Incomentary Act. 1961, in the Office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-86

for an apporent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) fucilitating the reduction or availon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the seme meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece of land bearing C.T.S. No. 55[5A[388 pt., 55[4]392, 57[5]402, 57[6]405, 57[7]406, 58[1]394, 59["A[386 lying at village Borivli, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. ARIV/37EE/25276/85-86 on 3-2-86.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV,

Date: 15-10-86

- (1) M/s. Samrat Builders.
- (Transferor)
- (2) Mr. Rakesh R. Seksaria.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. ARIV/37EE/25536/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Bunglow No. A-I in Shanta Apartment at S. V. Road, Kandivli (W), Eombay-67 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable Property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bunglow No. A-I in Shanta Apartment at S. V. Road, Kandivli (W). Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. ARIV/37EE/25536/85-86 on 3-2-86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-JV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-86

(1) PARV—Deep Enterprises.

(Transferor)

(2) Amit Trust.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. ARIV/37EE/25571/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.

grd. floor & busement with garrage at Purv Deep, Apartment, Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)i

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) or section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Entire ground floor and basement with garrage in Purv Deep Apartment, Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/25571/85-86 on 3-2-86.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 15-10-86

(1) M/s. Arch Decon.

(Transferor)

(2) M/s. Padmavati Builders.

(Transferec)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. ARIV/37EE/25599/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. plot bearing S. No. 37, H. No. 11, C.T.S. No. 308 (pt) at

Kandivli, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ner cont of such apparent consideration. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Piece of land bearing S. No. 27, H. No. 11, C.T.S. No. 308(pt) of Kandivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EF/25599/85-86 on 28-2-86.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa a property by the issue of this notice under arb-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perns, namely ;---

Date: 15-10-1986

(1) H. B. Mishra & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. M. K. Foundations.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. ARIV/37EE/25134/85-86.—Whereas, 1 LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. plot of land bearing S. No. 319, H. No. 7, S. No. 320, H. No. 7, C.T.S. No. 1438 & 1437 at Village Dahisar Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 3-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land bearing S. No. 319 H. No. 7, S. No. 320 H. No. 7, C.T.S. No. 1438 & 1437 at Village Dahisar.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. ARIV/37EE/25134/85-86 on 3-2-86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—24—346GI/86

Dt.: 15-10-1986.

(1) M/s. Omkar Construction Co.

(Transferor)

(2) M/s. M. K. Foundation.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. ARIV/37EE/25133[85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing No.
Plot of land bearing S. No. 66, H. No. 9A, S. No. 68,
H. No. 14, at Village Dahisar (E), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any rnoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weatth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under material (1) of Section 269D of the said Act, to the following Date: 15-10-1986

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land bearing S. No. 66, H. No. 9-A, S. No. 68, H. No. 14, at village Bhagila Pada Shivaji Rd., Dahisar (E),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. ARIV/37EE/[25133]85-86 on 3-2-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

10t,: 15-10-1986.

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. ARIV/37EE/25139[85-86.—Whereas, 1, AXMAN DAS,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the Immovible property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. - and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. - and bearing survey No. 116, Hissa No. 1, CTS No. 605, 606, 607, 609, 510 & 611, Survey No. 117, Hissa No. 2, CTS No. 590, 591, 592 and 617; Survey No. 117, Hissa No. 20, CTS No. 594, Survey No. 118, Hissa No. 1, CTS No. 631, Survey No. 118, Hissa No. 3, CTS No. 632, Survey No. 118, Hissa No. 92, CTS No. 632, Survey No. 118, Hissa No. 927 Survey No. 121, Hissa No. 20, CTS No. 644, Survey No. 121, Hissa No. 6 (Part), CTS No. 548, 637, 539, 640, 641 & 658, S. No. 134, H. No. 2 & 3 CTS No. 333, 839 & 845

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

3ombay on 3-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. R. Motiram Mhatre & Ors.

(Transferor)

(2) United Builders & Developers.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Lands bearing S. No. 116, Hissa No. 1, CTS No. 605, 606, 607, 609, 610, & 611, S. No. 117, Hissa No. 2, CTS No. 590, 591, 592 & 617, Survey No. 117, H. No. 20, CTS No. 594, S. No. 118, Hissa No. 1, CTS No. 631, S. No. 110, Hissa No. 3 CTS No. 663, S. No. 118, Hissa No. 9, CTS No. 623, S. No. 121, Hissa No. 2, CTS No. 644, Survey No. 121, Hissa No. 6 (pt.) CTS No. 548, 637, 639, 640, 641 & 658 S. No. 134, Hissa No. 2 & 5, CTS No. 833, 839 & 845.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/25139|85-86 on 3-2-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Dt.: 15-10-1986.

(1) Smt. K. J. Agarwal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Agarwal Construction Co.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. ARIV/37EE/25012|85-86,-Whereas, I,

Ref. ARIV/3/EE/23012[03-00.—whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land bearing S. No. 12, H. No. 7, C.T.S. No. 102, FP No. 670 Village Shimpoli, Borivli (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-2-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the came meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece of land bearing S. No. 12, H. No. 7, C.T.S. No. 102, FP No. 670 Village Shimpoli Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. ARIV/37EE/25012|85-86 on 3-2-86,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dt.: 15-10-1986.

- (1) Shri Rawelchand Divanchand Vijan,
- (Transferor)
- (2) Sh. Bipin Vanechand Udani,
- (Transferee)

(3) Transferor & Family,

(Person in occupation of the property)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/9991/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 2, 12th floor, Avanti Apts., Avanti Niejtan CH\$L.
Sion East, Bombay-22 situated at Bombay
land more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office, of the

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein sa are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 12th floor, Avanti Apartments, Avanti Niketan CHS1., Sion Fast, Bombay-400 022.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under S. No. AR-I/37EE/9383/85-86 on 10-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-10-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Orbit Corporation, Associated Bombay Cinemas Pvt.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10009/85-86,—Whereas, I, NISAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable 'said Act'), have reason to believe that the immovable 'said Act'). property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shop No. 80, Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, Lokmanya

Tilak Marg, Bombay-400 001

25998

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andloc

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perse vs. namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 38.4 Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 80, Ground floor, Ashoka Shopping Centre, Lokmanya Tilak Marg, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/9397/85-86 on 10-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Date: 7-10-1986

ROLL MOION

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.
  - (Transferor)

(Transferee)

(2) Sh. R. L. Ramchandani, HUF.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10010/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 56, Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, Lokmanya Tilak Marg, Bombay-400001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

nas ocen transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The erms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in repect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Shop No. 56, Ground floor, Ashoka Shopping Centre, Lokmanya Tilak Marg, Bombay-400 001,

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9398/85-86 on 10-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-10-1986

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Sh. R. L. Ramchandani, HUF.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10011/85-86.—Whereas, I, NISAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 55, Ground floor, Ashoka Shopping Centre, Lokmanya Tilak Marg, Bombay-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian lncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 55, Ground floor, Ashoka floor, Ashoka Shopping Centre, Lokmanya Tilak Marg, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/9399/85-86 on 10-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 1-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10012/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. II, Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, Lokmanya Tilak Marg, Bombay-400 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tux Act. 1961. in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said instrument of transfer with the said instrument of tran

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor) (2) Sharan Builders, Elite Cinemas Pvt. Ltd. Associated Bombay Cinemas Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the parties of the control of the publication of cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. II, Ground floor, Ashoka Shopping Centre, Lokmanya Tilak Marg, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9400/85-86 on 10-2-1986,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--25-346GI/86

Date: 1-10-1986

- (1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.
- (Transferor)

(2) Orbit Corporation.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10013/85-86.—Whereas, I, NISAR

being the Competent Authority under Section 2693 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imthat the is movable property having a fair market value exceeding Ps. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 99, Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, Lokmanya

Tilak Marg, Bombay-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 10-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 99, Ground floor, Ashoka Shopping Centre, Lokmanya Tilak Marg, Bombay-400 001.

agreement has been registered by the Competent Bombay, under S. No. AR-1/37EE/9401/85-86 Authority, on 10-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the axid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scotion 269D of the said Act, to the following -ersons, namely:-

Date: 1-10-1986

#### FORM ITNS.—

- (1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.
  - (2) Manoway Investment Limited.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10014/85-86.—Whereas, I. NISAR

Ref. No. AR-1/3/EE/10014/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 90, Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, Lokmanya Tilak Marg Bomboy 400 001

Tilak Marg, Bombay-400 001

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 90, Ground floor, Ashoka Shopping Centre, Lok-manya Tilak Marg. Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/9402/85-86 on 10-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 1-10-1986

### (1) M/s. Maini Shipping (Pvt.) Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Hanifabai Abdul Gaffar.

(Transferee)

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) Nil.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10019/8586.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to netieve that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Premises No. 77, 7th Floor Nariman Bhavan, Nariman

Point, Bombay-400021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liof the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

; ) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises No. 77, 7th Floor Nariman Bhavan, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9407/85-86 on 11-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroward property by the issue of this motice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-10-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

No. AR-1/37EE/10048/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Excome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herwinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Premises No. 61 6th Floor, 'Free Press House'

Nariman Point, Bombay-21,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 12-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from end /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Jagjivandas Jammandas Tulsidas Jamnadas Laxmikant Jamnadas.

(Transferor/s)

(2) Vilaka Electronic Pvt. Ltd.

(Transferee /s)

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) None,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 61, 6th Floor, 'Free Press House' Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9436/85-86 on **12-2-1986**.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the folkwing persons, namely :-

Date: 8-10-1986

Seal .

# (1) M/s Machsons Pvt. Limited,

(Transferor/s)

(2) M/s Moreury Goms Pvt. Ltd.

(Transferce/s)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR-1/37EE/10091/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'; have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Unit No. 5 on 3rd floor, 'Prabhadevi Industrial Estate' 408, Veer Savarkar Marg, Bombay-28,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 5 on 3rd floor. Prabhadevi Industrial Estate, 408, Veer Savarkar Marg. Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9482/85-86 on 14-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under respection (1) of Section 269D of the said Act, to the followlog persons, namely :-

Date: 9-10-1986

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

No. AR-I/37EE/10148/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-hax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 52-A, 5th Floor and Garage No. 47 on the ground floor of Anita Co-op. Hsg. Socy, Ltd., Plot No. 3/359, Mount Pleasant Road, Bombay-400 006.

situated at Rombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at 3ombay on 17-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcasd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising front the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Teisinghji Bhanwarsingh Bhandari,

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kantilal Gandhi. Smt. Sushma Ashok Gandhi. Smt. Pushpuben Kantilal Gandhi,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Flat No. 52-A, 5th Floor, and Garage No. 47 on the Ground floor, of Anita Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Plot No. 3/359. Mount Pleasant Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9538/85-86 on 17-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 8-10-1936

Scal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

No. AR-L 37EE / 10175 / 85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No 313, Petit Hall 'D' Bldg. 66 Nepean Sea Road

Bombay-400 006.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 17-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- .(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(i) M/s Melabat Industries P. 1.1d.

(Transferor)

(2) M/s Tee Kay Hotels Pvt. Ltd.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. Hall 'D' Bldg. 66 Nepean Sea Road, Bombay-40

been registered by the Competent under No. AR-I/37EE/9565/85-86 on The agree Authority. В 17-2-1986,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 8-10-1986

(1) Mr. N. V. Desai. M15. N. N. Desai.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. S. Mehta. Mrs. N. V. Mehta. Mrs. S. S. Mehta.

(Transferees)

### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

No. AR-I/37EE/10200/85-86.-Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 18th Floor, 'Shanaz' Bldg. at 90, Nepean Sea

Road, Bombay-6, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette. publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sair Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential Flat No. 18th Floor. 'Shanaz' Bldg at 90, Nepean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9588/85-86 on 17-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691 of the said Act, to the following persons, namely :-

26--346GI/86

Date: 8-10-1986

(1) M/s Al Sager Trade & Travels.

(Transferor/s)

(2) M/s Rajasthan Multifilizers Pvt, Ltd.

may be made in the writing to the undersigned :-

(Transferce /s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

No. AR-I/37EE/10212/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the

income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market /alue exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Office No. 98, Mittal Tower, 'B' Wing, Nariman Point,

Bombay-21.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 18-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquision of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 98, Mittal Tower 'B' Wing. Nariman Point. Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9608/85-86 on 18-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Scal:

Date: 8-10-1986

#### FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANG,-I, BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-J/37EE/10269/85-86,---Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the pening the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Premises No. 22, Nariman Bhavan, 2nd floor, 227, Nariman Point Bombay-400021

Point, Bombay-400021.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid (xeeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Bajaj Leathers Pvt. Ltd.

(Transferor/s)

(2) M/s. Zarhak Enterprises.

(Transferce/s)

(3) M/s. Bajaj Leathers Pvt. Ltd. (Person(s) in occupation of the property)

(4) None

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises No. 22, Nariman Bhavan, 2nd floor, 227, Nariman Point, Bombay-400003.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37E)/9661/85-86 on 19-2-1986

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 8-10-1986

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANG.-I, BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10304/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the theometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000-and bearing

No. 56, Mittal Court, C-Wing, 5th Floor, Nariman Point,

Bombay-21.

situated at Bombay

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Syed Omer Mohideen Abdul Khadir and Shri Habib Mohamed Ghias.

(Transferor/s)

(2) Smt. Kanchan T. Soni, Shri Talakshi R. Soni, Shri Rajesh T. Soni.

(Transferee/s)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Nil.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the immovable property, within 24 days from the date of the pulication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 56, Mittal Court, C-Wing, Nariman Point, Bombay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FF/110012/85-86 on 24-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 8-10-1986

THE EMPLOYER A LOCAL PROPERTY.

#### FORM ITNS

(1) M/s Amutlal Chemaux Ltd.

(Transferor)

(2) Mt. Deepak Chanshyas Mirchandani & Ors. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

NOTICE UNDER SECTION **269D** (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ret. No. AR-I/37EE/10380/85-86,-Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plat No. 1, 7th Floor, Building No. 8, Plot No. P-2, I Jug-

mohandas Marg, Nepean Sea Road, Bombay-400006.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority ut

Bombay on 24-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

(1) facilitating the redunction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 71, 7th floor, Building No. 8, together with the car parking space No. 13 on parking Plot No. P-2, in the Building (lurvasi' sittate at Point Hall, Plot No. 356, L. Jagmohandas Marg, Nepeansca Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10023/85-86 on 24-2-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-10-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANG,-I, BOMBAY

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10421/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No.
Office Premises at Embassy Centre, R. No. 712, 7th Floor,

Nariman Point, Bombay-20. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s, Uniroyal Engineering (P) Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Piyoosh Leasing & Finance Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Premises at Embassy Centre, R. No. 712, 7th Floor, Nariman Point, Bombay-400020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10033/85-86 on 24-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 8-10-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANG,-I, **BOMBAY**

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10515/85-86,---Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 26-B, 2nd Floor, 'Anitu' Mt. Pleasant Road, Bombay-400006 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay-40006.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mr. Kavas Ratan Dadabhoy.

(Transferor)

(2) Mrs. Manize Hussain Currimbhoy.

(Transferce)

(3) N. A. (Person in occupation of the property).

(4) N. A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 26-B, 2nd Floor, 'Anita' Mt. Pleasant Road, Bombay-400006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10052/85-86 on 26-2-1986

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 8-10-1986

#### FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG.-I, BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-I/371 E/10521/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 71, Nariman Point, Nariman Bhavan, 7th Floor, Bombay-400026.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

- (1) M/s. Carpetwoll Trading Company Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Shri Surendrakumar Dalmia.

(Transferce)

(3) Transferor.

(4) N. A.

(Person in occupation of the property)
interested in the property).

(Person whom the undersigned knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 71, Nariman Point, Nariman Bhavan, 7th Floor, Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10055/85-86 on 26-2-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 8-10-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG,-I, ROMRAY

Bombay, the 8th October 1986

Rcf. No. AR-I/37EE/10527/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Premises No. 708, 7th floor, 'Raheja Centre' 214, Fice-Press

Journal Road, Bombay-400021. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Hombay on 26-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

27-346GJ/86

- (1) Mr. B. R. Kagal & Ors.
- (Transferor/s) (2) M/s. Mukesh Properties Pvt. Ltd.

(Transferce/s)

(3) None other than Transferec. (Person in occupation of the property)

(4) None other than Transferor and Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises No. 708, 7th floor, 'Raheja Centre' 214, Free-Press Journal Road, Natiman Point, Bembay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10056/85-86 on 26-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Jate : 8 10-1986

وأوامل

(1) M/s. Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Nasmukh R Shah, Mrs. Nasmukh H Shah.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

Ref. No. AR-I/37FF/10622/85-86.—
Whereas I, NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovble property, having a fair market value exceeding
Shop No. 100 on Gr. fl. Ashoka Shopping Centre, L. T. Marg,
Bombay-1

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Shop No. 100 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Marg, Bombay-1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR11/37EE/10062/85-86 on 26-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26%D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 1-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s. Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Muniruddin M Ankolkar Mrs. Sarika M Ankolkar,

(Transferce) (s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 7th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10625/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs: 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 49, Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, Lokmanya Tilak Marg. Rombay 400 001

Tilak Marg, Bombay-400 001 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 49, Ground floor, Ashoka Shopping Centre, Lokmanya Tilak Marg, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10065/85-86 on 26-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:—

Date: 7-10-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-I/37EF/10644/85-86.—

Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 273, 'D' Building Petit Hall, Nepean Sea Road,

Bombay-400 006

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. politica.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

(1) M/s. Shree Mansingka Oil Mill Ltd.

(Transferee) (s)

(2) Smt. Rina Jain & Shri Virendra Jain.

(Transferor) (s)

(3) Transferor.

(Person in occupaion of the property)

(4) N. A. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 273, 'D' Building, Petit Hall, Nepean Sea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, Nuder No. AR-1/37EE/10070/85-86 on 26-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely :--

Date: 8-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10662/85-86,---

Whereas I, NISAR AIIMED, being the Competent Author being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 172, Shantinagar, 'A' 98, Nepeasca Road, Bombay 400 006

bay-400 006

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or a vasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhadresh Kirtilal Shah.

(Transferor) (s)

(2) Dhaneshchandra Prithviraj Kothari Sint, Sushila Dhanerschandra Kothari Bhareat Kimchand Kothari Prithviraj Chimantaji Kothari.

(Transferee) (s)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 172, Shantinagar, 'A' 98, Nepeansea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10077/85-86 on 27-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this patice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-10-1986

2,022

#### FORM ITNS

(1) M/s, Almas International.

(Transferor)

(2) Madhu Crimsers.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Almas International (Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10663/85-86.-

Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 73-C, Mittal Court 'C' Wing, Nariman Point,
Bombay-21 situated at Bombay

(and more fuly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 73-C, Mittal Court, 'C' Wing, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10078/85-86 on 27-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-10-1986

1

FORM NO. I.T.N.S.

(1) M/s. D. V. Ved & Sons.

(Transferor)

(2) M/s, Interteknik Consultants Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10694/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 505, 5th floor, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-400 021

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers 4.64 / 6月
- (b) facilitating the contralment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Nealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the rforesaid property by the issue of this notice under supsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 505, 5th floor, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-21,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10089|85-86 on 27-2-1986

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 8-10-1986

(1) M/s. Pert Sonstruction (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bharati S Khanna, Shri Sharan P Khanna.

(Trunsferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 7th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10710/85-86.—

Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Shop No. 12 on gr. floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Marg, Bombay-400 001

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 12 on gr. floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Marg, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Auhority. Bombay, under No. AR-1/37EE/10095/85-86 on 27-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Praful D Chheda, Smt. Freny S Bunsha, Sohrab R Dunsha, Mulchand D Chheda, Manilal D Chheda, Chandrakant D Chheda.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 1st October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10768|85-86.—
Whereas I, NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 51, Ground fl. Ashoka Shopping Centre, L. K.
Marg. Rombay-400 001

Shop No. 51, Groun Marg, Bombay-400 001

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Jucome-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 51 on ground floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Marg, Bombay-400-001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, Under No. AR-I/37EE/10109/85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

28--346GI/86

Date: 1-10-1986

PORM ITNS.

(1) Shri Bharat Jayantilal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chinubhai Bhogilal Shah Shri Bharat Chinubhai Shah Smt. Prabhaben Chinubhai Shah Smt. Jagruri Bharat Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupaion of the property)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay. the 8th October 1986

-----

Ref. No. AR-1/37EE/10774|85-86.—
Whereas I, NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 132, Samrat Ashok Society, Bldg. No. 3, 7,

D. D. Thokker Mars. Ridge Road, Rombay-6

R. R. Thakkar Marg, Ridge Road, Bombay-6

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aftersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 132, Samrat Ashok Society, Bldg. No. 3, 7, R. R. Thakkar Marg, Ridge Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10112/85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-10-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Smt. Rekha D. Mehta.

(Transferor/s)

(2) Smt. Neeta V. Mehta, Shri Vikram J. Mehta Shri Jaswantlal Mehta.

(Transferee/s)

(3) Transferor.

(Person in occupaion of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10783|85-86.— Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 25, 4th Floor, Rekhat Bidg. No. 1, 46, B. G. Kher

Marg, Bombay-6

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforefile believe that the tan market states of the said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und /or
- to) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 25, 4th Floor, Rekha Bldg., Bldg. No. 1, 46, Ridge Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10115|85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-10-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-J/37EE/10784|85-86.--

Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 19, 3rd Floor, Mahavir 37 Ridge Road, Bombay-6

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the push-ses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Dipak J. Mehta Shri Vikram J. Mehta Shri Jaswantlal M. Mehta.
- (2) Smt. Rekha D. Mehta.

(Transferor)

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Nil.

(Person whom the undersigned to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 19, 3rd Floor, Mahavir, 37 Ridge Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10116|85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-10-1986

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 **BOMBAY**

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10788|85-86.--Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 156, Mittal Court C. Nariman Point, Bombay-21

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fait market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mnd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any facilitating the concentions we may moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act or the following persons, namely:-

(1) Shri R. M. Sanghavi, Shri N. J. Karani, Miss M. Nagda,

(Transferor)

(2) M/s. Dove Investments Private Limited.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupaion of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 156, Mittal Court C, Mittal Court Premises CSL, Nariman Point, Bombay-21,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10119/85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 8-10-1986

(1) M/s. J. Chittaranjan & Co.

(Transferor)

(2) M/s. Mohamed Haji Adam & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10811|85-86-

Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refetred to as the 'and Act'), have reason to believe that the immovity the competent walls and the immoving the section 269B. able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 3 & Basement No. 3, Rajul Apartment, Harkness

Road, Bombay-6 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) farilitating the concealment of any income or any assences or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax and, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 3 & Basement No. 3 at Rajul Apartment, Harkness Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10125/85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-10-1986

(1) M/s. J. Chittaranjan & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mohamed Haji Adam & Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-J/37EE/10812|85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 2 & Basement No. 2, Rajul Apartment, Harkness

Road, Bombay-400 006

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

— ·--- --- ·---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Unit No. 2, & Basement No. 2, Rajul Apartment, Harkness Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10126|85-86 on 28-2-1986.

> **NISAR AHMED** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 8-10-1986

#### FORM I.T.N.5

(1) M/s. J. Chittaranjan & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mohamed Haii Adam & Co.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10813|85-86 — Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 1 & Basement No. 1 Rajul Apartment, Harkness

Road, Bombay-6. situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from n parvise of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Unit No. 1 & Basement No. 1, Rajul Apartment, Harkness Road. Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10127|85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersone, namely:-

Date: 8-10-1986

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

LONGERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10815|85-86.-

Whereas I, NISAR AHMED, heing the Competent Authority under Section 269B of the (noone-lax A.t. 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the said Act) have reason to believe that the iminovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 601, Dalamal House, 6h Floor, Nariman Point, Bombay-400 021

Bombay on 28-2-1986

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- To a facilitating the reduction of observation of the habitary of the termiteror to pay tax under the said Acr, in respect of any me, my printing from the appet of and/or
- (3) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes fo the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I before initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 29-346GI/86

(1) M/s. Saiba Developers Pvt. Ltd,

(Transferor)

(2) M's. Rajco Prints Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Nil.

(Person in occupation of the property)

(4) Nil.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 601, Dalamal House, 6th Floor, Nariman Point Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10128 85-86 on 28-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date ; 8-10-1986

Scal:

- (1) Mrs. Geetha Mohandas Shetty.
- (Transferors)
- (2) Master Kartik Nitin Sheth & Miss Jharna N. Sheth.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10836/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 702 at Dalmal Towers Premises, Co-operative Society Ltd.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the lncome-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Office No. 702, Dalmal Towers Premises, Co-operative Society Ltd. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10134|85-86 on 28-2-1960.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 8-10-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :--

- (1) Shri Moni Mohandas Mahtaney.
- (Transferor)
- (2) Realty Finance & Leasing Pvt. Ltd.
- (Transferee)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10929|85-86.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 44-B, 4th fl. Nariman Bhavan Premises CSL, 227, Backbay Reclamation, Bombay-21 situated at Bombay

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said vostrument of transfer with the object of:—

- (a) inciditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition to the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of 'he publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 44-B, 4th floor, Nariman Bhavan Premises Coop. Soc. Ltd., 227, Backbay Reclamation, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10142|85-86 on 28-2-1986,

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1986

#### [PART III-SEC. 1

#### FORM ITNS

(1) M/s. Development Consultant Pt. Ltd.

(Transferor)

NUTTLE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Gorav Trading & Finance Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10936|85-86.---Whereas I, NISAR AHMED,

whiteas 1, MSAR Atthority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

Office on the floor, C Wing, Nirmal building, Nariman Point, Bombay-11

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transverred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the exceedantion for such transfer as agreed to between the parces has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office on 6th floor, C Wing, Nirmal building, Nariman Point, Bombay-400 021

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10145|85-86 on 28-2-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-10-1986

Scal:

#### FORM I.T.N.S .--

(1) Kalpataru Indo Saigon Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. Padma V Nainani, Mr. Sham V Naimani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10641|85-86.-

Ref. No. AR-1/3/EE/10641[85-86.— Whereas f, NISAR ARMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable project having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 202, 20th floor, ANTARIKSHA with parking space, Kakasah D Gadgil Marg, Prabhadevi, Bombay situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bourbay on 25-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cem of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, 20th floor, with parking space in ANTA-RIKSHA, Kakasaheb Gadgil Marg, Prabhadevi, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10668/85-86 on 26-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Arest. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1986

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Aziz F Fidvi & Mr. Zuzar F Fidvi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10053|85-86,—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 304 on 3rd floor, UDYAN DARSHAN, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-400 025

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lo

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immeable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 304 on 3rd floor, UDYAN DARSHAN, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7441/85-86 on 12-2-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-10-1986

#### FORM I.T.N.S.----

(1) M/s. Regency Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Subir Mehta & Sunit Mehra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR-I/37EE/10103/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 51 on 5th floor, PALM SPRING Bldg., 24-B Worli Sonapur, Off Cadel Road, Prabhadevi, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14/2/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of granafer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 51 on 5th floor, PALM-SPRING Building, 24-B, Worli Sonapur, Off Cadel Road, Prabhadevi, Bombay.

The agreement has been registered by the competent Au hority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9494/85-86. on 14/2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely ;-

Date: 9-10-1986

Scal:

#### MOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/9675/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair model to be the said act. Rs. 1,00,000/ and bearing
No. Flat No. 2, Bldg. No. 1, Kamana CHSL, Gajananpuri
Wadi, Prabhadevi, Bombay-28,
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been hansfered and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4/2/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: And/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ramesh Waman Pradhan.

(Transferor)

(2) Shri Pandurang Ramchandra Patil.

(Transferec)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Building No. 1, Kamana Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Gajananpuri Wadi, Prabhadevi, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/9328/85-86 on 4 2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ressons, namely :-

Date: 9-10-1986

(1) Shri Dilip Subrao Divgi.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Subhas Vittaldas Kamath & Sharada S Kamath. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR-I/37FF/9549/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/ and bearing
No. Flat No. 10, Bldg., No. B, 5th floer. Deeplakshmi
CHSL, Hatiskar Marg, Prabhadevi, Sea Beach, Bombay-25,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at

Rombay on 17-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

PEXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, Fifth floor, Building B, Deeplakshmi Co-or Housing Society Ltd., Hatiskar Marg, Prabhadevi Sea Beach, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I '37FF/9592/85-86 on 17/2/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said ct, to the following persons, namely:—
30—346GI/86

Date: 9-10-1986

\_\_\_\_\_\_

(1) Kalpataru Indo-Saigon Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kalavathi Natarajan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR-I/37FF/10639 85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to rs the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 102, with parking space in ANTARIKSHA on Kaka-

saheb Gadgil Marg, Prabhadevi, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 26/2 '1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Gudgil Marg, Prabhadevi, Bombay, along with parking space.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FE/10067/85-86 on 26/2/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Kalpataru Indo-Saigon Constructions.

(Transferor)

#### (2) Mr. Sumer Singh Ugar Singh Bothara.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

·

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and axpressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. AR-1 37EE/10642/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Flat No. 201, 20th floor, with Parking space in Antatiksha Bldg, Kakasaheb Gadgil Marg, Prabhadevi, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 26/2/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201, 20th floor, Antatiksha on Kakasaheb Gadgil Marg, Prabhadevi, Bombay, with parknig space.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE 10069/85-86 on 26/2/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—29—336 GI/86

Dated: 9-10-1986

#### FORM ITNS ----

(1) M/s, Ferani Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sudhir Kumar Varma & Mrs. Krishna N Varma. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days and the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 9th October 1986

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

Act, shall have the same meaning as given

No. AR-I 37EE/10066, 85-86,—Whereas, I, NISAR AILMED,

NISAR ATIMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster reterred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 703 on 7th floor, UDYAN DARSHAN, TPS IV, Mahim, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-28, (and payer fully described in the Schedule, appayed beauty).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13/2/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 703 on 7th floor, UDYAN DARSHAN, F.P. 911 of TPS IV, Mahim, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I 37EE/9456/85-86 on 13/2/86.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 9-10-1986

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

(2) Mr. Dilip Vi haldas Shakkar & Mrs. Uma Dilip Thakkar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR-I/37EE/10321/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. Flat No. 205 on 2nd floor, UDYAN DARSHAN, Sayani

Road, Prabhadevi, Bombay-400 025, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24, 2/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for we purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcanid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 205 on 2nd floor, UDYAN DARSHAN, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10004 '85-86 on 24/2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bomba.

Date: 9-10-1986

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR-1. 37EE/10342/85-86,---Whereas, 1, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the said Act J have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 22, 5th floor, Owners Court, A-Road, Church-

gate, Bombay-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 24/2/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of between the transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance o fSection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Hiranand C. Chandiramani.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sureshkumar D. Mishra

Shri Shivdayal R. Mishra
 Shri Shivsahay J. Mishra and

4. Shri Dwarkanath S. Mishra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notico on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 22, 5th floor, Owners Court, A-Road, Churchgate, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/10011/85-86 on 24/2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-10-1986

(1) QSS INVESTORS PVT, LTD.

(Transferer)

(2) LAZOR COLOR PRINTS PVT, LTD.

(Transferee)

(2) EAZOR COLOR PRINTS I'V

(3) Transferce.
(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No.  $\Lambda R$ -I/37EE/10122/85-86.—Whereas, I, NISAR  $\Lambda HMFD$ ,

being the Competent Authority under Section 269B of the sucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. 6, Ground floor, Elphinstone House, 17, Muzzban Road, near New Empire Theatre, Bombay-400 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14/2/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-Fax Act, 1957 (27 of 1957);

persons, namely :--

THE SCHEDULE

Shop No. 6 on ground floor in Elphinstone House, 17, Murzban Road, near New Empire Theatre, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1-37EE/9513/85-86 on 14/2/1986.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-10-1986

(1) Mr. P. Gopaldas Thakkar.

(2) B. K. Vardhan.

(Transferer)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

No. AR-I/37EF/10452 85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 / and bearing No. Office No. 422, 4th floor, Commerce House, 140, Nagin las

Master Road, Fort, Bombay-23

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority it

Bombay on 24/2 '1986

Bombay on 24/2 1960 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westin-tan Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the substantial Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 422, 4th floor, Commerce House, 140, Nagindas Master Road, Fort, Bombay-23.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10041 85-86 on 24/2/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1986

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) 1. Mr. Maneklal M Bilaney. 2, Mr. Sushil M Bilaney.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sumermal M Vardhan,

2. Shri Parasmal U Jain, 3. Smt. Pista P Jain,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

No. AR-I/37EE/10667/85-86,—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

No. Block No. 606, 607, 6th floor, Commerce House, Mcdows Street, Fort, Bombay-23

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27/2/86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzine

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block No. 606 & 607, 6th floor, Commerce House, Medows Street, Fort, Bombay-23.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE '10079/85-86 on 27/2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following network namely: 31-346GI/86

Date: 8-10-1986

#### (1) Mrs. Rekha Kishan Lalwan.i

(Transferor)

(2) M/s. Sundeep Polymers Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property).

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR-I/37EE/10566/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Flat No. 52, 5th floor, Namata, New Prabhadevi Road, Rembers 400,006.

Bombay-400 026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 26/2/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANALL N :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 52, 5th floor, A Wing, Mamata, New Prabhadevi Road, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10060/85-86 on 26 /2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-10-1986

#### FORM I.T.N.S.

(1) 1. Sardar Jogindersingh Premsingh and Sardarni Manmohan kaur Jogindersingh. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Mrs. Ranjana Mahasukh Shah,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR-I/37EE/10093/85-86.—Whereas, I, AHMED. NILA:

being the Competent Auhority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 17, 3rd floor, Sharad Co-op. Hsg. Society A-Road, Churchgate, Bombay-400 020

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14/2/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, i out of any income arbitry from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Sci. 1937 (27 of 1937);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later;

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 17, 3rd floor, Sharad Co-op. Housing Society Ltd., A-Road, Churchgate, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9484/85-86 on 14/2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely :--

Date: 9-10-1986

Soal :

- (1) PSB Construction Co. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Hotel Natraj (The GL Hotels Ltd.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

No. AR-I/37EE/10251/85-86,—Whereas, 1, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the ammovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Fla. No. THREE on Ground floor in Building No. FOUR Two in PSB Apartments, B. G. Kher Road, Worli Naka, Rombout

Bombay,

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17/2//1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chupter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. THREE on Ground floor in Building No. FOUR, Two in PSB Apartments, B. G. Kher Road, Worli Naka,

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/9643/85-86 on 17/2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-10-1986

FORM ITNS-

(1) Taro Vazirmal Ramchandani.

(Transferor)

(2) Synergy Consultants Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR-I/37EE/10120/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being one Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 100 000/2 and begins

Rs. 1.00,000/- and bearing
Rs. 1.00,000/- and bearing
Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Flat No. 35, 9th floor, BLOCK D, Venus Building, R. G.
Thadani Marg, Worli Sea Face South, Worli, Bombay-400 018
has been transferred and the same is registered under section
269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at
Parabox of 14/2/1086

Bombay on 14/2/1986

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the negation has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gaustie.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal) have the same meaning as given in that chanier

## (a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Flat No. 35, 9th fioor, Block D, Venus Bldg., B. G. Thadani Marg, Worli Sea Face South, Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/9511/85-86 on 14/2/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 9-10-1986

(1) M/s Dineshchandra Vijaykumar. (Transferor)

(2) M/s. Beau Rivage Estates Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th October 1986

No. AR-I '37EE / 10347 / 85-86 — Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-12 & B-13, 1st floor, Chinar Building, R. A. Kidwai Road, Wadala, Bombay-3.

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24/2/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the timbility of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-12 & B13, on 1st floor, Chinar Building, R.A. Kidwai Road, Wadala, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10020-A 85-86 on 24/2/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 8th October 1986

No. AR-I/37EE/9990/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and Unit No. 312-313, 3rd fl. Ashish Industrial Estate, Gokhale

Unit No. 312-313, 3rd fl. Ashish Industrial Estate, Gokhale Road (South) Dadar, Bombay-25 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 10-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason as believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the eblect of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);
- "Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Hariram R Hinduja, Dhirajlal H Rachh, Mrs. Roshanbai K Zaver, Anil H Hinduja, Meena P Rathh.
- (2) M. s. Shah Brother.

(Transferors)

(3) Transferors. (Transferoe)

(Person in occupation of the property)
Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Units No. 312-313, 3rd floor, Ashish Industrial Estate, Gokhale Road (South), Dadar, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EB/9385-A/85-86 on 10-2-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 8-10-86 Seal:

#### FORM TINS-----

(1) Mr. Alok J. Chopra.

(Transferor)

(2) Bashir Ahmed Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION' RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30392/85-86.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), having a fair market value exceeding R<sub>5</sub>, 1.00,000/- and bearing
No. Flat No. 903, 9th floor, Somerset Apartments, Pali Hill Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Hombay on 24-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have net been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 903, 9th floor, Somerset Apartments, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Bombay, under No. AR.II/37EE/30392/85-86 Authority, on 21-2-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-10-86

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29920/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 92. CTS No. 441, Danda, Bandra, Bombay situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 7-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--32-346GH/86

(1) Mrs. Dorothy Clare Pereira.

(Transferor)

(2) Cord Construction Co.

(Transferee)

(3) 1.Mr. Joseph A. Pereira; 2. Mr. H. D. Nariwalia; 3. Mr. Anthony Carvalho and 4. Mrs. Chandra Nihalani.

(Person in occupation of the property) (4) Salsette Co-op. Hsg. Society Ltd.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gameta.

EXPLANATION: ---The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property bearing plot No. 1, C.T.S. No. 441, Danda, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II/37EE/29920/85-86 on 7-2-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-10-86

(1) The Western India Tanneries Ltd.

(Transferor)

(2) Abhyudaya Co-operative Bank Ltd.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMB-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-11, **BOMBAY**

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. AR.II / 37EE / 40951 / 85-86.—Whereas, I.

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. A, S. No. 339, & CS No. 1/327 of Dharavi Division, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration threfor by mor than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- facilitating the concentment of any income or any moneys or other easets which have not been or (b) facilitating the concenie which cought to be disclosed by the transferes for the perposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immus-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

The terms and expressions used herein are demed in Chapter XXA of the REPLANATION :-Act, shall have the same mouning as given t Chart

#### THE SCHEDULE

9% share right and title and interest being Plot No. A, Survey No. 339 & C.S. No. 1/327 of Dharavi Division, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II/37EE/40951/85-86 on 18-12-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bornbay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-10-86

#### FORM ITNS----

#### (1) M/s. Vikas Developers.

(2) Jagadanand Investments & Trading Co. Ltd.
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. AR.II/37FE/30732/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, Janki Kutir. Santacruz (W), Bombay-49 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sparties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act. to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101, on 1st floor of the building known as Janki Kutir at Plot No. 14 & 22 baering CTS No. 567/13 Juhu Scheme Road, Santacruz (W), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No.  $AR.\Pi/37EE/30732/85-86$  on 28-2-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the saforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-86

Scal:

(1) M/s. Sailesh Corporation.(2) Mr. Gopal Jhunjhunwalla

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Shakuntala Jhunjhunwalla & Sailesh Jhunjhunwalla.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30416/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rg 100000/- and bearing

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 51, 5th floor, Villa-Capri CTS No. 428, Gazdar Scheme, Santacruz (W), Bombay-54 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tox Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 51, 5th floor, Villa Capri, CTS No. 428, Gazdat Scheme, Vallabhbhai Patel Road, Santacruz, Bombay-54.

The agreem nt has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30416/85-86 on 21-2-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 15-10-1986.

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1901 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE, 30415/85-86,—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 52, CTS No. 428, Gazdar Scheme, Santacru.:

Bombay-54 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/or

(r) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Sailesh Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Chandresh Jhunjhunwalla Mrs. Meenakshi Jhunihunwalla & Mukesh Jhunihunwalla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Flat No. 52, Villa-Capri, CTS No. 428, Gazdar Scheme, Vallabhbhai Patel Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-II/37EE/50415/85-86 on 21-2-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--33-346GI/86

Dated: 15-10-1986,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. AR.11/37EE/29874/85-86.—Whereas, 1, K. C. SHAH, being the Competent

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

CTS No. 1580 & 1580/1 to 10 at Village Vile Parle (West), Andheri Taluka, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority of the Competent Authority at Bombay on 7-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the more than per them to the control of the property as a speed to between the more than per them. ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- ing facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.-

(1) Mr. Joseph J. D'Souca & 5 Others.

(Transferor)

(2) M/s. Patel Builders.

(Transferec)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said izamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing CTS Nos. 1580 & 1580 1 to 1580/10 at Village Vile Parle (West), Andheri Taluka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29874, 85-86 on 7-2-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 15-10-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30662/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. CTS Nos. 579, 579/1 to 579/3, M.G. Road, Vile-Parle (E), Bombay-57 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the arparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) decilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Milap Exhibitors.

(Transferor)

(2) M/s. D. D. Patel & Co.

(Transferee)

Nil.

(4) Equitable Mortgage of the Janata Sahakari Bank Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned (w-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot bearing CTS Nos. 597, 579,/1 to 579/3, M. G. Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-II/37EE/30662/8z5-86 on 28-2-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 15-10-1986.

(1) Mr. V. P. Bhatia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) M/s. B. S. Packaging Aids.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. AR.11/37EE/30767/85-86.--Whereas, I,

K. C. SHAII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 92-A, Marol Co-op. Industrial Estate, Andheri (E),
Bombay-59 situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immed-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-la-Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 92-A, Marol Co-op. Industrial Estate, Saki Naka. Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30767/85-86 on 28-2-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated 15-10-1986.

(1) Smt. Shabtaben Mohanlal Dodia & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Ranka Estates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Owners & Tenants. (Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE, 30700/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax' Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Ground with structures, Niranjan Niwas, Malaviya Rd.,

Vile Parle (F), Bomoay-57, situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed nereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office the Competent Authority at Bombay on 28-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differn percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; andier
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the st Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ground with structures, known as Niranjan Niwas, Malaviya Road, Vile-Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-II/37FE/30700/86-86 on 28-2-1986.

> K. C. SHA! Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 15-10-1986.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29727/85-86.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 244, 243 & 241, Mogra Village, Andheri situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 31-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sheikh Sattar Shahbuddin Hajiullah.

---<u>.--</u>\_-

(Transferor)

(2) M/s. C. S. Construction Co.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot CTS No. 244, 243 & 241 Village Mogra, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29727,85-86 on 31-1-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Dated : 15-10-1986.

Constitution with the first of the control of the c

FORM ITNS-----

(I) Dr. Hoshang B. Vakil,

(Transferor)

(2) Mrs. Shivin H. Vakil.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGISER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 15th October 1986

Ref. No. AR II/37EE/30517/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs, 1,00,000 /- and bearing
No. 97.5% in flat No. 7, Gautam Apartments, 72 Pali Itill,
Bandra, Bombay-50, situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if env, to the acquisition of the sale property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this noticin the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires them
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

CAPLANATION :- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the ("Family

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

97.5% share in flat No. 7, 3rd floor, Gautam Apartments, 72, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competen-Authority, Bombay under No. ARJI/37EE/30517,85-86 or 25-2-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely --

Dated: 15-10-1986.